फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 161 प्रभात जयपुर, सोमवार 12 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Lineage, Legacy, And A Long...

Admiral Madhavendra Singh made many recommendations, but the most important one is the first recommendation, which is 'please immediately form a parachute regiment'

Honouring the Spirit of India's Youth

National Youth Day, observed on January 12 each year in India, celebrates the birth anniversary of Swami Vivekananda

कभी भी हो सकता है, ग्रीनलैंड पर अमेरिका का हमला

ट्रंप को डर है कि देर होने से रूस व चीन को ग्रीनलैंड में दखल देने का मौका मिल जाएगा

वॉशिंगटन, 11 जनवरी। ग्रीनलैंड पर अमेरिका का सैन्य हमला बहुत जल्द हो सकता है। यह आशंका जताई जा रही है क्योंकि एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी स्पेशल फोर्सेज के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है। ट्रंप ने कथित तौर पर अमेरिकी सेना के शीर्ष अफसरों से कहा है कि उनको ग्रीनलैंड में कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि इस मामले में ज्यादा देरी ठीक नहीं है। ट्रंप को लगता है कि ग्रीनलैंड पर देर करने से चीन और रूस को वहां दखल का मौका मिल सकता है। कई एक्सपर्ट नेअगले कुछ दिनों या घंटों में ही हमले की आशंका जताई है।

यह रिपोर्ट ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा किया जाएगा। ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा के पीछे अमेरिका की सुरक्षा का हवाला दिया है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका ऐसा नहीं करेगा तो चीन या रूस यह कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से कहा गया है कि वह ग्रीनलैंड पर नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए सैन्य विकल्प खुला है। ग्रीनलैंड फिलहाल डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है।

■ **यह चर्चा है कि ट्रंप ने स्पेशल फोर्सेज़ के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है, पर सेना अभी तक इस हमले पर एक राय नहीं है।**

डेली मेल ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ट्रंप जल्दी से जल्दी ग्रीनलैंड पर कब्जे का प्लान चाहते हैं। ट्रंप हमले की योजना के लिए जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ इससे सहमत नहीं हैं। दूसरी ओर राजनीतिक सलाहकार स्टीफन मिल ग्रीनलैंड पर कार्रवाई चाहते हैं।

रिपोर्ट में डिप्लोमैटिक केबल के हवाले से कहा गया है कि घरेलू राजनीतिक कारणों से ट्रंप एक ऐसी स्थिति बना सकते हैं, जो बाद में समझौते की तरफ मुड़े। यूरोपीय अधिकारियों को डर है कि ट्रंप के लिए मिड-टर्म से पहले मौके खत्म हो रहे हैं, इसलिए वह जल्द ही ग्रीनलैंड में कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि अभी सेना में इस पर एकराय नहीं है।

ट्रंप कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा करनी होगी क्योंकि उस पर रूस और चीन की नजर है। ग्रीनलैंड की रक्षा के लिए हमें उसे अपने नियंत्रण में लेने की जरूरत है।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीते साल और हालिया दिनों में कई बार कहा है कि ग्रीनलैंड का अमेरिका के नियंत्रण में होना उनके देश की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। दूसरी ओर डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ने कहा है कि वह इसके लिए तैयार नहीं है। डेनमार्क सरकार ने अमेरिका के सैन्य हमले की सूरत को नाटो के खत्म हो जाने तक की धमकी दी है। ग्रीनलैंड उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच है। यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। अपनी विशेष स्थिति (लोकेशन) की वजह से ग्रीनलैंड मिसाइल हमलों की स्थिति में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम के लिए अहम है। जहाजों की निगरानी के लिए भी यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

संघ बदल नहीं रहा, विकसित हो रहा है- भागवत

नई दिल्ली, 11 जनवरी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार (11 जनवरी) को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। मोहन भागवत दिल्ली स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में आने वाली फिल्म शतक के गाने के एल्बम को लॉन्च किया गया। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर की कहानी बताती है।

■ **संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था।**

आरएसएस प्रमुख भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है। इस मौके पर सिंगर सुखविंदर सिंह, डायरेक्टर आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस पदाधिकारी भैयाजी जोशी मौजूद रहे। उन्होंने आगे कहा, जैसे एक बीज से अंकुर निकलता है और फलों और फूलों से लदा हुआ परिपक्व पेड़ का एक अलग रूप होता है, ये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की सैटेलाइट फोन पर बातचीत पकड़ी

गणतंत्र दिवस के दौरान शांति के लिए इंटरनैशनल बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन शुरु

श्रीनगर, 11 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के कनाचक इलाके में संदिग्ध सैटेलाइट फोन कम्युनिकेशन ट्रेस किया गया है। सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सैटेलाइट फोन के जरिए आतंकियों की बातचीत ट्रेस से कई जानकारियां सामने आई हैं।

■ **जिस स्थान पर कम्युनिकेशन ट्रेस हुआ, वह अंतर्राष्ट्रीय सीमा से मात्र एक किलोमीटर दूर है। सुरक्षा बलों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों सहित पूरे क्षेत्र में तलाशी व घेराबंदी अभियान तेज कर दिया।**

बताया जा रहा है ये इलाका इंटरनेशनल बॉर्डर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर है। बातचीत इंटरसेप्ट होने के तुरंत बाद सुरक्षाबल हरकत में आए और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं।

अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए संचार का पता थुराया सैटलाइट उपकरण से लगाया गया, जिसके बाद जम्मू - कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना द्वारा संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया है।

जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित कानाचक, अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज एक किलोमीटर दूर है। पहले आतंकवादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ के मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

सुरक्षा बलों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों समेत पूरे क्षेत्र में तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिया है, ताकि क्षेत्र में सक्रिय माने जा रहे लगभग तीन दर्जन आतंकवादियों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा सके। अधिकारी ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस के दौरान शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत ये सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं होगी- डीएमके

कांग्रेस के सत्ता में साझेदारी के प्रस्ताव को डीएमके ने अस्वीकार किया

दिंडीगुल (तमिलनाडु), 11 जनवरी। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री आई. पेरियासामी ने रविवार को तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपने सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं हैं।

पेरियासामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करना तमिलनाडु कांग्रेस का अधिकार है। लेकिन डीएमके हमेशा इस तरह की मांग के पक्ष में नहीं रही है। उन्होंने कहा, कभी भी गठबंधन सरकार नहीं बनी। राज्य हमेशा का नेतृत्व हमेशा डीएमके ने ही किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस रुख पर अडिग है और मुख्यमंत्री इस पर स्पष्ट हैं कि कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी।

तमिलनाडु कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के जीतने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग दोहराई है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा था कि अब सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा करने का समय है।

तमिलनाडु कांग्रेस ने कहा है कि अगर गठबंधन जीतता है तो उन्हें सत्ता में हिस्सा मिलना चाहिए।

1967 से डीएमके और एआईएडीएमके ने हमेशा अपनी सरकार बनाई है, भले ही चुनावों में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया हो।

■ **डीएमके नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी ने पहले भी चुनाव में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया पर सरकार हमेशा अकेले बनाई।**

1952 में पहली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत नहीं ला सकी थी। उस समय गैर-कांग्रेसी नेताओं को सरकार में जगह मिली थी।

2006-2011 में भी डीएमके ने सहयोगियों के समर्थन से पूरी पांच साल की सरकार चलाई, लेकिन सत्ता साझा नहीं की।

सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिली

नयी दिल्ली, 11 जनवरी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन प्रमुख सोनिया गांधी को रविवार शाम सर गंगाराम अस्पताल से सेहत में सुधार होने के बाद छुट्टी मिल गयी। ठंड और दिल्ली प्रदूषण के कारण अस्थमा से जुड़े लक्षण बढ़ ने पर गांधी को पांच जनवरी को सर गंगाराम

■ **प्रदूषण के कारण अस्थमा बढ़ने से वे 5 जनवरी को गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुई थीं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्स ने गलती मानी, महिलाओं के 3500 अश्लील कंटैंट हटाए

इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत के कानून के हिसाब से काम करने का भरोसा दिलाया

नई दिल्ली, 11 जनवरी। सरकार की आपत्तियों के बाद इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने महिलाओं के अश्लील पोस्ट के मामले में अपनी गलती मानते हुए 3500 कंटेंट को हटा दिया है। इस प्रकार के कंटेंट का सृजन करने वाले 600 से अधिक खातों को बंद भी कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय की तरफ से महिलाओं के अश्लील कंटेंट को लेकर आपत्ति उठाई गई थी और एक्स को 72 घंटे के भीतर इन कंटेंट को हटाते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया गया था।

■ **इलैक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय ने महिलाओं के अश्लील कंटैंट 72 घंटे में हटाने के लिए एक्स को निर्देश दिए थे।**

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के प्लेटफार्म एक्स ने इस मामले में अपनी गलती मानते हुए इस बात का आश्वासन दिया है कि भारत में एक्स यहां के कानून के हिसाब से काम करेगा। मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में कांग्रेस व वामपंथी दशकों से मैच फिक्सिंग कर रहे हैं- अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री ने केरल के स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की बैठक ली

तिरुवनंतपुरम, 11 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने रविवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर तीखा हमला करते हुए उन पर मैच फिक्सिंग, परस्पर समझौते और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि केरल में निश्चित तौर पर भाजपा की सरकार बनेगी।

शाह ने यहां स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ दशकों से राजनीतिक नाटक कर रहे हैं और जब भी चुनावी गणित की जरूरत पड़ी, दोनों एक-दूसरे के बचाव में खड़े हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच दशकों से यह चलन बना हुआ है कि जब कांग्रेस बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तो वामपंथी उसका समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसी तरह जब त्रिपुरा में वामपंथियों को राजनीतिक समर्थन की जरूरत पड़ी, तो कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया। शाह ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल और केरल में एक साथ चुनाव होने के कारण ही कांग्रेस और कम्युनिस्ट वहां औपचारिक गठबंधन में नहीं आए, अन्यथा दोनों वहां भी साथ चुनाव लड़ते।

■ **अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट शून्य सीटों की ओर बढ़ रहे हैं तथा वहाँ भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है।**

शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों शून्य सीटों की ओर बढ़ रहे हैं और वहां भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में है। केरल में भाजपा के संगठनात्मक विस्तार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने अब तक 30 ग्राम पंचायतें और दो नगरपालिकाएं जीती हैं। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में आज भाजपा का मेयर होना पार्टी की राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शाह ने कहा कि भविष्य भाजपा का है और वह दिन आएगा जब केरल में भाजपा का मुख्यमंत्री होगा।

उन्होंने कहा कि यह सफलता भाजपा कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण की बदौलत संभव हुई है। शाह ने राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में बात करते हुए कहा कि 1984 में लोकसभा में भाजपा के केवल दो सांसद थे, जबकि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बना चुकी है।

उन्होंने असम का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी भाजपा कभी केवल दो विधानसभा सीटों पर सिमटी थी, लेकिन आज वह तीसरी बार सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। शाह ने आरोप लगाया कि एलडीएफ और यूडीएफ न तो आस्था की रक्षा कर सकते हैं, न केरल की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं और न ही राज्य का विकास कर सकते हैं।

शाह ने यह भी कहा कि उन्होंने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा मेयर बनने पर पद्मनाभस्वामी मंदिर में दर्शन करने का संकल्प लिया था और उनकी यह यात्रा उसी संकल्प की पूर्ति है।

प्रधानमंत्री सोमनाथ में शौर्य यात्रा में शामिल हुए

सोमनाथ, 11 जनवरी। पीएम मोदी आज (रविवार को) अपने सोमनाथ के दौरे के दौरान शौर्य यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपना बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूं कि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सक्रिय सेवा का अवसर मिला है। आज देश के कोने-कोने से लाखों लोग हमारे साथ जुड़े हैं, उन सबको मेरी तरफ से जय सोमनाथ।

■ **उन्होंने कहा, एक हजार साल पहले हमारे पुरखों ने इस जगह के लिए जान की बाजी लगा दी थी।**

प्रधानमंत्री ने कहा, "ये समय अद्भुत है, ये वातावरण अद्भुत है, ये उत्सव अद्भुत है। एक ओर देवाधिदेव महादेव, दूसरी ओर समुद्र की लहरें, सूर्य की किरणें, मंत्रों की ये गूंज, आस्था का ये उफान और इस दिव्य वातावरण में भगवान सोमनाथ के भक्तों की उपस्थिति इस अवसर को भव्य और दिव्य बना रही है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज से करीब 1 हजार पहले इसी जगह पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत आज एडवांस सैटेलाइट लॉन्च करेगा

नई दिल्ली, 11 जनवरी। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) साल 2026 के अपने लॉन्चिंग कैलेंडर की शुरुआत पीएसएलवी-सी62मिशन से करने जा रहा है। इस मिशन के तहत एक खास पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट लॉन्च किया जाएगा, जिसे भारत की सुरक्षा और निगरानी क्षमताओं के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

इसरो का पीएसएलवी-सी62मिशन 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे लॉन्च होगा। यह लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से की जाएगी। इस मिशन में एडवांस अर्थ ऑब्ज़र्वेशन सैटेलाइट ईओएस-एन1 को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिसे अन्वेषा नाम दिया गया है। इसे भारत के लिए आसमान में एक और आंख माना जा रहा है। अन्वेषा एक विशेष इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इसमें दुश्मन के ठिकानों की सटीक तस्वीरें लेने और मानचित्रण करने की उन्नत क्षमता है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से भारत की निगरानी और सुरक्षा को और मजबूत करेगा।

■ **इस सैटेलाइट को भारत की सुरक्षा व निगरानी क्षमताओं के लिए अहम माना जा रहा है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेन्द्रजीत मालवीया के वापस कांग्रेस में जाने की चर्चाएं चलीं

उनके समर्थक कहते हैं कि मालवीया कुछ समय से भाजपा में उपेक्षित महसूस कर रहे थे

बांसवाड़ा, (निसं)। पूर्व केबिनेट मंत्री एवं वागड़ क्षेत्र के दिग्गज जनजाति नेता महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के कांग्रेस में वापसी के संकेत राजनीतिक क्षेत्र में तूफान मच गया है। कुछ टीवी चैनलों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को मालवीया के कांग्रेस में वापसी के संकेत मिले तो चारों ओर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

ध्यान रहे कि लोकसभा चुनाव से पूर्व मालवीया ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था एवं भाजपा ने उन्हें सांसद पद का प्रत्याशी बनाया। इतना ही नहीं, उनके रिश्तेदार को बागीदौरा से विधानसभा प्रत्याशी भी बनाया था लेकिन दोनों को ही हार का सामना करना पड़ा। लंबे समय से चर्चाएं चल रही थीं कि मालवीया को किसी पद से नवाज़ा जायेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री की बागीदौरा क्षेत्र की यात्रा के दौरान इन चर्चाओं को गर्म किया गया था।

सूत्र बताते हैं कि लंबे समय से मालवीया भाजपा में अपने कद के अनुरूप सम्मान नहीं ले पा रहे थे। ऐसे में चर्चाएं चल पड़ी थी कि उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है। इधर मालवीया के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लेने वाले कांग्रेसजनों को भी भाजपा की रीति-नीति समझ नहीं आ रही थी। जिला परिषद् की अंतिम बैठक में तो बांसवाड़ा विधायक अर्जुन सिंह बामनिया ने जिला प्रमुख रेशम मालवीया को खुले तौर पर वापस आने का आमंत्रण तक दे दिया था तब रेशम मालवीया ने भी इस प्रस्ताव को लेकर अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया सधे हुए शब्दों में दी थी। तब लगने लगा था कि कोई न कोई खिचड़ी पक रही है।

■ **जिला परिषद की अंतिम बैठक में बाँसवाड़ा विधायक अर्जुन बामनिया ने जिला प्रमुख रेशम मालवीया को खुले रूप में कांग्रेस में वापस आने का आमंत्रण दिया था। रेशम मालवीया की सधी हुई प्रतिक्रिया से भी इन चर्चाओं को बल मिला था।**

पूर्व केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया और बांसवाड़ा विधायक व पूर्व राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया कभी एक-दूसरे के खास हुआ करते थे लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मालवीया का पत्ता काटते हुए अर्जुन सिंह बामनिया को राज्यमंत्री पद से नवाजा था तभी से दोनों के बीच खटास महसूस की जाने लगी। इधर गहलोत और पायलट के बीच में विवाद हुआ तो इस विवाद के बीच गहलोत ने मालवीया को पुनः केबिनेट मंत्री पद से नवाजा। बताया जाता है कि इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में मालवीया को नेता प्रतिपक्ष बनाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन एन समय में उन्हें धोखा मिला। इसके बाद मालवीया ने भाजपा का दामन थाम लिया लेकिन लोकसभा एवं विधानसभा सीट पर हार के बाद भाजपाईयों के संभवतः तेवर बदल गये और इसी के चलते मालवीया अपने को उपेक्षित समझने लगे। इधर कांग्रेस के पुराने साथियों ने भी संभवतः उन्हें घर वापसी के लिये प्रेरित किया। सूत्र तो यहां तक बताते हैं कि प्रदेश स्तर पर लंबी खिचड़ी पक रही है इसी के चलते मालवीया की वापसी की राहें बनने लगी।

अमेरिका ने सीरिया में आतंकवादी आईएस के ठिकानों पर हमले किए

वॉशिंगटन, 11 जनवरी। अमेरिका ने सीरिया में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। अमरीकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को यह जानकारी दी।

कमांड ने एक्स पर पोस्ट किया, "आज, दोपहर लगभग 12:30 बजे अमरीकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने सहयोगी सेनाओं के साथ मिलकर पूरे सीरिया में आईएस के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए।"

■ **अमेरिकी सैंट्रल कमांड के अनुसार, ये हमले, 13 दिसंबर को सीरिया के पल्मायरा में अमेरिका व सीरिया की सेनाओं पर हुए जानलेवा आई.एस. हमले के जवाब में किए गए।**

कमांड ने कहा कि ये हमले ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक का हिस्सा थे, जिसे 13 दिसंबर को सीरिया के पल्मायरा में अमेरिका और सीरियाई सेनाओं पर हुए जानलेवा आईएस हमले के जवाब में 19 दिसंबर को शुरू किया गया था। हमले में आईएस के एक आतंकवादी ने घात लगाकर हमला किया, जिसमें दो अमरीकी सैनिक और एक अमरीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है। –शंकराचार्य

जो रहीम ओछो बढ़ै, तौ अति ही इतराय

बाबा तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा था–बड़ अधिकार दच्छ जब पावा। अति अभिनामुहृदयँ तब आवा।।/ नहिंकोउ अस जनमा जग माहीं। प्रभुता पाइजाहि मद नाहीं।। अर्थात जब दक्ष ने इतना बड़ा अधिकार पाया, तब उनके हृदय में अत्यंत अभिमान आ गया। जगत् में ऐसा कोई नहीं पैदा हुआ जिसको प्रभुता पाकर मद न हो। निश्चय ही तुलसी एक ख़ास संदर्भ में यह बात कह रहे थे, अन्यथा भारतीय जीवन पद्धति तो सदा इसी बात का आग्रह करती आई है कि प्रभुता की पहचान विनम्रता से होती है। ऐसे अनेक प्रसंग हम पढ़ते सुनते आए हैं जब किसी उच्च पदस्थ ने अतिशय विनम्रता का प्रदर्शन किया। भारतीय राजनीति में भी हम गांधी–नेहरु–शास्त्री–राजेंद्र प्रसाद जैसे अनके महान लोगों को देख चुके हैं जिन्हें अभिमान लेशमात्र भी छू नहीं गया था। ये कुछ नाम तो ऐसे हैं जो हरेक को हर पल याद आते रहते हैं, इनके अतिरिक्त भी न जाने कितने बड़े और महान लोग हुए हैं जो पदजन्य अहंकार से मुक्त रहे हैं। हमारे यहां तो दिखावा करने वाले या अहंकारी को सदा ही थोथा चना बाजे घना कहकर नकारा गया है। पद का अहंकार दिखाने वाले के लिए रहीम दास ने क्या खूब कहा था: जो रहीम ओछो बढ़ै, तौ अति ही इतराय।/ प्यादे सोंफरजीभयो, टेढ़ो–टेढ़ो जाय।।

लेकिन हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां हर कोई अपने महत्त्व को दिखाने के लिए व्यग्र नज़र आता है। न केवल व्यग्र नज़र आता है, उसे बेझिझक दिखा भी देता है। लगता है अब विनम्रता कोई मूल्य नहीं रह गया है। उसकी जगह उठाता, आक्रामकता और अशिष्टता ने ले ली है। अभी हाल में ऐसा ही एक प्रसंग सामने आया है जिसने हर संवेदनशील व्यक्ति को व्यथित किया है। हुआ यह कि छत्तीसगढ़ के दूसरे बड़े शहर बिलासपुर में, जिसे वहां अवस्थित राज्य के उच्च न्यायालय की वजह से उस शहर को राज्य की न्यायधानी भी कहा जाता है, साहित्य अकादेमी दिल्ली और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में समकालीन 'हिंदी कहानी: बदलते जीवन संदर्भ' पर इस विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के बैनर तले एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में हिंदीवके अनेक सुपरिचित और ख्यात साहित्यकार भी उपस्थित थे। वहां अन्य लोगों के अलावा हिंदी के बड़े और सम्मानित कथाकार मनोज़ रूपड़ा भी मौज़ूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति माइक पर थे और जैसा कि सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो क्लिप से ज्ञात हो रहा है वे हल्के–फुल्के अंदाज़ में अपनी बात कह रहे थे। यकायक वे मनोज रूपड़ा की तरफ मुखातिब होते हैं और उनसे पूछते हैं कि 'कहीं आप मेरी बातों से बोर तो नहीं हो रहे हैं? अब कुलपति की यह हरकत सामान्य तो नहीं कही जाएगी। उन्होंने मनोज रूपड़ा को सम्बोधित कर यह बात कही तो मनोज ने भी सहज भाव से जवाब दे दिया कि 'आप विषय पर नहीं बोल रहे हैं। अब यह कोई असामान्य उत्तर नहीं था। बात को यहीं ख़त्म हो जाना चाहिए था। वैसे कुलपति को किसी एक व्यक्ति को लक्ष्य करके ऐसा कहना ही नहीं चाहिए था, और अगर कह दिया तो फिर उन्हें इस बात के लिए भी सहज भाव से तैयार रहना चाहिए था कि उनकी बात का कुछ न कुछ जवाब दिया जाएगा।

लेकिन यह लिखते हुए मैं इस बात को शायद भूल गया कि पूछने वाला एक विश्वविद्यालय का सर्व शक्तिमान कुलपति था और जिससे पूछा गया वह एक मामूली कहानीकार। कुलपति जी ने तो उससे सवाल कर उसकामान बढ़ाया था, और वह नाशुक्रा कहानीकार ऐसा जवाब देने की धृष्टता कर बैठा! कुलपति जी का बड़ा आदमी तुरंत जाग खड़ा हुआ और उसने मनोज रूपड़ा का अपमान करते हुए कि इसको यहां किसने बुलाया है, सार्वजनिक रूप से उन्हें बाहर जाने के लिए कह दिया। न केवल इतना, कुलपति ने यहां तक कह डाला कि जो इनके साथ जाना चाहें वे भी बाहर चले जाएं!

> **भारतीय राजनीति में भी हम गांधी-नेहरु-शास्त्री-राजेंद्र प्रसाद जैसे अनके महान लोगों को देख चुके हैं जिन्हें अभिमान लेशमात्र भी छू नहीं गया था। ये कुछ नाम तो ऐसे हैं जो हरेक को हर पल याद आते रहते हैं, इनके अतिरिक्त भी न जाने कितने बड़े और महान लोग हुए हैं जो पदजन्य अहंकार से मुक्त रहे हैं। हमारे यहां तो दिखावा करने वाले या अहंकारी को सदा ही थोथा चना बाजे घना कहकर नकारा गया है।**

सच बात यह है कि किसी आमंत्रित अतिथि को बाहर जाने के लिए कहना किसी के भी अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उस समय तक नहीं है जब तक कि वह अतिथि कोई ऐसी हरकत न कर बैठे जो सुरक्षा या गरिमा के प्रतिकूल हो। वीडियो क्लिप साक्षी है कि मनोज रूपड़ा ने ऐसा कुछ भी नहीं किया। उन्होंने केवल कुलपति जी के सवाल का जवाब दिया। ऐसा भी नहीं कि कुलपति बोल रहे थे और मनोज ने उन्हें टोक दिया। अगर ऐसा किया गया होता तो भी हम मान लेते कि यह अनुचित कृत्य था। लेकिन ऐसा तो हुआ नहीं। शुरुआत तो ख़ुद कुलपति ने की, और जब उन्हें उनके सवाल का जवाब दिया गया तो वे न केवल उखड़ गए, अशिष्टता पर भी उतर आए। उनका यह कृत्य निहायत ही अनपेक्षित, अवांछित और अस्वीकार्य था। विश्वविद्यालय के कुलपति का पद बहुत बड़ा होता है। और जो व्यक्ति जितने बड़े पद पर आरूढ़ होता है उससे उतनी ही शालीनता और गंभीरता की अपेक्षा भी होती है। लेकिन वीडियो क्लिप से पता चलता है कि इन कुलपति जी का बर्ताव इन अपेक्षाओं से कोसों दूर का है। वे उखड़ गए हैं और एक अतिथि को, जिसके बारे में उन्हें यह भी पता है कि वह एक प्रतिष्ठित रचनाकार है, वे अपमानित करके बाहर जाने का हुक्म ज़ारी कर रहे हैं! न केवल उस एक व्यक्ति को, जो प्रसंगत: एक नामी कहानीकार भी है, अन्य अतिथियों को भी, जिनकी इस प्रकरण में कोई भूमिका ही नहीं थी।उनका बर्ताव कुल मिलाकर उसी किस्म का है जो हम बहुत बार अपने आस–पास उस समय देखते हैं जब कोई किसी से कहता है, तू जानता नहीं मैं कौन हूं! कुलपति जी भी बाकायदा बताते हैं कि वे कुलपति हैं और उनसे एक ख़ास लहज़े में बात की जानी चाहिए। मुझे फिर रहीम दास याद आने लगते हैं। उन्होंने लिखा था –बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।/ रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो...। लेकिन ये महाशय तो ख़ुद ही बता रहे हैं कि ये कुलपति हैं और इनसे कैसे बात करनी चाहिए! अगर इन्हें यह कहना पड़ा तो समझ लिया जाना चाहिए वे कुलपति जैसे नहीं थे। वैसे भी इनके वक्तव्य का जितना अंश इस वीडियो क्लिप में है वह भी इनके कुलपति होने की पुष्टि नहीं करता है। विश्वविद्यालय तो अभिव्यक्ति की आज़ादी के केंद्र होते हैं, या कहें उन्हें होना चाहिए। लेकिन अगर किसी विश्वविद्यालय का कुलपति अपने एक आमंत्रित सम्मानित अतिथि की सामान्य और आमंत्रित अभिव्यक्ति पर इस तरह का बर्ताव करे तो यह सोचकर केवल दुखी ही हुआ जा सकता है वह अपने विश्वविद्यालय को किस दिशा में ले जा रहा होगा।

एक विश्वविद्यालय के कुलपति का यह बर्ताव हमें न केवल व्यथित करता है, बहुत कुछ सोचने को भी मज़बूर करता है। आखिर हम कैसा समाज और कैसा देश बनते जा रहे हैं! जो लोग ताकतवर पदों पर हैं वे किसी भी तरह की असहमति की आवाज़ नहीं सुनना चाहते हैं। फिर एक कवि याद आता है। कबीरदास ने कहा था, 'निंदक नियरेराखिए, आंगन कुटी छवाय लेकिन अब वह समय आ गया है जब निंदक को धकियाया या कुचला जाना सामान्य होता जा रहा है। असहमति का अधिकार जैसे अतीत हो गया है। आप या तो हां में हां मिलाएं, या फिर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। क्या यही वह राह है जिस पर चलकर हम विश्व गुरु बनने का सपना देखते हैं? विश्व गुरु की बात इसलिए कि कुलपति को हमारे राजस्थान में कुल गुरु कहा जाने लगा है। तो जो पूरे संस्थान का गुरु है अगर वही असहमति को सहन नहीं कर सकता है तो बाकियों से क्या उम्मीद की जाए?

साहित्य जगत में कुलपति के इस बर्ताव की व्यापक भर्त्सना हुई है। छतीसगढ़ के रायपुर शहर से तो यह ख़बर भी आई है कि वहां के लेखकों–संस्कृति कर्मियों और पत्रकारों ने सड़क पर आकर अपना रोष प्रकट किया है। यह ज़रूरी भी है। एक स्वस्थ समाज में अच्छे का स्वीकार और स्वागत तथा बुरे का अस्वीकार और उसकी भर्त्सना बहुत ज़रूरी है। अगर हम बुराई को देखकर चुप रह जाएंगे तो इससे बुराई को ही प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा, जैसा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अपने शानदार निबंध (भीष्म को क्षमा नहीं किया गया) में भी कहा है, इतिहास भी हमें कभी माफ़ नहीं करेगा। एक नागरिक के रूप में हमारा यह कर्तव्य है कि अपने चारों तरफ जो भी ग़लत नज़र आए, उसके खिलाफ़ हम अपनी आवाज़ उठाएं। मेरे इस लेख को इसी विचार के आलोक में पढ़ा जाए!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

कब्रिस्तान और ज़मीन का संकट : क्या भारत में भविष्य के टकराव की नींव रख सकता है?

सुनील दत्त गोयल

भारत आज जिस सबसे गंभीर संकट की ओर बढ़ रहा है, वह केवल बेरोज़गारी, महँगाई या पर्यावरण तक सीमित नहीं है। असल संकट ज़मीन का भी है। जनसंख्या बढ़ रही है, शहर फैलते जा रहे हैं, खेती की भूमि लगातार घट रही है और आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधन सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न अब टालना खतरनाक होगा कि क्या मृत्यु के बाद की हमारी व्यवस्थाएँ भी समय, तकनीक और ज़मीनी सच्चाई के अनुसार बदली जानी चाहिए या नहीं ?

यह विमर्श किसी धर्म, जाति या समुदाय के विरुद्ध नहीं है। यह एक राष्ट्रीय नीति, प्रशासनिक दूरदृष्टि और सामाजिक ज़िम्मेदारी से जुड़ा विषय है।

कब्रिस्तानों का सीमांकन: आज की अनदेखी, कल का बड़ा विवाद

भारत में मुस्लिम और ईसाई समाज में शवों को दफनाने की परंपरा है। यह उनकी आस्था का विषय है और इस पर कोई सवाल नहीं। समस्या परंपरा में नहीं, बल्कि उस पर प्रशासनिक नियंत्रण और कानूनी स्पष्टता के अभाव में है। देश के अनेक हिस्सों में कब्रिस्तान ऐसे हैं जिनका न तो स्पष्ट सीमांकन है और न ही उनका भूमि रिकॉर्ड पूरी तरह दर्ज है।

आज यह मुद्दा शांत दिखाई देता है, लेकिन भविष्य में यही अस्पष्टता भूमि विवाद, कब्जों और साम्प्रदायिक तनाव का कारण बन सकती है। इसलिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश के सभी कब्रिस्तानों का विधिवत सीमांकन हो और उनका कानूनी स्टेटस पूरी तरह स्पष्ट किया जाए।

आज भी भारत के बहुत से हिस्सों में कब्रिस्तानों में अवैध कब्ज़े और अतिक्रमणों की भरमार है। इनमें आए दिन कहीं न कहीं झगड़े–फसाद होते रहते हैं या विभिन्न न्यायालयों में इनके मुकदमे चल रहे हैं। यह इसका ज्वलंत उदाहरण है कि आने वाले समय में ये बड़े झगड़े और विवाद का कारण बन सकते हैं।

पक्का कब्रिस्तान: एक भावनात्मक मांग या भविष्य की समस्या?

एक बड़ा और व्यावहारिक प्रश्न यह भी है कि पक्के कब्रिस्तान की ज़मीन आखिर आएगी कहां से?

जब देश पहले ही आवास, अस्पताल, स्कूल, सड़क, उद्योग और बुनियादी ढांचे के लिए ज़मीन की भारी कमी झेल रहा है, तब स्थायी कब्रिस्तानों के विस्तार की मांग भविष्य में सीधे–सीधे भूमि संघर्ष को जन्म दे सकती है।

आज यदि इस प्रश्न पर नीति स्तर पर विचार नहीं किया गया, तो कल यह मुद्दा अदालतों से लेकर सड़कों तक जाएगा।

मुस्लिम देशों से सीख: धर्म और व्यावहारिकता का संतुलन

अक्सर यह कहा जाता है कि कब्रिस्तान पर चर्चा धार्मिक हस्तक्षेप है। लेकिन वास्तविकता यह है कि कई मुस्लिम एवं इसाई बहुल देशों में स्वयं पक्की कब्रों और स्थायी निर्माण पर रोक है।

उदाहरण के लिए सऊदी अरब में इस्लामी कानून की सख्त व्याख्या के तहत कब्रों पर सीमेंट, संगमरमर या स्थायी ढांचे की अनुमति नहीं है।

यह नियम इसलिए बनाए गए ताकि:–

ज़मीन स्थायी रूप से अवरुद्ध न हो, पीढ़ियों बाद भूमि विवाद न हों, मृत्यु के बाद भी समानता बनी रहे। यह दिखाता है कि धर्म और व्यावहारिकता एक–दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

यूनाइटेड किंगडम और कई यूरोपीय देशों में शवदाह का चलन

ब्रिटेन सहित कई यूरोपीय देशों में 1960 के दशक से शवदाह की प्रथा दफन से अधिक लोकप्रिय हो चुकी है। पहले जहां भूमिगत दफन को प्राथमिकता थी, अब वहाँ भी आर्थिक, पर्यावरणीय और भूमि उपयोग के कारण शवदाह को प्राथमिकता दी जाती है।

हालाँकि यूरोप के दक्षिणी हिस्सों में अभी भी पारंपरिक दफन प्रचलित है, लेकिन उत्तर और पश्चिमी यूरोप में शवदाह का प्रचलन बढ़ गया है। उदाहरण के लिए स्वीडेन, डेनमार्क जैसे देशों में शवदाह का विकल्प आम माना जाता है।

न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में शवदाह का चलन

ब्रिटिश सांस्कृतिक प्रभाव वाले देशों जैसे न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में भी शवदाह की दर 70 प्रतिशत के आसपास है, जो आर्थिक और भूमि उपयोग के कारण लगातार बढ़ रही है। इन देशों में भूमि के उपयोग के दृष्टिकोण से और पारिवारिक आर्थिक बोझ को कम करने के कारण घर के पास बड़ी कब्रिस्तानों के बजाय शवदाह को एक व्यवहार्य विकल्प माना जाता है।

इटली: कैथोलिक देश में बदलाव की लहर

इतनी गहरी कैथोलिक परंपरा वाले देश इटली में भी अब पारंपरिक दफन से शवदाह की ओर तेजी से बदलाव देखा गया है। वहाँ 1995 में जहाँ कम ही लोग क्रेमेशन चुनते थे, 2023 में लगभग 38 प्रतिशत मौतों में शवदाह हुआ – एक सांस्कृतिक परिवर्तन को दर्शाता है।

यह खास तौर पर तब संभव हुआ जब कैथोलिक चर्च ने 1963 में शवदाह के बाद भी पारंपरिक ईसाई अंतिम संस्कार करने की अनुमति दी, जिससे मानसिक बाधा कम हुई और भूमि उपयोग की विवेकपूर्ण सोच को स्थान मिला।

जापान: ज़मीन की कमी ने सोच बदलने को मजबूर किया

यदि दुनिया में किसी देश ने ज़मीन की कमी को सबसे पहले गंभीरता से समझा, तो वह जापान है। जापान में भूमि अत्यंत सीमित है, आबादी घनी है और शहरीकरण अत्यधिक है। जापान सरकार ने मुस्लिम समाज से यह तक कह दिया है कि या तो वे दाह संस्कार करें अन्यथा वे शवों को अपने देश दफ़नाने के लिए वापस ले जा सकते हैं क्योंकि जापान के पास इतनी जमीन नहीं है। इसी कारण वहां परंपरागत दफन व्यवस्था को सरकार ने दशकों पहले अव्यावहारिक मान लिया।

आज जापान में:–

99 प्रतिशत से अधिक मामलों में इलेक्ट्रिक शवदाह अनिवार्य है

दफन की अनुमति केवल अत्यंत सीमित परिस्थितियों में दी जाती है

सरकार द्वारा नियंत्रित क्रेमेटोरियम सिस्टम है

राख को सीमित स्थान में सुरक्षित रखा जाता है

यह निर्णय किसी धार्मिक संघर्ष के कारण नहीं, बल्कि ज़मीन, पर्यावरण और शहरी सच्चाई को ध्यान में रखकर लिया गया। जापान ने यह स्वीकार किया कि भावनाओं से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य की ज़रूरतें

चीन: कानून, जनसंख्या और पर्यावरण का संयोजन

चीन ने भी इसी प्रकार एक सख्त लेकिन दूरदर्शी नीति अपनाई। चीन की विशाल जनसंख्या और सीमित शहरी भूमि ने सरकार को मजबूर किया कि वह दफन व्यवस्था को नियंत्रित करे।

चीन में:–

कई प्रांतों में दफन पर प्रतिबंध या कड़ा नियंत्रण है

इलेक्ट्रिक और गैस शवदाह को कानूनी रूप से बढ़ावा दिया गया

ग्रीन फ्यूनरल नीति लागू की गई

कब्रों के आकार और संख्या पर कानूनी सीमा तय की गई

यह सब इसलिए किया गया ताकि:–

ज़मीन का दुरुपयोग न हो, भविष्य में पीढ़ियों को भूमि संकट न झेलना पड़े, सामाजिक स्थिरता बनी रहे।

चीन का अनुभव बताता है कि यदि सरकार स्पष्ट नीति बनाए, तो समाज समय के साथ उसे स्वीकार कर लेता है। भारत की स्थिति जापान और चीन से भी अधिक जटिल है। यहाँ जनसंख्या का दबाव अधिक है, सामाजिक और धार्मिक विविधता गहरी है और भूमि पहले ही अनेक आवश्यकताओं में बंटी हुई है। यदि अंतिम संस्कार जैसे विषय को पूरी तरह भावनाओं पर छोड़ दिया गया, तो भविष्य में कब्रिस्तान भी राजनीतिक और साम्प्रदायिक विवाद का बड़ा कारण बन सकते हैं।

समाधान की दृष्टि से देखें तो तकनीक भारत में भी उपलब्ध है। गैस और विद्युत शवदाह न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि लकड़ी की कटाई रोकते हैं और भूमि की बचत भी करते हैं। जयपुर में लाल कोठी विधानसभा क्षेत्र के पास संचालित गैस शवदाह गृह इसका व्यावहारिक उदाहरण है, जिसे जयपुर सिटीजन फ़ोरम द्वारा स्थापित किया गया है। लेखक स्वयं इस फ़ोरम के सदस्य हैं। यह उदाहरण सिद्ध करता है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो समाधान निकाले जा सकते हैं। एक और दुखद सच्चाई यह है कि आज भी कई श्मशान घाटों में जाति और समाज के आधार पर अलग–अलग दाह संस्कार स्थल बने हुए हैं, जबकि भारत का सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट रूप से कह चुका है कि मृत्यु के बाद सभी समान हैं। सरकार की ज़िम्मेदारी है कि इन निर्देशों की सख़्ती से पालना सुनिश्चित करे।

निष्कर्ष: धर्म नहीं, भविष्य केंद्र में होना चाहिए

यह पूरा विमर्श किसी धर्म के विरुद्ध नहीं है। यह उस भारत के पक्ष में है, जो आने वाली पीढ़ियों को भूमि विवाद, साम्प्रदायिक तनाव और पर्यावरणीय संकट विरासत में नहीं देना चाहता।

अब समय आ गया है कि:–

सभी कब्रिस्तानों का कानूनी सीमांकन हो तथा साथ ही उनकी पक्की चारदीवारी भी होना तय हो।

ज़मीन का स्टेटस स्पष्ट किया जाए

इलेक्ट्रिक और गैस शवदाह को नीति स्तर पर बढ़ावा मिले

मृत व्यक्ति केवल एक नश्वर शरीर होता है। उसके नाम पर न समाज बंटे और न भविष्य की ज़मीन झगड़ों में बदल जाए। विवेक, तकनीक और दूरदृष्टि ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
जयपुर, राजस्थान

नरेन्द्रनाथ को स्वामी विवेकानंद बनाने का श्रेय राजस्थान को

स्वामी विवेकानन्द की जयंती 12 जनवरी पर विशेष.......

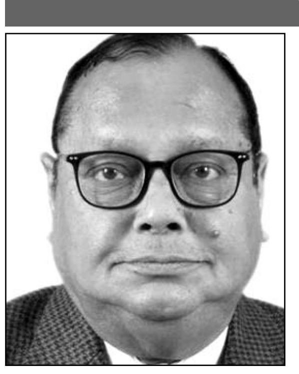

शंकर अग्रवाल

यद्यपि स्वामी विवेकानन्द का जन्म कलकता के प्रसिद्ध वकील विश्वनाथ दत्त के घर 12 जनवरी 1863 को नरेन्द्र नाथ के रूप में हुआ। मूल नाम नरेन्द्र नाथ व बाद में भारत भ्रमण करते हुए स्वामी विविदिशानन्द हुआ। विविदिशा का अर्थ होता है– जानने की इच्छा। जब उनका जानने का काल समाप्त हो रहा था तो खेतड़ी के महाराज अजीत सिंह जी ने कहा कि यह नाम बोलने में काफी कठिन है। आपको यदि आपत्ति नहीं हो तो कोई और नाम से पुकारे। इस पर नरेन्द्र नाथ ने कहा महाराज जैसी आपकी इच्छा, इस पर खेतड़ी महाराज अजीत सिंह जी ने इनका नाम विवेकानन्द रखा, जो विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ व अन्त तक इसी नाम से जाने गए। इस प्रकार नरेन्द्र नाथ को स्वामी विवेकानन्द बनाने का श्रेय राजस्थान को विशेषकर खेतड़ी महाराज को जाता है।

विश्वभर में स्वामी विवेकानन्द की प्रसिद्धि के पीछे भी खेतड़ी महाराज का बडा योगदान रहा। स्वामी जी पूरे भारत का भ्रमण करते हुए पवित्र सोमनाथ के दर्शन कर स्वामी जी पोरबन्दर पहुँचे। पोरबन्दर के राजा के विशेष आठाह पर वह उनके महल में रूके। पोरबन्दर की राजसभा में उस समय प्रसिद्ध वकील विद्वान पण्डित शंकर पाण्डूरंग भी थे। स्वामी जी वहीं रहकर उनसे पतंजलि महाभाष्य पढ़ने लगे। पण्डित पाण्डूरंग स्वामी जी के ज्ञान व तेजस्विता से अत्यन्त प्रभावित हुए। उन्होंने स्वामी जी को पश्चिम देशो में जाकर भारत के ज्ञान को फैलाने का आग्रह किया। स्वामी जी के मन में पाण्डूरंग जी की सलाह पर विदेश जाने का विचार गहराता गया व निरन्तर उस पर उनका चिन्तन चलता रहा। स्वामीजी द्वारका, खण्डवा, बैलगांव आदि स्थानों से होते हुए मद्रास व बाद में रामेष्वर और अन्त में कन्याकुमारी पहुंचे। यह उनकी यात्रा का अन्तिम चरण था। स्वामी जी पूरे भारत का भ्रमण कर चुके थे।

कन्याकुमारी के समुद्र में स्थित शिला पर व आत्ममंथन के लिए बैठ गये व तीन दिन तक एक ही मुद्रा में ध्यानावस्थित रहे। 25 दिसम्बर को उन्हें अपने कृत्य पथ का बोध हुआ एवं भारत भूमि की सेवा की आवश्यकता का भान हुआ। यह वही शिला थी, जिस पर आज कन्याकुमारी में विवेकानन्द शिला स्मारक बना हुआ है। स्वामी जी अब नई उर्जा लेकर मद्रास लौट आये। मद्रास में उनके शिष्यों ने कुछ धन उनकी विदेश यात्रा के लिए एकत्र किया, लेकिन स्वामी जी ने उसे स्वीकार नहीं किया। स्वामी जी ने कहा –वत्सगण मैं माता के हाथ में यंत्र मात्र हूँ, उनकी इच्छा होने पर वे स्वयं ही मुझे वहाँ भेज देंगी। इस धन को तुम दरिद्रनारायण की सेवा में लगा दो, देखूं माँ की क्या इच्छा है?

शिकागो की धर्मसभा में जाने के सम्बन्ध में अभी भी स्वामीजी के मन में अनिश्चितता थी। एक दिन स्वामीजी ने स्वप्न में देखा कि श्री रामकृष्णदेव दिव्य देह धारण किये हुए महासागर के ऊपर पैदल चले जा रहे हैं और उन्हें पीछे आने का हाथ से संकेत कर रहे हैं। अब उनके मन की सारी दुविधा निकल गई। अब तो श्री माताजी (श्री रामकृष्ण की धर्मपत्नी सारदा देवी) से आज्ञा लेनी शेष थी। उनका भी आशीष भरा पत्रोत्तर जब उन्हें मिल गया तो स्वामीजी पूरी तरह शिकागो यात्रा के लिये प्रस्तुत हो गये।

उधर खेतड़ी महाराज के यहाँ पुत्र रतन की प्राप्ति हुई। इस पर महाराज ने स्वामीजी को खोजने मुंशी जगमोहन लाल जी को भेजा, 21 अप्रेल 1893 को स्वामीजी मुंशी जगमोहन लाल के साथ खेतड़ी पहुँच गये तथा राजकुमार जयसिंह के जन्मोत्सव में शामिल हुए। शिकागो की सर्वधर्म परिषद में जाने के निश्चय की जानकारी स्वामीजी ने मुंशीजी को चेन्नई में ही दे दी थी। मुंशीजी ने भी यह आश्वासन स्वामीजी को दिया कि खेतड़ी नरेश यात्रा की सम्पूर्ण व्यवस्था कर देंगे। राजा अजीत सिंह को जब यह पता लगा तो वे बडे प्रसन्न हुए। जन्मोत्सव समारोह में ही राजाजी ने सभी आगन्तुकों को शिकागो के सम्मेलन और स्वामीजी के वहाँ जाने के उद्देश्य की जानकारी दी। इसी के साथ खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के यात्रा व्यय की राजकोष से सम्पूर्ण व्यवस्था भी की।

10 मई को स्वामीजी ने खेतड़ी से प्रस्थान किया। मुंशी जगमोहन लाल उनके साथ थे। मुम्बई में मुंशी जी ने स्वामीजी की यात्रा के लिये जरूरी सामान जुटाना शुरू किया। पानी के जहाज पर यात्रा होनी थी, अत: जहाज का प्रथम श्रेणी का टिकट मुंशी जी ने लिया। इसी के साथ राजाजी के आदेशानुसार मुंशी जी ने स्वामीजी के लिये एक भगवा रेशमी चोगा और भगवे रंग का रेशमी साफा भी बनवाया। स्वामीजी के विरोध के बाद भी मुंशी जी ने इस आग्रह से ये वस्त्र रखे कि परिषद में स्वामीजी ये ही वस्त्र पहनकर बोलेंगे। शिकागो परिषद में स्वामीजी उसी रेशमी चोगे तथा साफे के परिधान में ही रहे तथा बोले भी उन्हीं वस्त्रों में।

31 मई 1893 के दिन स्वामी जी ने मुम्बई बन्दरगाह से अमरीका के लिये प्रस्थान किया। स्वामीजी की प्रसिद्धि और उनके ईश्वरीय कार्य में शिकागो यात्रा की सम्पूर्ण व्यवस्था करना खेतड़ी नरेश का दूसरा बड़ा योगदान था। इस प्रकार जब शिकागो की धर्मसभा में भारत का डंका बज रहा था व स्वामीजी की जय–जयकार हो रही थी। अनेक विदेशी वक्ता स्वामीजी के निकट आकर उनसे चर्चा के इच्छुक थे। जहां स्वामीजी को बोलने का समय नहीं दे रहे थे, वहां भारतीय स्वामी का शंखनाद हो रहा था।

देश की आत्मा को जगाने के प्रयास का शीर्ष बिन्दु स्वामी विवेकानन्द का शिकागो की सर्व–धर्म परिषद में छा जाना था। शिकागो के उनके भाषणों को सुनकर एक श्रोता ने टिप्पणी भी की थी कि, भारत में अमरीका से किसी मिशनरी के जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि भारत से ही मिशनरी अमरीका आनी चाहिये।

हिन्दू धर्म, जीवन–दर्शन और संस्कृति को पूरी विश्व में स्वामी विवेकानन्द ने प्रतिष्ठित कर दिया। वह हिन्दू जो पराधीन, हीन और पिछडा माना जाता था, वह एकदम से श्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट बन गया। 'गर्व से कहो हम हिन्दू हैं', के स्वामीजी के आव्हान के बाद

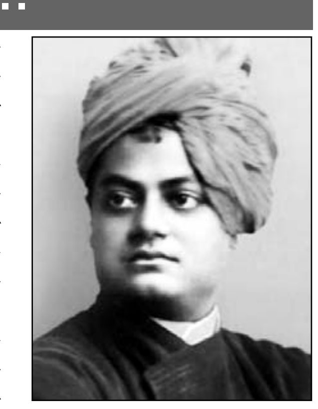

भारत के लोगों को भी महसूस हुआ कि गर्व करने लायक उनके पास इतना है, जितना शेष दुनिया के पास भी नहीं है। श्री रामकृष्ण देव के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से स्वामी विवेकानन्द ने ऐसी महान वैचारिक एवं सामाजिक क्रांति का सूत्रपात किया। इसमें कोई संशय नहीं कि आचार्य शंकर के बाद चारों और व्याप्त संभ्रम को भेदकर एक प्रभावी वैचारिक आंदोलन की नींव स्वामी विवेकानन्द ने ही रखी। इसलिये हमारे राष्ट्र के पुनजार्गरण में स्वामी विवेकानन्द का योगदान अतुलनीय है।

यह श्रेय राजस्थान की धरा पर जन्मे खेतड़ी नरेश अजीत सिंह को ही जाता है कि उन्होने स्वामीजी की प्रतिभा को पहचान कर उनके शिकागो जाने की व्यवस्था की। इस यात्रा के अथवा शिकागो सम्मेलन के बाद स्वामी जी भारत के साथ–साथ पूरे विश्व के स्वामी व मार्गदर्शक बन गये। स्वामीजी ने स्वयं खेतड़ी की तीसरी यात्रा के दौरान स्वीकार किया कि उन्होंने भारत के उत्पादन के लिए जो कुछ किया है, वह सम्भव नहीं होता, यदि खेतड़ी के राजा अजीत सिंह उन्हें नहीं मिलते।

– सी.ए. शंकर अग्रवाल

राशिफल

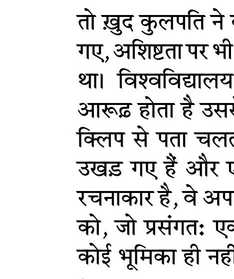

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 12 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र रात्रि 9:05 तक, धृति योग सायं 6:12 तक, गर करण दिन 12:43 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–तुला, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मिथुन, शुक्र–धनु, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज यमघट योग रात्रि 9:05 से सूर्योदय तक है। कुमार योग रात्रि 9:05 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 2:00 से आरम्भ होगी। शुक्र मकर राशि में दिन 3:58 से प्रवेश करेगा। आज स्वामी विवेकानन्द जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:40 तक, शुभ 9:58 से 11:16 तक, चर 1:53 से 3:11 तक, लाभ–अमृत 3:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:48

मेष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक /आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है।

कर्क
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्त्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में आज लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ–मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

उत्तिष्ठत
जाग्रत
प्राप्य
वरान्निबोधत।

12 जनवरी, 1863 - 4 जुलाई, 1902

उठो, जागो और
तब तक रुको नहीं,
जब तक लक्ष्य
प्राप्त न हो जाए।

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी, 2026

स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती पर सादर नमन

दो साल में युवा उम्मीदों को मिले बेहतर अवसर

नियुक्ति / भर्ती

1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां
1.43 लाख नई सरकारी भर्तियां
निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक नियुक्तियां

पारदर्शी भर्ती परीक्षा

एसआईटी गठित
डमी अभ्यर्थी, फर्जी डिग्री सम्बन्धी
अन्य अनियमितताओं पर रोक

स्कूटी एवं साइकिल / टैबलेट वितरण

छात्राओं को **39,586 स्कूटियाँ** एवं
10.51 लाख साइकिलें
मेधावी विद्यार्थियों को **88,724 टैबलेट**

स्टार्टअप्स को संबल

65 i-Start लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित
658 स्टार्टअप्स को **₹22.48 करोड़** की सहायता

कौशल प्रशिक्षण

3.37 लाख युवाओं को **कौशल प्रशिक्षण**
434 रोजगार शिविरों में 1.20 लाख युवा लाभान्वित

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना

4.13 लाख युवाओं को **₹1,155 करोड़**
1.91 लाख **युवाओं को इंटर्नशिप**

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025

जिलों में 17 नवीन **खेलो इण्डिया**
केन्द्रों की स्थापना

कृषि शोध एवं अध्ययन

58,397 **छात्राओं को ₹103 करोड़**
की प्रोत्साहन राशि

खिलाड़ियों का सम्मान

1,754 खिलाड़ियों को
₹39.57 करोड़ की सहायता

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं को सौगात

- 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना - 2026
- नवीन युवा नीति - 2026
- रोजगार नीति - 2026

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

मांडलगढ़ में निर्दयी मां ने दो बच्चों की हत्या कर खुदकुशी का प्रयास किया

वारदात का पता चलने पर आरोपी महिला के ससुर प्रभुलाल तेली ने थाने में दी रिपोर्ट

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुरा गांव में रविवार को दिल दहला देने वाली वारदात का मामला सामने आया है। एक 35 वर्षीय निर्दयी माँ ने दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर खुद ने गले में फंदा लगा कर खुदकुशी करने की कोशिश की। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

माण्डलगढ़ थाना प्रभारी घनश्याम मीणा ने बताया कि मानपुरा निवासी आरोपी महिला के ससुर प्रभुलाल तेली ने थाने में दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसके बेटे राजू की बहू संजू देवी तेली ने उसके 8 वर्षीय पौत्र भैरूलाल व 10 वर्षीय पुत्री नेहा की निर्मम हत्या कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी। घटना की गम्भीरता को देखते हुए माण्डलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक बाबूलाल विश्नोई और एफएसएल टीम साक्ष्य जुटाने के लिए मौक़े पर पहुंचे। इस घटना की खबर आग की तरह आसपास इलाके में फैल गई। घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिसने भी इस वारदात के बारे में सुना वो स्तब्ध रह गया। आरोपी महिला द्वारा इस वारदात को अंजाम देने के बाद मासूम बच्चों के खून में लथपथ शव देख परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आसपास पड़ोसियों में भी कोहराम मच गया।

आरोपी महिला (मृतक बच्चों की मां) को उपचार के लिए माण्डलगढ़ अस्पताल से हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया।

- आठ वर्षीय बेटे व दस वर्षीय बेटी की हत्या कर मां ने गले में फंदा लगा खुदकुशी करने की कोशिश की
- मां पर दो मासूम बच्चों की टेंट लगाने में प्रयुक्त लोहे के सरिए और धारदार हथियार से हत्या करने का आरोप है
- बताया है कि आरोपी महिला पेट में गांठ से ग्रस्त होने से मानसिक तनाव में थी

जानकारी के अनुसार मानपुरा में रविवार को हुई हृदयविदारक घटना में एक मां पर अपने ही दो मासूम बच्चों की टेंट लगाने में प्रयुक्त लोहे के सरिए और धारदार हथियार से हत्या करने का आरोप सामने आया है।

घटना से पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और मृतक बच्चों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द किया है। वहीं घटना के बाद फाँसी का फंदा लगाने से अचेत हुई आरोपी महिला (मृतक बच्चों की मां) को उपचार के लिए माण्डलगढ़ अस्पताल लाया गया, जहां उसकी हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला संजू देवी के पेट में गठान और मुंह में छाले की बीमारी होने से वह मानसिक तनाव में थी, जो इस वारदात की वजह हो सकती है, हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की है।

फिलहाल आरोपी महिला का पुलिस सुरक्षा जिला अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। स्वस्थ होने पर आरोपी महिला के बयान लिए जाएंगे। आरोपी महिला का पीहर होडा गाँव बताया जा रहा है।

पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम व फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। पड़ोसियों के अनुसार परिवार सामान्य दिखता था, घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश और शोक व्याप्त है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चने की दाल के कट्टों के बीच अवैध डोडा-पोस्त जब्त

- मध्य प्रदेश से पंजाब जा रहा था माल
- ट्रक चालक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में डीएसटी और बरौनी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 70 किलो डोडा-पोस्त जब्त किया है, जब्त डोडा-पोस्त की बाजार कीमत करीब 11 लाख रुपए है। यह मादक पदार्थ चने की दाल के कट्टों के बीच छुपाकर मध्य प्रदेश से पंजाब ले जाया जा रहा था, कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ट्रक चालक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीएसटी टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि जिले में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई में रविवार को मुखबिर से मिली सूचना के बाद बरौनी थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने बरौनी थाने के सामने नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग करने पर एक ट्रक में भरे चने के कट्टों में आरोपियों ने प्लास्टिक की थैलियों में डोडा-पोस्त छुपाकर रखा था, जहां मौके पर ही ट्रक से कुल 70 किलो डोडा-पोस्त जब्त किया गया। इसके बाद ट्रक चालक और उसके साथ मौजूद व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पूछताछ में सामने आया कि आरोपी जावरा, मध्य प्रदेश से ट्रक में चने की दाल के कट्टों के बीच डोडा-पोस्त छुपाकर मादक पदार्थ को होशियारपुर, पंजाब ले जाया जाना था। इस कार्यवाही में आरोपी नरेन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह सैनी निवासी मुण्डिया कला, थाना जमालपुर, जिला लुधियाना पंजाब और गुरुप्रीत सिंह पुत्र दिलबिन्दर पाल रविदासीय निवासी गोलिया, थाना गढ़ शंकर, जिला होशियारपुर पंजाब को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

इसी प्रकार निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृव गठित टीम द्वारा दौराने गश्त वनस्थली मोड के आगे राधास्वामी सतसंग आश्रम वनस्थली रोड तालाब के पास से एक संदिग्ध आरोपी दयाराम पुत्र प्रहलाद सांसी निवासी केथूनिया सासीयों की ढाणी थाना निवाई सदर को पूछताछ के बाद शक होने गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 546 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया जाकर एनडीपीएस एक्ट में दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

1.74 लाख के नकली नोट सहित एक गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। क्षेत्र में चलाने के लिए लाए गए 500-500 रुपए के 348 नकली नोट के खिलाफ स्थानीय पुलिस ने एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास एक लाख 74 हजार रुपए की कीमत के नकली नोट बरामद हुए हैं।

थानाधिकारी कश्यप सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति नकली नोटों की बड़ी खेप लेकर जा रहा है। इस पर एसआई मोहनलाल कड़वासरा की टीम ने घेराबंदी की। ऊपनी मार्ग पर एक खेत के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे गंगाजल जाट को रोका। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 500-500 रुपए के 348 नोट मिले। जांच करने पर वे नकली निकले। इस पर आरोपी को गिरफ्तार कर नोट जब्त कर लिए। आरोपी युवक बाना गांव का निवासी है। वह आदतन अपराधी है। पूर्व में भी विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह नकली नोट किसी अन्य व्यक्ति को सप्लाई करने की फिराक में था। वह बाहर के राज्य से नकली नोट लाकर यहां सप्लाई करने जा रहा था। उसे रविवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। उसके बाद उससे नकली नोट लाने और बेचने वालों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

शनिदेव मंदिर में तोड़फोड़

सायला, (निसं)। कात्यायनी माता मंदिर के पास स्थित शनिदेव मंदिर में शनिवार रात्रि को तोडफोड करने एवं आगजनी की घटना हुई। जानकारी के अनुसार रविवार प्रातः श्रद्धालु प्रतिदिन की तरह मंदिर में पूजा अर्चना के लिए गए थे। उन्होंने मंदिर में तोडफोड एवं आगजनी के निशान देखकर आसपास के लोगों को घटना बताई।

सोपुरा के जंगलों में अवैध खनन करने वालों पर दबिश

भीलवाड़ा के सोपुरा गांव में पुलिस की विशेष टीम ने रेड मारकर अवैध बजरी खनन का पर्दाफाश किया

भीलवाड़ा, (निसं)। सोपुरा गांव में पुलिस की विशेष टीम ने रेड मारकर इस पूरे खेल का पर्दाफाश किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव के सख्त निर्देशों पर बीती रात जिला टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रशिक्षु आईपीएस माधव उपाध्याय और आईपीएस आयुष शोत्रिय की अगुवाई में पुलिस टीम ने बड़लियास थाना क्षेत्र के सोपुरा गांव के जंगलों में पूरी रात छिपकर ऑपरेशन चलाया।

इस दौरान बनास नदी में अवैध खनन करते हुए 7 से 8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया गया है।

पुलिस जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। तथाकथित "बनास बचाओ आंदोलन" की आड़ में बजरी माफिया अवैध खनन का रास्ता साफ़ कर रहे थे। आरोप है कि माफियाओं का मकसद आंदोलन के नाम पर सरकारी लीजधारियों को उनकी निजी संपत्ति से डराकर भगाना था, ताकि वे बेखौफ होकर अवैध खनन कर सके।

जानकारी के अनुसार इसी गिरोह ने 28 दिसंबर 2025 को भी लीजधारियों पर जानलेवा हमला किया था। कार्रवाई के दौरान बजरी माफियाओं के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पुलिस की टीम के साथ भी हाथापाई की और राजकार्य में बाधा पहुंचाई। पुलिस ने साफ कर दिया है कि वर्दी पर हाथ डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सरकारी लीजधारियों को सुरक्षा दी जाएगी और अवैध माफियाओं को सीधा जेल का रास्ता दिखाया जाएगा।

नोखा में घना कोहरा छाया, पारा 3 डिग्री दर्ज

नोखा, (निसं)। यहां शीतलहर का प्रकोप जारी है। बीते तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में लगभग 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने मकर संक्रांति तक सर्दी और बढ़ने की संभावना जताई है।

कड़ाके की ठंड का असर आम जनजीवन पर साफ दिख रहा है। सुबह के समय लोग देर तक घरों में रहने को मजबूर हैं। ठंड के कारण सुबह 10 बजे तक सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। रविवार सुबह भी बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बेहद कम रही। शहर की तुलना में ग्रामीण इलाकों में ठंड का प्रभाव अधिक है। कई गांवों में तापमान 3 डिग्री से भी नीचे चला गया है। खुले में रखे बर्तनों में पानी जमकर बर्फ बन गया, जिससे सर्दी की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है। बीती रात शीतलहर के साथ कड़ाके की ठंड पड़ने के बाद रात 9 बजे के बाद ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा। लोग पूरे शरीर को ऊनी कपड़ों से ढककर ही घरों से बाहर निकले। रविवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री गिरकर 3 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि शनिवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री रहा। दिन और रात के तापमान में करीब 19 डिग्री का अंतर दर्ज किया गया। ठंड का असर वाहनों पर भी नजर आया। नोखा के तिरुपति नगर में गर्वित माली की कार पर सुबह बर्फ जमी हुई दिखाई दी।

पुलिस पर फायरिंग करने के मामले में पांच आरोपी पकड़े

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण की मोड़क व सांगोद पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पूर्व में पुलिस टीम पर फायरिंग करने के मामले में फरारी काट रहे हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा सहित चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्रवाई के दौरान मुठभेड़ में हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

- पुलिस से मुठभेड़ में हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा पैर में गोली लगने से घायल हुआ
- हार्डकोर अपराधी दो दिन पूर्व भी पुलिस पर कर फायरिंग चुका था, हथियार भी जब्त किये

पुलिस से मुठभेड़ में हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा के पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मोड़क पुलिस को सूचना मिली कि गत दिनों सांगोद थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर फायरिंग करने के प्रकरण में एवं कोटा शहरी क्षेत्र में फायरिंग के प्रकरण में फरार हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा चौसला ब्रीज के पास अमरूद के बाग में छिपा हुआ है। सूचना पर वृत रामगंजमण्डी व थाना सांगोद की टीम एवं कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला कोटा ग्रामीण की स्पेशल टीमों द्वारा उक्त स्थान पर दबिश दी गई, जहां हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा अपने साथियों के साथ छिपा हुआ दिखा। पुलिस टीम ने हार्डकोर अपराधी सहित अन्य आरोपियों को चारों तरफ घेर लिया और आरोपियों को आत्मसमर्पण करने को कहा। ग्रामीण एसपी ने बताया कि अपराधी ने आत्मसमर्पण की जगह पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जबावी में पुलिस टीम ने फायरिंग की जिसमें हार्डकोर अपराधी आदिल के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया एवं अन्य अपराधी के साथी भी भागने का प्रयास करने लगे जिससे उनके भी चोंटे आईं, जिनको पुलिस द्वारा इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए हार्डकोर अपराधी खेलदार मोहल्ला सांगोद निवासी आदिल मिर्जा सहित मोडक निवासी फेजल उर्फ टीपू, छापड़ा मोडक निवासी फय्यूम एवं मोड़क निवासी अल्फेज खान को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से एक 12 बोर देशी कट्टा दो नाली, दो देशी कट्टा, एक पिस्टल व 3 मेगजीन मय 16 जिंदा कारतूस एवं एक चाकू, सहित चार मोबाईल एक डोगल व वाहन जब्त किये है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि दो दिन पूर्व शुक्रवार को सांगोद इलाके में हार्डकोर अपराधी आदिल मिर्जा को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर भी अपराधी ने फायरिंग की थी और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया था, अपराधी शहरी क्षेत्र के कैथूनीपोल थाना इलाके में हुई एक फायरिंग की घटना के बाद से फरार चल रहा था। कोटा ग्रामीण इलाके के सांगोद क्षेत्र से फरार होने के बाद अपराधी की तलाश के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीना के निर्देशन में तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। पकड़े गये अपराधी आदिल मिर्जा पर लूट, डकैती सहित कई संगीन धाराओं में मामले दर्ज हं

गुजरात के अंतर्राष्ट्रीय "काइट फेस्टिवल" की झलक कोटा में देखने को मिली

कोटा, (निसं)। ड्रैगन शेप पतंगें, विशालकाय पतंगें, लाईव बैंड, गरबा, ढोल-नगाड़े, हर घंटे लकी ड्रॉ व आकर्षक पुरस्कार। कुछ इसी तरह का नजारा रहा अग्र-आरोही अग्रवाल महिला मंच एवं श्री उम्मेद क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "काइट फेस्टिवल" का। गुजरात के अंतरराष्ट्रीय काइट फेस्टिवल की झलक कोटा में भी देखने को मिली। सूरत और अहमदाबाद की तर्ज पर पहली बार कोटा शहर में भव्य "काइट फेस्टिवल" का आयोजन हुआ, जिसने न सिर्फ शहरवासियों को आकर्षित किया बल्कि पर्यटन की दृष्टि से कोटा को नई पहचान भी दी। इस आयोजन ने मौज-मस्ती, संस्कृति और पर्यटन तीनों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। उम्मेद क्लब स्टेडियम में दिनभर रंगीन, विशालकाय और आकर्षक पतंगों ने आसमान को उत्सवमय बना दिया।

अग्र-आरोही अग्रवाल महिला मंच की अध्यक्ष पूजा मित्तल ने बताया कि इस अवसर पर अतिथि के रूप में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर, रामगंजमंडी उपखण्ड अधिकारी चारू, एडीएम सिटी अनिल कुमार सिंघल रहे। जिस प्रकार गुजरात का काइट फेस्टिवल देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं, उसी सोच और भावना के साथ कोटा में इस आयोजन को साकार किया गया। उद्देश्य था कि कोटा भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन मानचित्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराए। संरक्षिका शिखा गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भारतीय संस्कृति, पारंपरिक खेलों और सामूहिक उत्सव की भावना को पुनर्जीवित करने का प्रयास रहा। डिजिटल युग में बच्चों और युवाओं को मोबाइल से बाहर निकालकर खुले आसमान के नीचे खुशियों से जोड़ना इस फेस्टिवल का प्रमुख लक्ष्य रहा।

अग्र-आरोही अग्रवाल महिला मंच एवं श्री उम्मेद क्लब के संयुक्त तत्वावधान में काइट फेस्टिवल हुआ।

- गुजरात की तर्ज पर कोटा में पहली बार "काइट फेस्टिवल", पर्यटन नक्शे पर उभरा शहर
- "काइट फेस्टिवल" में सूरत-अहमदाबाद जैसा नजारा, रंगीन पतंगों से सजा कोटा का आसमान

उड़ान काइट कार्निवल की प्रोजेक्ट कॉ-ऑर्डिनेटर शालू अग्रवाल एवं सचिव निक्की अग्रवाल ने जानकारी दी कि सुबह से शाम तक उम्मेद क्लब स्टेडियम में पतंगों का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। जैसे ही ड्रैगन शेप, थ्री-डी डिजाईन, लाईटिंग वाली और विशालकाय गुजराती पतंगें हवा में लहराईं, पूरा वातावरण गुजरात के इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल जैसा नजर आने लगा। अग्र-आरोही अग्रवाल महिला मंच की अध्यक्ष पूजा मित्तल एवं कोषाध्यक्ष सारिका मित्तल ने बताया कि बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों-हर वर्ग के लिए यह आयोजन किसी मेले से कम नहीं रहा।

उम्मेद क्लब के सचिव लोकेन्द्र सिंह राजावत एवं कार्यक्रम कॉर्डिनेटर अभिषेक मित्तल ने कहा कि इस आयोजन से कोटा की सांस्कृतिक पहचान को नया आयाम मिला है और भविष्य में आयोजन पर्यटन को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होंगे।

डूंगरपुर में गीली लकड़ी से भरे तीन ट्रक जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर की बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर गीली लकड़ी से भरे तीन ट्रक जब्त किए हैं। इन ट्रकों में हरे पेड़ों को काटकर भरी गई गीली लकड़ी मिली, जिसे गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तीनों ट्रक चालकों को हिरासत में ले लिया है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि ऑपरेशन पृथ्वी के तहत हरे पेड़ों की कटाई, तस्करी और अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल हाईवे के रास्ते अवैध गीली लकड़ी की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने बिछीवाड़ा में हाईवे पर नाकेबंदी की। इस दौरान तीन संदिग्ध ट्रक आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने ट्रकों को रुकवाकर चालकों से पूछताछ की, लेकिन वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।इसके बाद पुलिस ने तीनों ट्रकों से तिरपाल हटाकर जांच की। ट्रकों में विभिन्न किस्मों के हरे पेड़ों की गीली लकड़ी भरी हुई थी। चालकों के पास लकड़ी के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज भी नहीं मिले।

पुलिस ने इस कार्रवाई की सूचना वन विभाग को दे दी है। वन विभाग अब यह जांच करेगा कि हरे पेड़ों की कटाई किन स्थानों से की गई थी और इस तस्करी में कौन-कौन शामिल हैं। विभाग की ओर से इस मामले में जुर्माना लगाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 19/2025-26 दिनांक 05.01.2026, खुली-निविदा सूचना संख्या 26/2025-26 दिनांक 06.01.2026, खुली निविदा सूचना संख्या 27/2025-26 दिनांक 06.01.2026, सीमित निविदा सूचना संख्या 17/2025-26 दिनांक 06.01.2026 एवं सीमित निविदा सूचना संख्या 18/2025-26 दिनांक 06. 01.2026 द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक बोलीदाता पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख कर ऑनलाईन निविदाओं को डाउनलोड कर निविदाओं में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	UBN No.	अनुमानित लागत (लाखों में)	जारी दिनांक	जमा कराने की दिनांक	खोलने की दिनांक
1	Camera Trap As Per H-Scheule	UBN No FOR2526 GLRC04457	60.00	05.01.2026	14.01.2026	15.01.2026
2.	रेस्क्यू सेन्टर मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य	UBN No FOR2526 WSOB04490	2.00	06.01.2026	12.01.2026	12.01.2026
3.	नैचर कैम्प मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य	UBN No FOR2526 WSOB04491	4.95	06.01.2026	12.01.2026	12.01.2026
4.	Supply & Installation of Laptop and Tablet	UBN No FOR2526 GSOB04498	2.00	06.01.2026	12.01.2026	12.01.2026
5.	Supply & Installation of Solar System	UBN No FOR2526 GSLB04509	1.53	06.01.2026	12.01.2026	12.01.2026

(पीयूष कुमार शर्मा) उप वन संरक्षक
एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय), रणथम्भौर टाईगर रिजर्व, करौली

उपमुख्यमंत्री ने 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में आधुनिक उपकरणों का अवलोकन किया

जयपुर। 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में आयोजित 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी के अन्तर्गत लगाए गए सेना के आधुनिक उपकरणों एवं हथियारों का अवलोकन उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह समस्त राजस्थानवासियों के लिए गर्व का विषय है कि देश में पहली बार छावनी क्षेत्र के बाहर आमजन के लिए आर्मी डे परेड का आयोजन जयपुर में हो रहा है, जो सेना और नागरिकों के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है।

दिया कुमारी ने भावुक होते हुए कहा कि वह स्वयं एक आर्मी फैमिली से आती हैं। उनके पिता भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं और युद्ध के दौरान नेतृत्व भी किया था। उन्होंने कहा, आज मैं यहां केवल उपमुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि सेना परिवार के एक सदस्य के रूप में मौजूद हूं। उन्होने कहा कि उन्हें एक सैनिक की बेटी होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि सेना का शौर्य और बलिदान हर नागरिक को प्रेरित करता है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 78 वे

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में आयोजित 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में शामिल हुई।

आर्मी दिवस का आयोजन राजस्थान के जयपुर शहर में आयोजित करने पर पूरी जनता की ओर से माननीय प्रधानमंत्री और सेना का आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना के जवानो की वजह से देश निरन्तर प्रगति कर रहा है। आज रक्षा के क्षेत्र में भारत हमारा देश विश्व में किसी भी राष्ट्र से पीछे नही है।

गत् 50 वर्षो में देश की सेना का आधुनिकरण हुआ है उससे हम किसी भी दुश्मन राष्ट्र को मुह तोड़ जवाब देने में सक्षम हुए उपमुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्पिकर के रूप में प्रमुख भुमिका निभाने वाली कर्नल सोफिया का गुलाबी नगरी जयपुर में स्वागत करते हुए कहा कि जिस तरह से कर्नल सोफिया ने सेना का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है उससे सभी महिलाए गौरवान्वित हुई है।

सभी सेना के वरिष्ठ अधिकारियो एवं सैनिको का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा सीमाओं की रक्षा करने के कारण ही हम चैन की सांस ले पाते है।

- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 78 वें सेना दिवस पर 7800 किलोमीटर के एकल साइकिल अभियान को दिखाई झण्डी**

प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए गए विभिन्न आधुनिक हथियार, आर्टिलरीज और सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आधुनिक रायफलें, बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली, सेल्फ प्रोपल्ड गन्स, टैंक, बंकर, ड्रोन एवं एंटी-ड्रोन सिस्टम्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्सेज, पैराग्लाइडिंग गतिविधियां, स्काई डाइविंग, डॉग स्क्वॉड सहित अन्य गतिविधियों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। वहीं, सिम्फनी बैंड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दी। प्रदर्शनी के दौरान सेना की विशेष टुकड़ी द्वारा आतंकवादियों से बंधकों को छुड़ाने का लाइव अभ्यास दिखाया गया।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

जयपुर। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर चल रहे माघ मेला के अवसर पर रविवार को गोविंद देवजी मंदिर परिसर में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ त्रिवेणी संगम जल कलश का पूजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर राधा गोविंद देवजी, मां गायत्री एवं गुरु सत्ता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सानिध्य में गंगा-यमुना-सरस्वती का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भावपूर्ण आ ान कर त्रिवेणी संगम जल से पूरित कलश का षोडशोपचार पूजन किया गया। आचार्य पीठ से गायत्री कचोलिया एवं गायत्री तोमर ने प्रज्ञा गीतों के सुमधुर गायन के साथ यज्ञ संपादित कराया। तीन पारियों में संपन्न हुए पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में ढाई सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए यज्ञ भगवान को श्रद्धापूर्वक आहुतियां अर्पित कीं। महायज्ञ में विराजमान श्रद्धालुओं पर त्रिवेणी संगम जल से अभिसिंचन किया गया। निःशुल्क आयोजित इस महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सहभागिता की।इस अवसर पर गायत्री चेतना केंद्र, जनता कॉलोनी की ओर से युग साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित पुस्तकों को वाजिब कीमत पर उपलब्ध कराया गया।

कांग्रेस के पास धरना-प्रदर्शन के अलावा कुछ नहीं बचा : भाजपा

- **मनरेगा की तुलना में वीबी जी रामजी योजना में सुधार करते हुए मोदी सरकार ने रोजगार के अवसरों को बढ़ाने का किया काम : मुकेश दाधीच**

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कांग्रेस द्वारा किए जा रहे धरना-प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं के पास अब धरने के अलावा कुछ भी शेष नहीं बचा है। पहले कांग्रेस ने जनता को मत के लिए भ्रमित करने का प्रयास किया और अब ईश्वर ने उनकी मति ही भ्रमित कर दी है। कांग्रेस देश की जनता को केवल गुमराह करने का काम कर रही है। दाधीच ने कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मनरेगा की तुलना में वीबी जी रामजी योजना में सुधार करते हुए मोदी सरकार ने रोजगार के अवसरों को बढ़ाने का काम किया है। इसके बावजूद कांग्रेस तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर जनता को केवल लटकाने और भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने 5 साल के लिए कांग्रेसियों को मौन रहने के लिए ही दिए है। इस लिए वे मौन रहे और भाजपा की भजनलाल सरकार के विकास कार्यों को पूरा होते देखें। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार जनहितैषी निर्णय ले रही है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भाजपा सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लगातार एक के बाद एक प्रतियोगी परीक्षाओं का सफल आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने सितंबर 2025 में लगभग 10 हजार पदों पर कांस्टेबल भर्ती की विज्ञिप्त जारी की और महज चार माह में भर्ती परीक्षा को सफलतापूर्वक पूर्ण कराया। इसके विपरीत, कांग्रेस की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में अधिकांश भर्तियां पेपर लीक के कारण अधर में लटकी रहीं।

'डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा'

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निवास पर सामाजिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली छात्राओं से बजट पूर्व संवाद किया**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा है। जिसमें मातृत्व से लेकर शिक्षा तक, शिक्षा से लेकर आजीविका तक और आजीविका से लेकर सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन तक को प्राथमिकता दी गई है।शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सामाजिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली छात्राओं से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मातृत्व वह आधार है, जहां से एक स्वस्थ समाज की शुरुआत होती है। इसी सोच के साथ हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को प्रभावी रूप से लागू किया है। इस योजना से प्रदेश की करीब 10 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। इसमें देय राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सही मायने में तभी साकार होता है जब महिलाओं के हाथों में कौशल हो, आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हों और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से राज्य में करीब 20 लाख महिलाओं को विभिन्न कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।शर्मा ने कहा कि बेटी के जन्म, उसकी शिक्षा और उसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना में दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों को अब तक साढ़े 10 लाख साइकिलें और करीब 40 हजार स्कूटियां दी गई हैं। वहीं, हमारी सरकार जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर भी उपलब्ध करवा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में युवाओं को रोजगार देना है।

पिछले दो वर्षों में एक लाख से अधिक पदों पर सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न संवर्गों के डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 3 लाख 30 हजार से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और निजी क्षेत्र में भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के संकल्प पर निरन्तर कार्य कर रही है। इसी क्रम में 10 जनवरी को नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए ।

रियायती यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड अनिवार्य

जयपुर। जयपुर शहर में लो-फ्लोर बसों का संचालन करने वाली जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (जेसीटीएसएल) ने छात्रों की यात्रा सुविधा को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। इस फैसले का उद्देश्य टिकटिंग प्रणाली में पारदर्शिता लाना और फर्जी रियायतों पर रोक लगाना है। नए आदेश के अनुसार अब स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के नियमित छात्रों को रियायती यात्रा का लाभ तभी मिलेगा, जब वे अपने शिक्षण संस्थान से जारी वैध स्मार्ट कार्ड या स्टूडेंट आईडी के साथ प्रमाणित शेड्यूल-3 प्रस्तुत करेंगे।

यह सुविधा केवल छात्र के निवास स्थान से शिक्षण संस्थान और शिक्षण संस्थान से निवास स्थान तक की यात्रा के लिए मान्य होगी। हालांकि, सरकारी अवकाश और संबंधित विभागों द्वारा घोषित छुट्टियों के दिनों में छात्रों को पूरा किराया देना होगा। जेसीटीएसएल ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था नॉन एसी बसों में लागू होगी।निगम के अनुसार, इस नई प्रणाली से टिकटिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और फर्जी रियायतों पर अंकुश लगेगा।

जयपुर में 1500 से ज्यादा राहें हुई आसान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की प्रभावी अनुपालना में जयपुर जिले में संचालित 'रास्ता खोलो अभियान' अब ग्रामीणों एवं किसानों के लिए राहत का प्रतीक बन गया है।

प्रशासन की संवेदनशील पहल से महज 14 महीनों से भी कम समय में जिले में वर्षों से बंद पड़े 1,508 रास्ते खुलवाए गए, जिससे लाखों ग्रामीणों की खेतों, ढाणियों और गांवों तक पहुंच सुगम हुई है। रास्ता खोलो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक से अधिक आमजन को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रशासन की सक्रियता और संवाद आधारित रणनीति के चलते कई वर्षों पुराने विवादों का समाधान सहमति एवं समझाइश से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत फागी तहसील अव्वल रही, जहां सर्वाधिक 136 रास्ते खुलवाए गए।

'मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान' के तहत कांग्रेस कमेटियों का धरना

जयपुर। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून को समाप्त करने के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाये जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत् आज प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा धरना एवं उपवास कार्यक्रम आयोजित किये गये। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, एआईसीसी प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित धरना एवं उपवास कार्यक्रम में शामिल हुये।

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा,सुखजिन्दर सिंह रंधावा, टीकाराम जूली आयोजित धरने में शामिल हुये।

कार्यक्रम के पश्चात् उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुये प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि मनरेगा कानून को निरस्त कर केन्द्र की भाजपा सरकार ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब की रोजी-रोटी छीनने का काम किया है। कांग्रेस सरकार द्वारा मनरेगा योजना लागू किये जाने पर ग्रामीण क्षेत्र में हर गरीब का अधिकार मिला था कि मांगते ही रोजगार मिले अन्यथा मानदेय दिया जाता था। इस योजना से गरीब व्यक्ति की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई, परिवार पालने के साथ अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पाये। गरीब व्यक्ति को महाजन और सूद खोरों के चंगुल से बचाने का कार्य इस योजना से हुआ, क्योंकि कोई भी व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर अपने ही क्षेत्र की पंचायत में जाकर फार्म जमाकराकर रोजगार प्राप्त कर सकता था, किन्तु अब केन्द्र सरकार ने गरीबों को सम्बल प्रदान करने वाली मनरेगा को समाप्त कर दिया है।

महासंघ की रैली में एक लाख कर्मचारी लेंगे भाग

जयपुर। जयपुर स्थित राजस्थान बीमा एवं प्रावधायी विभाग के संगठन कार्यालय में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा के नेतृत्व में राजधानी जयपुर में 12 जनवरी को आयोजित होने वाली विशाल चेतावनी महारैली को लेकर रविवार को महासंघ के पदाधिकारियों की तैयारी बैठक आयोजित हुई एवं इसके बाद महासंघ के पदाधिकारियों ने रैली स्थल बाइस गोदाम पर जाकर रैली की तैयारियां सुनिश्चित की।

बैठक में प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा ने कहा कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों और संवाद हीनता के विरोध में कर्मचारियों को आन्दोलन की राह पकड़नी पड़ रही है।उसी को लेकर चेतावनी महारैली का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से महासंघ ने सात संकल्पों एवं 11 सूत्री मांग पत्र पर सकारात्मक कार्यवाही की मांग की लेकिन सरकार ने इस पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की।जिससे कर्मचारियों में खासा आक्रोश व्याप्त है। जिसको लेकर महासंघ 12 जनवरी सोमवार को जयपुर की सड़कों पर उतरकर अपनी मांगों व अधिकारों के लिए संघर्ष का बिगुल बजाएगा। महासंघ की चेतावनी रैली में एक लाख से ज्यादा कर्मचारियों के भाग लेने का घोषणा की गई। बैठक में महामंत्री महावीर सिहाग ने रैली के मार्ग की जानकारी दी कि रैली रामनिवास बाग से प्रारंभ हो कर ,अशोक मार्ग , गवर्मेंट प्रेस चौराहा, सिविल लाइंस फाटक होते हुए बाइस गोदाम पुलिया के नीचे पहुंचेगी और वहां विशाल सभा का आयोजन होगा । वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेज सिंह राठौड़ ने कर्मचारियों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सरकार को अपनी शक्ति दिखाने की अपील करते हुए महासंघ के सात संकल्पों के लिए आर पार के संघर्ष के निर्णय से सबको अवगत करवाया ।

विश्व पुस्तक मेले में पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' का विमोचन

नई दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में रविवार को भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की पुस्तक अग्निपथ नहीं जनपथ के पांचवें संस्करण का विमोचन किया गया। जयपुर के वेरा प्रकाशन से प्रकाशित यह पुस्तक वर्ष 2018 से 2023 तक सतीश पूनियां के विधायक कार्यकाल के अनुभवों पर आधारित है, जिसमें विधानसभा की कार्यप्रणाली, जनहित के मुद्दे, धर्मांतरण को लेकर प्राइवेट मेंबर बिल, युवाओं एवं किसानों के मुद्दे, केंद्र की मोदी सरकार द्वारा कोरोनाकाल में किये गये शानदार कार्य एवं तत्कालीन कांग्रेस सरकार के अंतर्द्वंद्व एवँ जनविरोधी नीतियों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि डॉ. पूनियां ने

भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' के पांचवें संस्करण का विमोचन किया ।

एक राजनेता के साथ-साथ लेखक के रूप में भी अपनी सशक्त पहचान बनाई है। यह पुस्तक मन से और आत्मा की गहराइयों से लिखी गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा संवाद का केंद्र होती है और डॉ. पूनियां द्वारा विधायक रहते हुए प्रस्तुत किया गया धर्मांतरण विरोधी प्राइवेट मेंबर बिल आज राजस्थान में कानून का रूप ले चुका है, जो किसी भी विधायक के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इसे युवा पीढ़ी और राजनीति में आने वाले युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया।नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) के चेयरमैन प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने कहा कि डॉ. सतीश पूनियां का जीवन संघर्ष का प्रतीक रहा है और वही संघर्ष इस पुस्तक में भी परिलक्षित होता है। पहली पुस्तक का कुछ ही महीनों में पांचवें संस्करण तक पहुंचना उनके लिखे शब्दों की स्वीकृति और विजय है।

- **पुस्तक वर्ष 2018 से 2023 तक सतीश पूनियां के विधायक कार्यकाल के अनुभवों पर आधारित है**

बस बॉडी कोड उल्लंघन पर 3 बसें जब्त

जयपुर। परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा को ताक पर रखकर संचालित हो रही बसों के खिलाफ कार्रवाई की है। बस बॉडी कोड का उल्लंघन करने वाली तीन बसों को जब्त कर सीज कर दिया है। आरटीओ प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि पकड़ी गई तीन बसों में से दो बसें मध्य प्रदेश नंबर की हैं।

इन बसों में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही थीं। जांच में पाया गया कि इन बसों में न तो इमरजेंसी गेट थे और न ही सुरक्षा के अन्य पुख्ता इंतजाम। इसके अलावा यात्रियों की जान जोखिम में डालकर इनमें एक्स्ट्रा स्लीपर लगाए गए थे और अवैध रूप से भारी मात्रा में कॉमर्शियल सामान ढोया जा रहा था।

विभाग ने जिन बसों को सीज किया गया है, वे ओवरहैंग (निर्धारित लंबाई से अधिक बाहर निकला हुआ हिस्सा) थी। अब इन गाड़ियों की आरसी तभी बहाल की जाएगी जब मालिक गाड़ी का ओवरहैंग खत्म करेंगे।

सार-समाचार

17 लाख रुपये की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने अशोक नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान तस्कर के पास से 85 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में 17 लाख रुपये बताई की गई है। सीएसटी ने यह कार्रवाई इंटेलिजेंस की सूचना पर की है। जो कच्ची बस्ती में रहकर मादक पदार्थ की सप्लाई कर रहा था।फिलहाल अशोक नगर थाना पुलिस आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने अशोक नगर थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ ड्रग्स (स्मैक) की तस्करी करने वाले आरोपित रवि कुशवाह (23) निवासी रोन भिंड (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया है। जो अशोक नगर थाना इलाके में स्थित भोजपुरा कच्ची बस्ती में काफी समय से रहकर ड्रग्स तस्करी कर रहा था। जयपुर क्राइम ब्रांच की इंटेलिजेंस टीम की सूचना पर ड्रग्स सप्लाई लेकर आए तस्कर को पकड़ने के लिए इलाके में दबिश दी गई। जहां संदिग्ध तस्कर को दबिश देकर पकड़ने पर तलाशी में 85 ग्राम स्मैक मिली। पकड़ी गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 17 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस अब तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

राजपूत छात्रावास के सामने बस पर पथराव

जयपुर। सिंधी कैंप थाना क्षेत्र के वनस्थली मार्ग पर एक निजी बस पर पथराव और चालक से मारपीट का मामला सामने आया है। राजपूत छात्रावास के सामने हुई इस घटना में बस के शीशे तोड़ दिए गए, जबकि चालक के साथ मारपीट की गई। बस मालिक की शिकायत पर सिंधी कैंप थाने में नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 जनवरी 2026 को सुबह करीब 9.30 बजे बस संख्या 59 0317 वनस्थली मार्ग से पोलोविक्ट्री की ओर जा रही थी। जैसे ही बस राजपूत छात्रावास के सामने पहुंची, वहां मौजूद करीब 10 से 15 युवकों ने बस को जबरन रुकवा लिया। आरोप है कि युवकों ने बस चालक छोटूराम के साथ मारपीट की और बस के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद छात्रावास की छत से भी बस पर पत्थर फेंके गए, जिससे वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बस मालिक इन्द्राज सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि यह पूरी घटना अजीत सिंह निरमाण और रणवीर सिंह निरमाण के कहने पर करवाई गई। आरोप है कि दोनों व्यक्ति राजपूत छात्रावास के छात्रों को उकसाकर उनके बस रूट पर लगातार विवाद और झगड़े करवा रहे हैं। परिवादी के अनुसार रूट पर एक अन्य बस भी संचालित होती है और इसी रंजिश के चलते इस तरह की घटनाएं की जा रही हैं।

नकबजनी के मामले में फरार दो इनामी आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। चाकसू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अनाज मंडी चाकसू में रात के समय सिलसिलेवार 16 दुकानों में नकबजनी करने वाले दो इनामी आरोपित शिवदयाल उर्फ चेटा उर्फ शिवा और पुष्पेंद्र उर्फ मटोली को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि यह घटना 24-25 अक्टूबर 2025 की रात को कृषि उपज मंडी चाकसू में हुई थी। अज्ञात चोरों ने मंडी परिसर में 16 दुकानों के ताले तोड़कर नकबजनी की थी। चाकसू थाने में दर्ज मामला की जांच की जा रही थी। जिस पर पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और जयपुर जिला साइबर इकाई की तकनीकी मदद से आरोपियों की पहचान की। पूर्व में ही दो सह आरोपित अटल बिहारी मीना और महेन्द्र सैनी को गिरफ्तार कर लिया गया था और वारदात में प्रयुक्त वाहन भी जब्त किए जा चुके थे। वहीं वांछित आरोपित शिवदयाल उर्फ चेटा उर्फ शिवा और पुष्पेंद्र उर्फ मटोली की गिरफ्तारी के लिए 5-5 हजार रुपये इनाम घोषित किया गया था। इस दौरान पुलिस टीम ने इनामी आरोपित शिवदयाल मीणा और पुष्पेंद्र मीणा को स्थानीय पुलिस थाना महुवा जिला दौसा की मदद से गिरफ्तार किया गया।

फर्जी थानेदार बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पश्चिम जिले की सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी पुलिसकर्मी बनकर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिंधी कैंप बस स्टैंड क्षेत्र में खुद को थानेदार बताकर आमजन से ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस को इसकी सूचना मिलने पर विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि जिला स्पेशल टीम जयपुर पश्चिम (डीएसटी) टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सिंधी कैंप बस स्टैंड पर फर्जी थानेदार बनकर लोगों से ठगी कर रहा है। इस पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता एवं सहायक पुलिस आयुक्त धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में डीएसटी जयपुर पश्चिम और सिंधी कैंप थाना पुलिस की संयुक्त विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और फर्जी पुलिसकर्मी बनकर ठगी करने वाले आरोपी जितेन्द्र कुमार शर्मा उर्फ रमन शर्मा निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी के खिलाफ जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर उसे पुलिस थाना मडबल जिला सीकर भिजवाया गया है।

'विद्यार्थी ''राष्ट्र प्रथम'' की सोच रखते जीवन में आगे बढ़े'

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से ''भारत दर्शन अभियान'' के तहत लोक भवन में कश्मीर के बारामुला के 21 विद्यार्थियों ने डिप्टी कमांडेड सरोज कुमार झा के नेतृत्व में मुलाकात की। राज्यपाल बागडे ने इन विद्यार्थियों के भारत यात्रा अनुभव सुनें। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें ''राष्ट्र प्रथम'' की सोच रखते जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता से जुड़ा हमारा राष्ट्र एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अनुपम मिसाल है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राज्यपाल की शुभकामनाएं

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (12 जनवरी) पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों को अपनाते हुए युवाओं से ''विकसित भारत 2047'' की संकल्पना साकार करने में भागीदार बनने का आव्हान किया है। बागडे ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों का संवाहक है। उनके जीवन मूल्यों से प्रेरणा ले।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
MONDAY
12 January 2026
A-B

Honouring the Spirit of India's Youth

National Youth Day, observed on January 12 each year in India, celebrates the birth anniversary of Swami Vivekananda, one of the country's most inspiring philosophers and spiritual leaders. The day emphasizes the power, potential, and responsibilities of young people in shaping society and driving positive change. Schools, colleges, and organizations across the country host events such as seminars, workshops, cultural programs, and competitions to encourage youth engagement, leadership, and social awareness. National Youth Day serves as a reminder for the younger generation to embrace discipline, education, and ethical values while contributing to nation-building and fostering a spirit of unity and innovation.

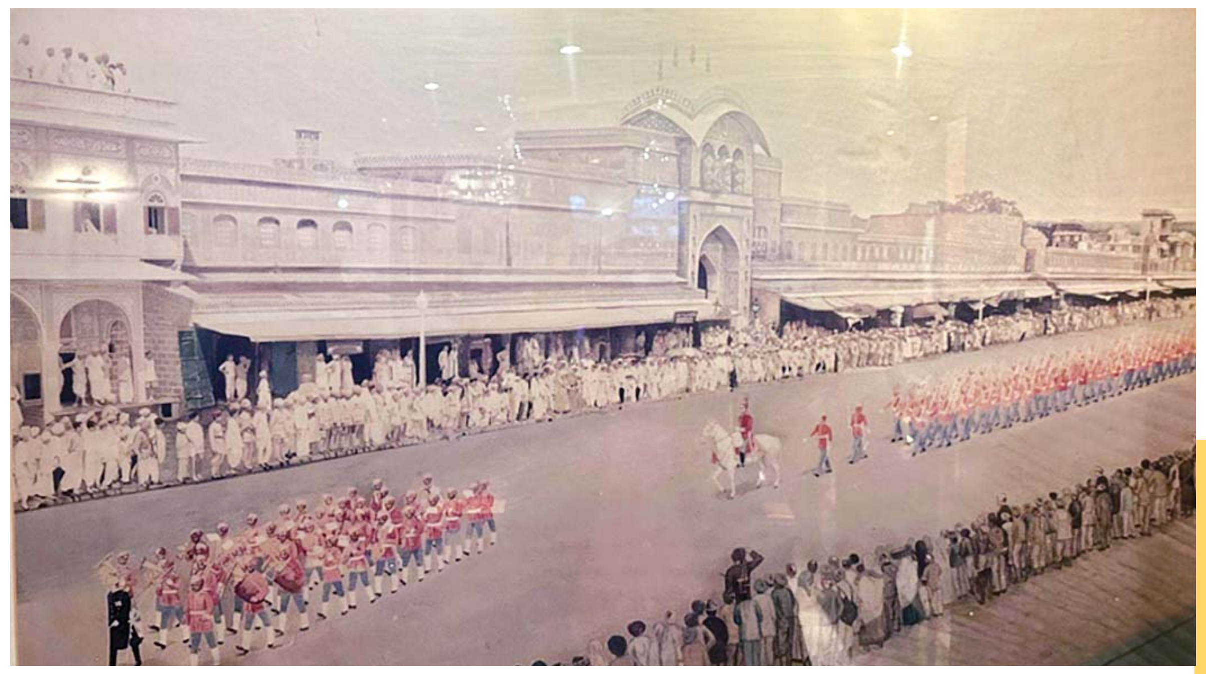
PORTRAIT OF AN ARMY PARADE IN JAIPUR.

Lineage, Legacy, And A Long Memory Of The Uniform

Jaleb Chowk to Mahal Road

And then comes the kind of detail families preserve because it captures history's strange intimacy: "The Famous Coin Toss: During the partition of the GGBG's assets in 1947, my father (Lieutenant Colonel Thakur Govind Singh) and his Pakistani counterpart, Sahabzada Yaqub Khan, famously decided the ownership of the Viceroy's gold-plated ceremonial buggy via a coin flip, which India won."

'AT HOME ON JAIPUR STREETS' PARADE MARCH PAST REHEARSAL.

Pushpendra Bhargava
(Owner of Jaipur Inn)

Jaipur has never needed loudness to understand power. It learned the language of assembly in enclosed courtyards and ridgeline forts, places where inspection, order, and discipline were not performances but governance. That's why the city's hosting of Army Day on public roads in January 2026 is not merely 'a big event.' It is a new stage for an old habit: Jaipur has been assembling around military service for centuries, first through empire, then through fortification and statecraft, and finally through the modern Indian Army's regiments and officers.

Historian Dr. Abhimanyu Singh Arha offers a clean frame for telling this story without turning it into a museum label. Speaking of Jaipur's standout military rulers, he insists we read them as more than warrior-icons: "Both were astute politicians. Strong generals and Pan India Figures."

That line matters because it keeps the story grounded. In Jaipur's lineage, the sword is rarely separate from the mind behind it.

The early signature: Mirza Raja Man Singh I

If Jaipur's military story has an 'early grandeur,' it begins in Amber's place inside Mughal power.

Published summaries describe Mirza Raja Man Singh I as the 24th Kachhwaha ruler of Amber who served Akbar's Mughal Army and held major provincial commands, including Bihar, Bengal (across multiple terms), and Kabul.

Popular accounts, often repeated in public history, credit him with 'sixty-seven important battles' and describe him as among Akbar's Navaratnas (nine gems). The exact arithmetic matters less than the reputation: Man Singh becomes Amber's emblem of imperial-scale command.

Raja Man Singh I Of Amber.

And Jaipur still remembers him not only through campaign maps, but through a symbol you can actually see: the Pachranga flag. Accounts connected to Man Singh's northwest expedition describe crossing the Khyber Pass, defeating five Afghan tribes, and Amber's flag being changed to five colours to commemorate that victory.

Man Singh and his father Bhagwant Das are reputed to have brought cannon-production know-how to Amber. So, the memory begins the Jaipur way: flag, fort, artillery, symbols that outlive the speaker.

When defense becomes architecture: Jaipur as planned survival

The next shift is quieter but decisive: military thinking becomes city-making. Mirza Raja Jai Singh I was a military and diplomatic genius who served under Jehangir, Shah Jahan, and Aurangzeb. He was famously instrumental in the Treaty of Purandar (1665) with Shivaji.

Jaipur was founded in 1727 under Sawai Jai Singh II, and Nahargarh Fort, built mainly in 1734, formed part of the defensive ring above the city. One of the most revealing facts about Nahargarh is not a battle at all: during the 1857 uprising, it was used as shelter for the European population of Jaipur, including the British Resident's wife. This is where Arha's insistence on 'astute politicians' matters. Jaipur's martial inheritance is not only about charge and clash. It is also about protection, planning, and decisions that keep a city intact.

Major General Amar Singh Of Kanota.

The institutional bridge: when lineage becomes regiment

If Jaipur's pride is to remain credible today, especially to serving officers and veterans, it must rest on institutions, not only ancestry.

Sawai Man Singh II, the last ruling Maharaja of the princely state of Jaipur, held the rank of Major General in the British Army and was noted for having 'fought handsomely' during World War II. Trained at the Royal Military Academy, Woolwich, England, he rendered valuable wartime service and later reorganised the Imperial Service Troops, into the elite Sawai Man Guards of Jaipur State Forces, earned the battle honour Ledi Gali during 1948 operations which were subsequently merged into the Indian Army as the 17th Battalion, Rajputana Rifles (17 RAJ RIF).

Royalty as hinge, not halo: Bhawani Singh as soldier first

Brigadier HH Maharaja Sawai Bhawani Singh, son of HH Maharaja Sawai Man Singh II, enjoyed a distinguished career in the Indian Army marked by professionalism and leadership. Commissioned into the 3rd Cavalry Regiment, he went on to serve as Adjutant, PBG, and later as Adjutant to Major General Zoravar Singh at the Indian Military Academy, Dehradun, in 1965. His career reflected a rare blend of royal lineage and soldierly dedication, spanning active service from 1951 to 1975. His most celebrated contribution came during the 1971 Indo-Pakistani War, when he commanded the 10th Parachute Commando Battalion (now Special Forces). Demonstrating exceptional leadership and personal bravery during the famed 'Chachro Raid,' his unit infiltrated nearly 80 km deep into Pakistani territory in Sindh, capturing the town of Chachro and several surrounding areas, and sowing panic among enemy forces. For this audacious operation, he was awarded the Maha Vir Chakra (MVC), India's second-highest gallantry award.

Following him, Maharaja Sawai Padmanabh Singh, the present titular Maharaja of Jaipur, continues the family's long military tradition. He holds the rank of Honorary Colonel of the Sawai Man Guards (17 Rajputana Rifles), thereby preserving an unbroken 400-year association between the Jaipur royal family and the regiment.

THE SAWAI MAN GUARDS AT AMBER FORT, 1939 .

Families as archives: pride that lives at home, in records

Kanota: record as discipline

Thakur Man Singh Ji, speaking about Major General Amar Singh of Kanota, frames the diaries as a form of nation-making record.

"The Legacy of Amer Singh Ji is not just the famous diaries but diaries of the first Indian Officer of the Indian army, his commission date being 1905, hence making them a vital record of the making of the modern Indian Army and Indian Soldiers."

Major General Amar Singh of Kanota was a distinguished military officer, nobleman, and scholar from the Jaipur State, best remembered for his extraordinary intellectual legacy. A pioneering figure in the Indianization of the British Indian Army, he began his career with the Jodhpur Lancers in 1896 and later joined the Imperial Cadet Corps. His service spanned major global conflicts, including the Boxer Rebellion in China, World War I in France and Mesopotamia, and the Third Afghan War. In 1917, he became one of the first four Indians to receive a King's Commission, marking a historic milestone. After retiring from the British Indian Army in 1923, he returned to Jaipur, where he raised and commanded the Jaipur Lancers and ultimately rose to the rank of Major General and Commandant of the Jaipur State Forces before retiring in 1936.

Often described as a "soldier-scholar," Amar Singh maintained a remarkable daily diary in English for 44 years, producing 89 folio volumes that now constitute one of the world's longest continuous personal diaries. These writings provide rare insider perspectives on colonial military life and the private world of Rajput royalty, and selections have been published in works such as *Between Two Worlds* and *Reversing the Gaze*. A voracious reader, he also built a personal library of more than 3,000 volumes covering military theory, history, and classic literature, which is preserved today at the museum in Castle Kanota, Jaipur.

#ARMY DAY

Admiral Madhavendra Singh.

Lt Gen Sagat Singh.

Maj Gen K Zorawar Singh.

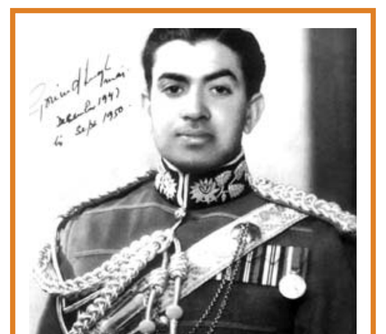
Lieutenant Colonel Thakur Govind Singh.

Chomu: judgement under pressure

Lt. Gen. Umarao Singh, as recalled by his great-grandson Bharat Singh, was a King's Commissioned Officer from the Royal Nathawat family of Chomu. Educated at Mayo College, the Royal Indian Military College, and Royal Military Academy Sandhurst, he was commissioned in 1932 and went on to build a distinguished career in the Indian Army. Rising to the rank of Lieutenant General, he served with distinction in the Rajputana Rifles and ultimately commanded XXXIII Corps, becoming part of a prominent military lineage rooted in service and leadership.

Bharat Singh remembers him in a concise line of family record: "He was a King's Commissioned Officer (having studied from Mayo, RIMC and Sandhurst)."

A senior figure of the Chomu Thikana near Jaipur, Lt. Gen. Umarao Singh was known not only for bravery but for principled judgment. During the 1962 conflict with China, he strongly opposed politically driven 'forward policy' orders, particularly the proposed attack on Thagla Ridge, warning that troops were inadequately prepared. Though this stance led to his being sidelined, it underscored his commitment to operational realism and the welfare of his soldiers.

The airborne question: building capability through study

Major General K. Bhagwati Singh was a pioneering figure in the Indian Army, historically significant as the holder of service number IC-1, marking him as the first officer of the Indian Commissioned cadre. A member of the inaugural 1934 batch of the Indian Military Academy, Dehradun, he was the first Indian to graduate under the permanent commission system. In recognition of his unique place in military history, he was nominated by Gen. K. S. Thimayya to review the IMA Silver Jubilee Parade in December 1957, an honour bestowed upon him as the Academy's first cadet.

Belonging to the Chomu Thikana of the Nathawat Kachhwaha Rajputs, he was the sixth son of Devi Singhji and carried forward a proud martial lineage. This legacy continued through his son, Madhvendra Singh, who went on to serve as the Chief of the Naval Staff of India. In an interaction, Admiral Madhvendra Singh Ji shared a poignant anecdote about his father, offering a glimpse into the values and character that shaped one of the earliest pillars of India's post-colonial armed forces.

"At the end of World War II, and after independence, the government of India wanted to know what is to be done with the airborne forces then available… He made many recommendations, but the most important one is the first recommendation, which is 'please immediately form a parachute regiment.' In a way, he was the founder of the parachute regiment, which always was his first love. For 15 years, he was the colonel of the parachute regiment, perhaps, one of the longest-serving colonels of any regiment."

The words 'founder' or as 'an early architect' in the quote does the real work: it shows how national capability is built by study, attachment, report, recommendation, the patient side of courage.

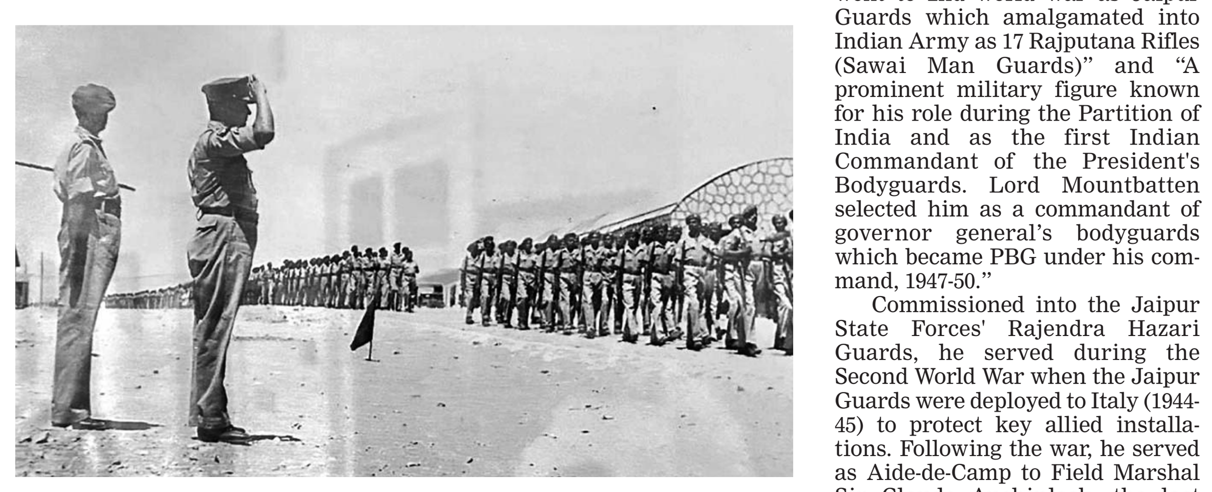
HH MAHARAJ SAWAI MAN SINGH JI TAKES THE SALUTE FROM SAWAI MAN GUARDS, EGYPT, 1943.

A legacy remembered in Jaipur: Lieutenant General Sagat Singh (PVSM)

Lieutenant General Sagat Singh Rathore, PVSM, is remembered as a legendary commander widely regarded as one of the greatest military minds of post-independence India. Famous for not having lost a single battle. His record is often recalled through three defining chapters.

Liberation of Goa (1961): As a Brigadier commanding the 50th Parachute Brigade, he earned his maroon beret at the age of 42. His troops were the first to enter Panaji, effectively ending 451 years of Portuguese rule.

Nathu La and Cho La clashes (1967): As the GOC of the 17th Mountain Division, he famously refused orders to vacate strategic heights during a Chinese ultimatum. His steadfast stand and use of artillery inflicted heavy casualties on the Chinese PLA, securing the border for decades.

Bangladesh Liberation War (1971): Commanding IV Corps, he executed the 'Meghna heli-bridge,' using IAF Mi-4 helicopters to transport thousands of troops and artillery across the massive Meghna River. This manoeuvre bypassed Pakistani defences and contributed to the rapid fall of Dhaka in just 13 days and the reinstatement of Sheikh Mujibur Rahman (Bangabandhu) of the Awami League. Born in Kusumdesar, Rajasthan, he began his career in the Bikaner State Forces as a non-commissioned officer (Naik) before being commissioned as an officer in 1941. For his distinguished service, he was awarded the Padma Bhushan and the Param Vishisht Seva Medal.

Discipline through rupture: 1947 and after - Lt Col Thakur Govind Singh

Lieutenant Colonel Thakur Govind Singh, as recalled by Thakur Inder Vijay Singh, is framed as a transitional figure, from Jaipur State Forces into elite ceremonial and combat institutions. Public profiles also describe him as the first Indian Commandant of the President's Bodyguard, placing Jaipur's military houses inside the Republic's most visible uniform.

Thakur Inder Vijay Singh captures his father's early service in two short, direct lines: "My father commissioned into Jaipur state forces' Rajendra Hazari guards and went to 2nd world war as Jaipur Guards which amalgamated into Indian Army as 17 Rajputana Rifles (Sawai Man Guards)" and "A prominent military figure known for his role during the Partition of India and as the first Indian Commandant of the President's Bodyguards. Lord Mountbatten selected him as a commandant of governor general's bodyguards which became PBG under his command, 1947-50."

Commissioned into the Jaipur State Forces' Rajendra Hazari Guards, he served during the Second World War when the Jaipur Guards were deployed to Italy (1944-45) to protect key allied installations. Following the war, he served as Aide-de-Camp to Field Marshal Sir Claude Auchinleck, the last Supreme Commander of the British Raj, at Teen Murti House between 1945 and 1947. In recognition of his leadership and bearing, Lord Mountbatten selected him in 1947 as the first Indian Commandant of the Governor General's Bodyguards, a role in which he oversaw the unit's historic transition into the President's Bodyguard upon India becoming a republic in 1950.

And then comes the kind of detail families preserve because it captures history's strange intimacy: "The Famous Coin Toss: During the partition of the GGBG's assets in 1947, my father and his Pakistani counterpart, Sahabzada Yaqub Khan, famously decided the ownership of the Viceroy's gold-plated ceremonial buggy via a coin flip, which India won."

After independence, Lt Col Govind Singh continued to shape India's mounted and armoured traditions. He served as Military Advisor to Maharaja Sawai Man Singh II, the first Rajpramukh of Rajasthan, and as Second-in-Command of the Mysore Lancers in 1951, before being specially chosen to command the newly raised 61st Cavalry. Under his leadership, the regiment upheld the legacy of India's last active horse cavalry and saw action during the 1965 war against Pakistan. He hailed from an illustrious military lineage: his father, Major General Bhairon Singh of the Jaipur State Forces, and his brother, Major General Kanwar Zorawar Singh, both held senior commands, reinforcing a family tradition of distinguished service to the nation.

Lieutenant General Himmeth Singh (PVSM): competence as pride

Lieutenant General Himmeth Singh (PVSM) COMMISSIONED 1949, was a highly distinguished Indian Army officer, widely recognised for his command of the 4 Guards battalion during the 1971 Indo-Pakistani War.

Lieutenant General Himmeth Singh began his military journey with distinction, winning the prestigious Sword of Honour at the Indian Military Academy in 1949. Prior to commissioning, he served in the Jaipur State Forces and was later absorbed into the Indian Army following Independence and the integration of princely states. He hailed from the Ajairajpura Thikana of the Nathawat clan of Kachhwaha Rajputs; his father was Major General Amar Singh of the Jaipur State Forces, and his uncle, Daulat Singh of the 21 Lancers, was martyred in World War II. His wife, Jane H. Singh (also known as Prafulla Kumari), later documented the exploits of the 4 Guards in the 1971 war, while the book *The Garud Strikes* by Mukul Deva chronicled the same campaign.

During the 1971 Bangladesh Liberation War, then Lieutenant Colonel Himmeth Singh played a pivotal role, commanding a unit that was the first to enter and the last to leave Dhaka. He led the Indian Army's official farewell parade at Dhaka Stadium, an event marked by his presence immediately behind Sheikh Mujibur Rahman as the salute was taken, and was later photographed shaking hands with General (later Field Marshal) Sam Manekshaw at the Dhaka Golf Course. Over his career, he held several prestigious appointments, including Commandant of the College of Combat, Mhow; General Officer Commanding of 10 Corps, Bhatinda; Commandant of the Indian Military Academy, Dehradun; and Commandant of the National Defence College, Delhi. He also served as a military advisor to Emperor Haile Selassie of Ethiopia and, after retirement, to Crown Prince Sheikh Hamad bin Khalifa Al Thani of Qatar, helping modernise that nation's defence forces. For his exceptional service, he was awarded the Param Vishisht Seva Medal.

Lieutenant Colonel Himmeth Singh.

And then, there's Jane Himmat Singh, speaking about mechanisation not as a slogan but as lived learning.

"I remember how Himmat spent hours learning about tanks, for three months, thereby the 31 Armoured Div was raised… it was actually tough learning…"

That sentence is pure institutional pride: not loud, not decorative, earned through competence under pressure. Another fine Army history snippet shared by Jane Himmat Singh:

In 1949, General (later Field Marshal) K. M. Cariappa raised the Brigade of the Guards, marking a historic shift in the Indian Army as its first 'all-India, all-class' regiment. Conceived as an elite formation, the regiment broke away from traditional region- or caste-based recruitment to foster national unity. Cariappa drew inspiration from the British Coldstream Guards and personally selected some of the Army's oldest and most battle-hardened battalions to form the nucleus of this new force.

The original units redesignated as Guards battalions were: 1 Guards from the 2nd Battalion, Punjab Regiment (raised in 1759); 2 Guards from the 1st Battalion, The Grenadiers (converted in 1952); 3 Guards from the 1st Battalion, Rajputana Rifles (raised in 1775 and converted in 1949); and 4 Guards from the 1/7 Rajputs, formerly the 1st Battalion, 7th Rajput Regiment (converted on 26 January 1950). The regiment proudly carries the motto *Pahla Hamesha Pahla* (First Always First) and the war cry *Garud Ka Hun Bol Pyare* (I am the son of Garuda, say O my friend).

She also shares a tradition-anchored story of military ethics.

"Lt. General Nathu Singh was suggested as a possible choice for the 1st general of the Indian Army, but he declined, stating that General K. M. Cariappa was senior to him and therefore deserved the position. As a result, General Cariappa was nominated. This story is often cited as an example of respect for seniority, selflessness, and the warrior ethos traditionally associated with Rajputs, as well as the core values of the Indian Army."

Major General Kanwar Zorawar Singh through his daughter, Ms. Mandakini Singh Guraya's eyes

Major General Kanwar Zorawar Singh was born in Jaipur on February 14, 1920, to Maj. Gen. Sir Bhairon Singh Khatipura of the Jaipur State Forces. He was educated at the Rashtriya Indian Military College and the Indian Military Academy, where he earned the prestigious Sword of Honour in 1941. Commissioned into the 16th Light Cavalry alongside native Indian officers, he later transferred to the Central India Horse (CIH) driven by his desire to see active combat. His courage and 'dashing leadership' were recognized during World War II when he was awarded the Military Cross for his service in Italy in 1944.

In 1947, at just 27 years of age, he became the first Indian to command the Central India Horse and went on to lead its tanks in the capture of Rajouri during the 1947-48 Indo-Pak War. He later served as Commandant (Adjutant) of the Indian Military Academy, where Maharaj Kumar Bhawani Singh of Jaipur was among those associated with the institution in 1965. Married to a Greek woman affectionately known in the family as 'Anar Nani,' Major General Zorawar Singh's legacy continues to be honored, most recently with the Maharaja Hari Singh Award for the 2024-25 period.

Jaipur's pride is not about being seen; it's about having contributed.

Jaleb Chowk, then Mahal Road: continuity, changed in form

Jaipur's older parade grounds were often enclosed courtyards, Jaleb Chowks, built for inspection, assembly, and the controlled visibility of power.

The 78th Army Day Parade on 15 January 2026 in Jaipur as being held on Mahal Road, Jagatpura, with a series of build-up events including a 'Know Your Army' exhibition at Bhawani Niketan College instead of the Jaleb Chowk at Amber, or the one in Jaigarh and City Palace Jaipur or even Bhagwan Das Barracks (Secretariat). So, the contrast is not simply 'old vs new.' It is a continuity of purpose, changed in form: from courtyard to roadway, from restricted assembly to public witness. The city has been rehearsing this for centuries, first through empire, then through statecraft and forts, and finally through units and institutions that outlast any single ruler.

Army Day is a parade, yes. But Jaipur is not only hosting a parade, it's hosting a mirror.

rajeshsharma1049@gmail.com

HH MAHARAJA SAWAI BHAWANI SINGH JI OF JAIPUR WITH 10 PARA COMMAND TEAM 1971 WAR.

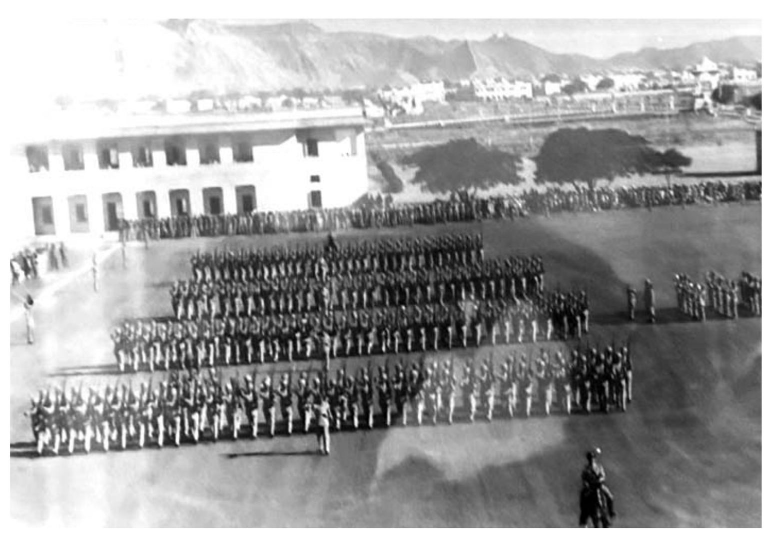
HH MAHARAJA SAWAI MANSINGHJI, COLONEL, SAWAI MAN GUARDS, REVIEWS THE UNIT PARADE IN FRONT OF THE UNIT BARRACKS-THE PRESENT DAY SECRETARIAT, 1935.

THE WALL

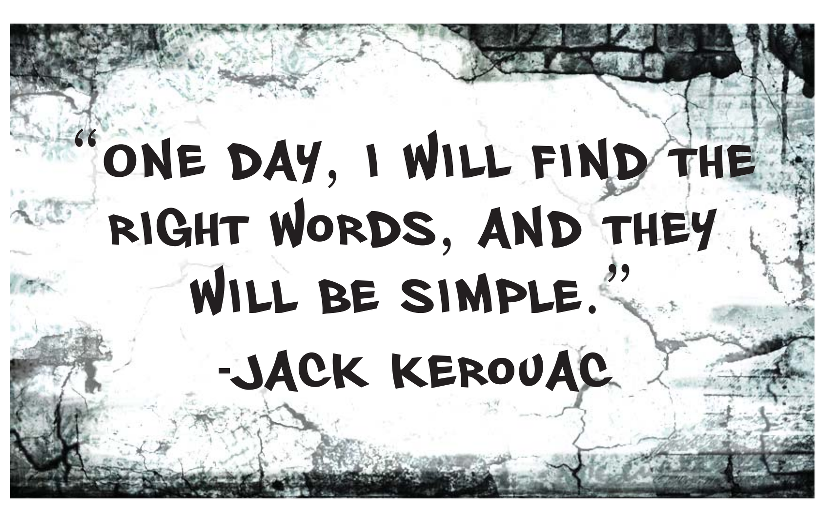

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

आरक्षित भूमि का सामान्य आवंटन, 69 मामले उजागर

सरकार को राजस्व की हानि, पूर्व एस.डी.एम. को चार्जशीट थमाई

बीकानेर, । सीमावर्ती क्षेत्र बज्जू में विशेष आवंटन के लिए आरक्षित भूमि का सामान्य में आवंटन का मामला सामने आया है। इससे सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लग गया। इसके लिए तत्कालीन एसडीएम हरी सिंह को दोषी मानते हुए 16सीसीए के तहत चार्जशीट जारी की गई है। ऐसे 69 गलत आवंटनों को खारिज करने की तैयारी की जा रही है।

बज्जू उपखंड में 2021 से 2023 तक बड़ी संख्या में भूमिहीन कृषकों को जमीनों का आवंटन हुआ था। उस दौरान गजट में प्रकाशित विशेष आवंटन की जमीन भी सामान्य श्रेणी में चहेतों को आंवटित कर दी गई। तहसील में विशेष आवंटन के 486 मामले पेंडिंग पड़े थे। केवल एक किसान को ही विशेष आवंटन हुआ, बाकी 69 को विशेष आवंटन की जमीनें सामान्य में आवंटित कर दी गईं। कुछ मामले पूर्व सैनिकों के भी थे। विधानसभा में सवाल उठाने के बाद सरकार की आंख खुली। राजस्व विभाग ने एडीएम सिटी की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाई। जांच के दौरान आवंटन की प्रक्रिया में भारी खामियां पाई गईं। कृषि भूमि का सामान्य या विशेष आवंटन करने के लिए आवंटन कमेटी होती है, जिसमें प्रकरण रखे जाते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया को अपनाया ही नहीं गया। तत्कालीन बज्जू एसडीएम के पास कोलायत का भी चार्ज रहा है।

आरोप है कि उस दौरान जिप्सम खनन क्षेत्र और कपिल सरोवर के कैचमेंट एरिया में भी जमीनों का आवंटन सामान्य श्रेणी में कर दिया गया। हालांकि शिकायत होने के बाद वह आवंटन निरस्त कर दिए गए थे। इन सभी आवंटनों को खारिज करने की सिफारिश जांच कमेटी ने की है।

यदि आरक्षित जमीनों का आवंटन खुली बोली से होता तो सरकार को करोड़ों का राजस्व मिलता। धारा 22(3) के तहत अब तक 49 प्रकरण कलेक्टर कोर्ट में पेश किए जा चुके हैं। बाकी मामले विभिन्न न्यायालयों में वाद में लंबित के कारण तहसील को दस्तावेज नहीं मिल रहे। इस प्रकरण में आवंटन/मोहरबंद आवंटन के लिए आरक्षित भूमि को सामान्य आवंटन श्रेणी में आवंटित करने पर बज्जू के तत्कालीन आवंटन अधिकारी हरी सिंह शेखावत के खिलाफ कार्मिक विभाग ने 16 सीसीए के तहत चार्जशीट जारी करते हुए अनियमितताओं के तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा है।

गंगा कैचमेंट में 31 खातेदारों की खातेदारी निरस्त करने की तैयारी

कोलायत तहसील के गंगा सरोवर कैचमेंट एरिया में क्ले का अवैध खनन और निर्गमन कर सरकार को लाखों रुपए का चूना लगाने वाले 31 खातेदारों की खातेदारी निरस्त करने की तैयारी की जा रही है। इसी एरिया में हजारों टन अवैध खनन की चार नई एफआईआर गजनेर पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

गंगा सरोवर में सालों तक क्ले का जमकर अवैध खनन और निर्गमन हुआ है। खान एवं भूविज्ञान विभाग ने जहां से अवैध खनन हुआ, उस जमीन के खातेदारों की खातेदारी निरस्त कराने के लिए कोलायत तहसीलदार को पत्र लिखा है। एसएमई एनके बैरवा के निर्देश पर एमई धीरज पंवार की ओर से 31 खातेदारों पर अवैध खनन निर्गमन करने किए जाने की जानकारी देते हुए उनकी खातेदारी निरस्त करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा फोरमैन रमेश गहलोत की ओर से गंगापुरा कैचमेंट एरिया में अलग-अलग पिटों से हजारों टन अवैध खनन करने पर खातेदारों के खिलाफ गजनेर पुलिस थाने में चार नई एफआईआर दर्ज कराई है। पूर्व में 22 एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

फोरमैन की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि संतोष कुमार सैनी की ओर से गंगापुरा कैचमेंट एरिया के शिव सुथारान में खसरा नंबर 19 के पिट संख्या 3 से और 20540 टन व 41423 टन बॉल क्ले का अवैध खनन किया गया। शेरसिंह व अन्य ने किशनायतन बुधान में खसरा संख्या 107/15 के पिट संख्या पिट संख्या 4 में 50000 टन और पिट संख्या 5 से 47728 टन बॉल क्ले का अवैध खनन किया गया। गौरतलब है कि गंगापुरा कैचमेंट एरिया में खान विभाग की ओर से अन्य खातेदारों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है।

'गड़बड़ियां रोकने के लिए नरेगा में नई व्यवस्था की'

जोधपुर, (कासं)। नरेगा में हो रहे भारी भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सरकार ने योजना में बड़े बदलाव का दावा किया है। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हर साल हजारों करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद मनरेगा में गड़बडि़यां सामने आ रही थी, जिन्हें रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। इसी के तहत अब मजदूरों को 100 की जगह 125 दिन रोजगार देने का प्रावधान किया गया है, ताकि जरूरतमंदों को ज्यादा काम और आय का सहारा मिल सके। रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में पत्रकारों से रूबरू होते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर विपक्ष के विरोध पर भी जवाब दिया।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हर साल हजारों करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद मनरेगा में गड़बडि़यां सामने आ रही थी, जिन्हें रोकने के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा कि सरपंच और सरकारी अधिकारी मिलकर के मजदूरों के जॉब कार्ड अपने पास रखते थे, भ्रष्टाचार करते थे। एक ही काम कई बार दिखाकर पैसे उठाते थे। बिना काम के भुगतान किया जाता था। इसके चलते 11 लाख से ज्यादा शिकायत भारत सरकार के पास मनरेगा के कामों को लेकर पहुंची थी।

सड़क सुरक्षा का संदेश साइकिल रैली से दिया

कोटा शहर के प्रमुख मार्गों से 100 से अधिक साइकिलिस्ट ने जागरूकता रैली निकाली।

कोटा, (निसं)। सड़क सुरक्षा का रखे ध्यान, ट्रैफिक नियमों का करों सम्मान, ड्राइविंग से पहले मोबाईल को करे पार्क जैसे जोशीले नारों से रविवार को कोटा की सड़कों पर गुजरते साइकिल चालकों ने प्रेरणा का संदेश दिया। घोर कोहरे की परवाह ना करते हुये साइकिल चालकों ने सड़क पर चलने के नियम व यातायात नियमों की अनुपालना के संकल्प को दोहराया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु व पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य संवर्धन एवं यातायात नियमों की पालना के उद्देश्य से साईकिल रैली का आयोजन रविवार को किया गया।

रैली संयोजक व कोटा सड़क सुरक्षा समिति के उपसचिव भुवनेश गुप्ता ने बताया कि साइकिल रैली रविवार को परिवहन विभाग (आरटीओ कार्यालय) से रवाना होकर परिवहन कार्यालय में संपन्न हुई। रैली में कोटा फन राईडर क्लब, कोटा सड़क सुरक्षा समिति, लॉयंस क्लब कोटा टेक्नो, लॉयंस क्लब कोटा साउथ, जेसीआई कोटा स्टार, टीम जीवनदाता, नरेंद्र साइकिल एलसीए व जोशिको ड्राइविंग सहित कई संस्थाओं का सहयोग रहा। मुख्य अतिथि जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर आरटीओ इंस्पेक्टर अवधेश सिंह डांगी, देवेन्द्र जोशी ने भी संबोधित किया। कोटा सड़क सुरक्षा समिति के उपसचिव व रैली संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि 100 से अधिक साइकिल सवार सड़कों पर सामाजिक जिम्मेदारी व सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए चले। महिलाएं भी पीछे नहीं रही। महिलाओं में सुधा पटेल, निशा शर्मा, बुलबुल कंवर, पूनम, अनीता यादव व अन्नू पटेल का प्रमुख भागीदारी रही। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह, कोटा फ़न राइडर क्लब से अक्षय पारीक, डॉ अशोक मूंदड़ा, राकेश सोनी, अशोक दाधीच, किशन झा, सहित कई जनों सहयोग रहा।

रावतभाटा में राहगीरों से लूटपाट करने वाली गैंग पकड़ी

कोटा, (निसं)। रावतभाटा रोड पर ग्राम कोलीपुरा एवं बोरावास के आस-पास सुनसान घाटियों में असमाजिक तत्वों द्वारा राहगीरो से लूटपाट करने के मामले में आरकेपुरम् पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है एवं दो बाल अपचारियों को निरूद्ध किया है। पुलिस टीम ने वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से शिकायतें मिल रही थी कि रावतभाटा रोड पर ग्राम कोलीपुरा एवं बोरावास के आस-पास सुनसान घाटियों में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सड़क पर रात्रि में आने जाने वाले राहगीरों के वाहनों पर पत्थरों से हमला कर लूटपाट करने के इरादे से रूकवाया जा रहा है। उक्त शिकायत संज्ञान में आने के बाद रावतभाटा रोड़ पर ग्राम कोलीपुरा एवं बोरावास के आस-पास पुलिस की गश्त को बढ़ाया गया था। शहर एसपी ने बताया कि 9 जनवरी को फरियादी ने आरकेपुरम् थाने मे रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि 27 दिसम्बर 2025 की रात्रि को कोटा से रावतभाटा लोडिंग गाड़ी से गैस सिलेण्डरों की डिलिवरी करने जा रहा था। रिपोर्ट में कहा कि कोलीपुरा की घाटीयो के पास पहुंचा तभी एक मोटरसाइकिल पर 3-4 व्यक्ति सवार होकर आये और गाड़ी को रूकवाकर पहले तो पत्थर फेंकर गाड़ी के आगे का सीसा तोड़ दिया। उसके बाद लूट का प्रयास करने लगे तभी सड़क पर दूसरा वाहन आने से पकड़े जाने के भय से हमलावर बाइक से जंगल की तरफ भाग गये।

कोटा में आरकेपुरम पुलिस टीम ने राहगीरों से लूटपाट करने वाले चार आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम् थानाधिकारी रामविलास मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मुखबिर, आसूचना संकलन एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपी रमेश गुर्जर, देवकिशन गुर्जर, माधु उर्फ माधव गुर्जर एव लक्ष्मण गुर्जर को बापर्दा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। साथ ही दो बाल अपचारियों को विधि संघर्षरत निरूद्ध किया एवं वारदात में प्रयुक्त दो मोटरसाईकिल को जब्त किया गया है।

तेज रफ्तार कार ने बच्ची को कुचला

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात महीने की मासूम बच्ची की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरकेपुरम् इलाके के मार्बल चौराहे के समीप एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक कार को चलाते हुए सड़क पर एक मासूम बच्ची को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल बच्ची को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां बच्ची की मौत हो गई।

आरकेपुरम् थने के थानाधिकारी रामविलास मीणा ने बताया कि मार्बल चौराहे के समीप एक सात माह की बच्ची को तेज रफ्तार कार चालक ने टक्कर मार दी। कार की टक्कर से मासूम की मौत हो गई, मृतक बालिका सात महिने की लक्ष्मी थी।

थानाधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश जारी हैं। मृतका के परिजन मजदूरी करते हैं।

एनजीटी ने राज्य सरकार से ग्रीन टैक्स की राशि के उपयोग पर जवाब तलब किया

एन.जी.टी. द्वारा जाजू की याचिका पर परिवहन आयुक्त, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित छह को नोटिस जारी, वाहन प्रदूषण पर एन.जी.टी. सख्त

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान में बढ़ते वाहन प्रदूषण और वाहनों से वसूले जा रहे ग्रीन टैक्स के कथित दुरुपयोग को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) सेंट्रल ज़ोन बेंच भोपाल ने सख्त रुख अपनाया है। पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधिपति शिवकुमार सिंह एवं एक्सपर्ट मेंबर सुधीर कुमार चतुर्वेदी की बेंच ने राजस्थान सरकार से ग्रीन टैक्स की राशि के उपयोग को लेकर जवाब तलब किया है।

एनजीटी में 8 जनवरी 2026 को हुई सुनवाई के दौरान आवेदक बाबूलाल जाजू की ओर से अधिवक्ता लोकेन्द्र सिंह कच्छावा ने बताया कि राजस्थान में वाहनों से होने वाला प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, जिससे दमा, ब्रोंकाइटिस, सीओपीडी और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। इसका सर्वाधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं पर पड़ रहा है। जाजू ने याचिका में बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2017 में प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से ग्रीन टैक्स लागू किया था। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2024-25 तक लगभग 2009.66 करोड़ की राशि ग्रीन टैक्स के रूप में वसूली गई, लेकिन यह राशि ग्रीनरी बढ़ाने और वायु प्रदूषण नियंत्रण में उपयोग नहीं की गई। जाजू ने बताया कि आजादी के समय प्रदेश में 13 प्रतिशत भूमि वनों से आच्छादित थी जो 9 प्रतिशत रह गई है और सघनता 0.8 से 0.3 रह गई है ऐसे में यह राशि हरियाली बढ़ाने पर खर्च की जानी चाहिए।

एनजीटी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सचिव रोड ट्रांसपोर्ट एवं हाईवे मंत्रालय, परिवहन आयुक्त राजस्थान, सदस्य सचिव राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, प्रमुख सचिव पर्यावरण, प्रमुख सचिव नगरीय विकास और प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस जारी किए हैं। साथ ही एनजीटी ने एक संयुक्त जांच समिति का गठन किया है, जिसमें पर्यावरण विभाग, परिवहन विभाग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह समिति स्थल का निरीक्षण कर ग्रीन टैक्स के उपयोग और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर छह सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। जाजू ने कहा कि यदि ग्रीन टैक्स जैसी बड़ी राशि का सही उपयोग होता तो आज राजस्थान के कई शहर जहरीली हवा से जूझ नहीं रहे होते। उन्होंने मांग की कि ग्रीन टैक्स की राशि का उपयोग पारदर्शिता के साथ केवल प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण में ही किया जाए।

गौहत्या मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस ने छह आरोपियों की परेड कराई
- अब तक कुल छह आरोपी गिरफ्तार, लगातार दूसरे दिन भी पुलिस गश्त जारी रही

पोकरण, (नि.सं.)। पुलिस थाना पोकरण क्षेत्र में हुई गौवंश की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक जैसलमेर अभिषेक शिवहरे के निर्देश पर की गई।

पुलिस के अनुसार 7 जनवरी 2026 की रात्रि को बदमाशों द्वारा एक गौवंश की हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में प्रार्थी राजूसिंह पुत्र डूंगरसिंह राजपूत, निवासी बिलिया द्वारा पुलिस थाना पोकरण में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पोकरण प्रवीण कुमार के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी पोकरण भवानी सिंह (आरपीएस) के सुपरविजन में थानाधिकारी भारत रावत के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा आसूचना संकलन एवं तकनीकी अनुसंधान के बाद तीन वांछित आरोपियों को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी मुजीब पुत्र आमदीन, बरकत अली पुत्र मुजीब, बासित खान पुत्र अब्दुल गफार खान है।

पुलिस ने बताया कि इस प्रकरण में इससे पूर्व 9 जनवरी 2026 को तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस प्रकार अब तक कुल छह आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है तथा अनुसंधान जारी है।

पूर्व राष्ट्रपति कल जोधपुर आयेंगे

जोधपुर, (कासं)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 13 से 15 जनवरी तक जोधपुर प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रामनाथ कोविंद मंगलवार, 13 जनवरी को दोपहर 3:20 बजे जोधपुर पहुंचेंगे। वे 3:50 बजे जोधपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर 4:05 बजे ताज हरि महल, रेजिडेंसी रोड पहुंचेंगे, जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे।

बुधवार, 14 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति प्रातः 11:15 बजे सोजत सिटी, जिला पाली के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वे श्रीमद् भागवत कथा समिति, सोजत सिटी द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा एवं सहस्त्र चंडी महायज्ञ में सहभागिता करेंगे।

इसके उपरांत वे रात्रि 7:30 बजे पुनः जोधपुर पहुंचकर ताज हरि महल में रात्रि विश्राम करेंगे। गुरुवार, 15 जनवरी को रामनाथ कोविंद अपराह्न 3:30 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा 4:00 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या के मामले में एक और आरोपी पकड़ा

- सीमलवाड़ा उपप्रधान के पति-बेटे सहित 4 जने पहले ही पकड़े जा चुके

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना पुलिस ने लिखीबड़ी गांव में हिस्ट्रीशीटर भूपत सिंह की हत्या के मामले में एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस पहले ही सीमलवाड़ा उपप्रधान के पति और उनके बेटे सहित 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

धम्बोला थानाधिकारी देवेंद्र देवल ने बताया कि यह घटना 1 नवंबर को हुई थी। लिखीबड़ी निवासी मीनाक्षी ने 2 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पति भूपत सिंह श्रमिकों को छोड़ने सीमलवाड़ा गए थे। बाद में सूचना मिली कि सारोली निवासी जीवराम अहारी और उसका बेटा राजनारायण अहारी सहित अन्य लोग भूपत सिंह के साथ मारपीट कर रहे हैं।

मीनाक्षी जब मौके पर पहुंचीं, तो भूपत का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। मीनाक्षी ने पुलिस को बताया कि भूपत सिंह ने जीवराम को 3 लाख रुपये उधार दिए थे, जिसे वह लौटा नहीं रहा था। इसी विवाद के चलते जीवराम ने अपने बेटे और अन्य साथियों के साथ मिलकर भूपत सिंह की हत्या कर दी। पुलिस ने मीनाक्षी की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। छानबीन के बाद पुलिस ने सारोली निवासी जीवराम, उसके बेटे राजनारायण और उनके दो साथी बापूलाल व प्रकाश को गिरफ्तार किया था। इसके अतिरिक्त, दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया था। इस मामले में एक आरोपी फरार चल रहा था, जिसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस ने अब आरोपी राहुल (19) पुत्र गोपाल अहारी मीणा निवासी अलवर, थाना धम्बोला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पुरानी रंजिश के चलते हिस्ट्रीशीटर भूपत सिंह की हत्या की थी। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

रामनारायण हत्या के दो मुख्य आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई रामनारायण जाट की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों और उनकी मदद करने वाले एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। रायला थाना क्षेत्र में नए साल की पूर्व संध्या पर हुई एक हत्या की गुत्थी को पुलिस ने पूरी तरह सुलझा लिया है। यह मामला महज एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी।

जानकारी के अनुसार 31 दिसंबर 2025 की रात करीब 9:30 बजे लाम्बिया कलां निवासी रामनारायण जाट को एक वरना कार ने जानबूझकर टक्कर मारी और कुचलकर उनकी हत्या कर दी। जांच में सामने आया कि यह हत्या जमीन विवाद और पुरानी रंजिश के चलते की गई थी।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य व वृताधिकारी जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में रायला थानाधिकारी मूलचंद वर्मा की टीम ने त्वरित कार्रवाई की।

पुलिस ने मामले में फरार आरोपी कमलेश धाकड़ (32) और मिट्ठू लाल जाट (37) को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने मुख्य साजिशकर्ता सत्यनारायण जाट (जो पहले ही गिरफ्तार हो चुका है) के साथ मिलकर हत्या को अंजाम दिया था। इसके अलावा, पुलिस ने देवेंद्र सिंह भाटी (22) को भी गिरफ्तार किया है।

अवैध हथियार सहित दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने दो अलग-अलग कार्यवाही करते हुए अवैध हथियार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि थाने के सहायक उप निरीक्षक देवकरण ने मुखबीर की सूचना पर मय जाप्ता रंगपुर पुलिया के नीचे एक जने को डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से दो अवैध जिंदा कारतूस बरामद किये। पुलिस टीम ने मौके पर गाजियाबाद निवासी अरूण तेवतिया (31) को गिरफ्तार किया। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी ने बताया कि वहींथाने के सहायक उप निरीक्षक बृजलाल को मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि सरकारी स्कूल भदाना के पीछे कोई संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा है। सूचना पर पुलिस पहुंची और मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर मौके पर खड़े व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा 315 बोर एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया। महावीर कॉलोनी निवासी विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया।

अस्पताल की खुदाई में निकले 1100 कारतूस

बीकानेर। महाजन में एक अस्पताल की खुदाई में 1100 से ज्यादा जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। अब कारतूस से भरा ये थैला कौन और कब छिपाकर गया, ये जांच का विषय है।

महाजन कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे निर्माण कार्य में खुदाई के दौरान मजदूरों को जिंदा कारतूसों का जखीरा मिला। एक बार तो मजदूरों में हड़कंप मच गया। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। थाना अधिकारी भजनलाल ने बताया कि स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निर्माण कार्य के दौरान ट्रैक्टर चलाया जा रहा था। जमीन को समतल करने के लिए चलाए गए ट्रेक्टर आगे बढ़ता, इससे पहले कुछ अटक रहा था। ट्रैक्टर में कुछ फंसा तो मजदूरों ने जाकर देखा तो एक प्लास्टिक का छोटा बोरा (कट्टा) फंसा हुआ था। इसमें कील जैसा कुछ सामान था। खोलकर देखा तो मजदूरों के होश उड़ गए। इस कट्टे में जिंदा कारतूस भरे हुए थे। मौके पर मौजूद सभी मजदूर घबरा गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कारतूसों को अपने कब्जे में लेकर क्षेत्र को सुरक्षित किया। पुलिस ने बताया कि ये एसएलआर (सेल्फ लोडेड रिवॉल्वर) के राउंड बरामद किए हैं। ये कारतूस काफी पुराने है।

पीपलोदी स्कूल हादसे के बाद बच्चों की पढ़ाई के लिए अपना मकान दान किया

झालावाड़ के पीपलोदी स्कूल हादसे के बाद मोरसिंह भील ने अपना मकान विद्यालय को दान किया

कोटा, (निसं)। झालावाड़ जिले के पीपलोदी में हुए दुर्भाग्यपूर्ण स्कूल हादसे ने पूरे क्षेत्र को गहरे शोक और चिंता में डुबो दिया था, लेकिन इसी अंधकारपूर्ण समय में मानवता और सामाजिक चेतना की एक उज्ज्वल किरण बनकर सामने आए पीपलोदी निवासी मोरसिंह भील, जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि जब इरादे नेक हों और संवेदनाएँ जीवित हों, तो समाज स्वयं समाधान खोज लेता है। बच्चों की शिक्षा बाधित न हो, इसी उद्देश्य से मोर सिंह भील ने अपना स्वयं का मकान विद्यालय संचालन हेतु दान कर समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वावधान में कोटा में आयोजित हाड़ौती गौरव सम्मान 2026 समारोह में मोर सिंह भील को उनके इस अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने उन्हें साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर हाड़ौती गौरव सम्मान से नवाजा। विशेष बात यह रही कि संभागीय आयुक्त ने अपने सम्मान में प्राप्त साफा स्वयं मोर सिंह भील को पहनाकर उन्हें सम्मानित किया, जो इस त्याग और सेवा भावना के प्रति प्रशासन की गहरी संवेदना और सम्मान को दर्शाता है।

स्कूल भवन के उपयोग में असमर्थता के कारण पीपलोदी के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका थी। अभिभावकों और शिक्षकों के समक्ष भविष्य को लेकर चिंता गहराने लगी थी। ऐसे कठिन समय में मोर सिंह भील ने बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के अपने निजी मकान को अस्थायी विद्यालय के रूप में उपलब्ध कराने की घोषणा की। उनके इस निर्णय से न केवल बच्चों की पढ़ाई को नया सहारा मिला, बल्कि पूरे गांव में सकारात्मक ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ। मोर सिंह भील के इस मानवीय कदम की ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों एवं जनप्रतिनिधियों ने खुले दिल से प्रशंसा की है। लोगों का कहना है कि ऐसे व्यक्तित्व ही कठिन समय में समाज की वास्तविक शक्ति बनते हैं। यह कदम सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदना का जीवंत उदाहरण है। भले ही पीपलोदी स्कूल हादसा एक दर्दनाक घटना रही हो, लेकिन मोर सिंह भील का यह त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। उनका यह कार्य यह संदेश देता है कि संसाधनों की कमी भी मजबूत इच्छाशक्ति और संवेदना के आगे बाधा नहीं बन सकती। निंसंदेह, मोर सिंह भील का यह योगदान शिक्षा, समाज और मानवता के प्रति एक ऐसा उदाहरण है, जिसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। उनका नाम उन लोगों में दर्ज हो गया है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी दूसरों के भविष्य के लिए अपने सुख-सुविधाओं को पीछे छोड़ देते हैं।

कैलाश माली की हत्या का खुलासा, दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण के कस्बा बिलाड़ा के उचियारड़ा बेरा में चांदी घड़ाई करने वाले कैलाश माली की निर्मम हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। आरोपियों ने लूट के इरादे से हत्या की थी। पुलिस ने मामले में दो आरोपी भींयाराम और मनोहर सीरवी को दबोच लिया, जबकि तीसरा साथी गोपाल सीरवी पुणे भाग गया। जिसकी तलाश में पुलिस टीम रवाना की गई है।

जानकारी के अनुसार 7 जनवरी की रात कैलाश माली अपने किराये के मकान में थे। यहां चांदी लूटने के लालच में भींयाराम, मनोहर और गोपाल ने पार्टी की। इसके बाद लूट के इरादे से उसके सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या का पता 10 जनवरी को चला। जब उसके दादा चंद्राराम व गंगाराम पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से झांका तो खून से लथपथ लाश मिली। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची तो मौक़े से चांदी के गहने व मोबाइल गायब मिला। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद डीएसटी ने मुखबिर सूचना व तकनीकी डाटा से दोनों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपी भींयाराम सीरवी, निवासी राठौड़ा का बेरा, उचियारड़ा व मनोहर सीरवी निवासी बर्फा का खारचिया बेरा, उचियारड़ा को गिरफ्तार किया। जबकि तीसरा साथी गोपाल फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस कार्रवाई में थाना अधिकारी सवाईसिंह, डीएसटी प्रभारी श्रवणकुमार भवरिया, हरेन्द्र लोहरा आदि शामिल रहे।

संक्षिप्त

दानपात्र से 9.52 लाख रूपए मिले

निवाई। देवधाम जोधपुरिया में भगवान देवनारायण के मंदिर में ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गुर्जर की अध्यक्षता में दानपात्र खोले गए। दानपात्रों से कुल 9 लाख 52 हजार 550 रुपए की राशि प्राप्त हुई है। जिसे कोषाध्यक्ष द्वारा मंदिर ट्रस्ट के बैंक खाते में जमा करवा दिया गया। ट्रस्ट महामंत्री रतनदीप गुर्जर एवं कोषाध्यक्ष जगदीश बोकण ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गणमान्य लोगों के समक्ष मंदिर ट्रस्ट की आय–व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि दान की राशि का उपयोग मंदिर विकास, धार्मिक आयोजनों एवं सामाजिक कार्यों में पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गुर्जर ने कहा कि आगामी मेले को लेकर सभी समाज के लोगों के सुझाव व विचार आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले लक्खी मेले को भव्य और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट की आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रत्येक महीने में सार्वजनिक किया जाएगा, जिससे लोगों को कितनी राशि प्राप्त हुई और कितना खर्च हुआ है की जानकारी रहेगी। नरेश गुर्जर ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट अब धार्मिक गतिविधियों के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी नवाचार करेगा। ट्रस्ट को धर्म के साथ शिक्षा से जोड़ा जाएगा और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर मंदिर के विकास कार्य किए जाएंगे।

छामुनिया मंडल अध्यक्ष बनी

टोंक। अग्रवाल समाज के सगठन ने बीना जैन छामुनिया को अग्रवाल समाज 84 महिला मंडल के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया है, यह चयन उन्हे सामाजिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता, संगठन के प्रति समर्पण एवं समाजसेवा की भावना के बाद दिया गया है। छामुनिया सगठन के मार्गदर्शन में महिला मंडल में नई ऊर्जा, सशक्त सहभागिता और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान करेगी। संगठन ने बताया कि नारी शक्ति को संगठित कर समाजहित, संस्कार, शिक्षा, सेवा एवं सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करने हेतु छामुनिया को पद दिये हुए उन्हे बधाई देकर उत्तम स्वास्थ्य, दृढ़ संकल्प एवं निरंतर सफलता प्रदान करने हेतु शुभकामनाएँ दी है।

अवैध दो बन्दूक के साथ आरोपी पकड़ा

टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृताधिकारी पीपलू रामअवतार एवं बरोनी थानाधिकारी नूर मोहम्मद के नेतृत्व में गठित थना टीम द्वारा नाहरवाडी मोड के पास से एक देशी टोपीदार व एक नाली बन्दूक जप्त कर आरोपी महेन्द्र पुत्र जगदीश जाति बैरवा उम्र 32 साल निवासी हथौना को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही के बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आर्मस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया।

पौषबड़ा महोत्सव आज

कोटपूतली। समीपवर्ती ठाम पुरुषोत्तमपुरा स्थित श्री जगन्नाथ गौशाला में सोमवार, 12 जनवरी को प्रात: 11:15 बजे से मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में गौ सेवार्थ विशाल म्हासी कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। भाजपा पूर्व जिला कोषाध्यक्ष शषि मित्तल ने बताया कि इस मौके पर गायक कलाकार जयराम टेकला एण्ड पार्टी पपली लखेरा (नाट्यव कलाकार) द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुती दी जायेगी। वहीं इस दौरान विशाल पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन भी होगा।

सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 मई को

फुलेरा। बलाई समाज जागृति एवं आयोजन समिति तहसील फुलेरा की बैठक रविवार को समिति अध्यक्ष प्रमोद कालावत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन पीपल पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार 1 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कांग्रेस का टोंक जिला स्तरीय मनरेगा बचाव संग्राम जन आंदोलन शुरु

टोंक जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से मनरेगा बचाव संग्राम जन आंदोलन के तहत उपवास कार्यक्रम घंटाघर चौराहा के बाहर किया।

■ मोदी सरकार धीरे-धीरे मनरेगा को बंद करना चाहती है ,ये गरीबों की रोजी पर सीधा हमला है

टोंक। जिला कांग्रेस कमेटी टोंक की ओर से एक जिला स्तरीय मनरेगा बचाव संग्राम जन आंदोलन के तहत उपवास कार्यक्रम घंटाघर चौराहा अंबेडकर सर्किल के बाहर रखा गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सऊद सईदी ने कहा की मोदी सरकार धीरे-धीरे मनरेगा को बंद करना चाहती है ,ये गरीबों की रोजी पर सीधा हमला है, इसे बेरोजगारी बढ़ेगी, मजदूरी घटेगी, गरीब और मजदूर लोगों का पलायन तेज होगा और पंचायतों को बेअसर कर दिया जाएगा। वही पूर्व जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि मनरेगा को कमजोर कर बीजेपी सरकार ने गाँवों में रहने वाले देश के करोड़ों लोगों, मजदूरों के साथ विश्वासघात किया है।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, पूर्व विधायक कमल बेरवा, के.सी. मीणा, किसान नेता राम चौधरी, संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया, सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, मिर्जा इरशाद बेग जहीरुद्दीन टोडा, अवधेश शर्मा बजरंग लाल वर्मा पीपलू ब्लॉक अध्यक्ष जय नारायण मीणा निवाई शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा टोडा ब्लॉक अध्यक्ष एम इस्लाम सेवादल जिला अध्यक्ष अब्दुल खालीक युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हंसराज गुजल राहुल सैनी, फोजू राम मीणा, शब्बीर अहमद, सलीमुद्दीन खान, धर्मेंद्र सालोदिया, शिवराज बेरवा, , प्रकाश धाकड, ,बरकत हसीन युसुफ यूनिवर्सल, सीपी मेहता, अशोक महावर, अकबर खान, मनिंदर बेरवा विकास लोधी, मूलचंद बेरवा, सीपी श्रीवास्तव, बजरंग लाल वर्मा इत्यादि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिंधी भाषा लर्निंग कोर्स परीक्षा सम्पन्न

किशनगढ़ बास। सिंधी भाषा लर्निंग कोर्स परीक्षा रविवार को किशनगढ़ बास के माउंट ओएसिस एस के आए स्कूल में सम्पन्न हुई।

यह परिक्षा राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली की ओर से भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के सहयोग से चल रही सिंधी भाषा की कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। जिससे 143 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। इस परिक्षा के सुपरवाइजर हीरानंद व प्रीति भूरानी ने बताया परीक्षा केंद्र माउंट ओएसिस एस के आए स्कूल में रविवार को राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद् की ओर आयोजित परीक्षा में सिन्धी भाषा के सर्टीफिकेट में 62 विद्यार्थी कोर्स, डिप्लोमा में 52 एडवांस डिप्लोमा में 29 उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद प्रभारी कन्हैयालाल भुरानी, सिंधी समाज के मुखी गोकुलदास मृगवानी, प्रभु दयाल , राजेश कामदार, राजेश पमनानी, लक्ष्मण दास , सुनील बत्रा मौजूद रहे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मिन अभिभाष्यगण सुरेश वर्मा पुत्र स्व. श्री राजू लाल वर्मा एवं श्रीमती नीलू वर्मा पत्नी सुरेश वर्मा निवासीगण मकान नम्बर 244, सुभाष कालोनी, शास्त्री नगर, जयपुर के निवासी हैं। मिन अभिभाष्यगण का पुत्र तरूण कुमावत मिन अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है इसलिए मिन अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र तरूण कुमावत को उनकी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मिन अभिभाष्यगण के पुत्र तरूण कुमावत से यदि कोई संव्यवहार करता है तो उसके लिए वह स्वयं ही जिम्मेदार होगा तथा इससे मिन अभिभाष्यगण व मिन अभिभाष्यगण के परिवारजन का कोई संबंध नहीं होगा।

जयपुर (तनिशा कुमावत) एडवोकेट
दिनांक-11.1.26 मो.-9166449977, 7877266233

भगवान कृष्ण के जयकारों से गूंजा पांडाल

निवाई। श्रीकुंज बिहारी आश्रम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दौरान श्री कृष्ण जन्मोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। कृष्ण जन्म होते ही श्रद्धालु भगवान कृष्ण के जयकारे लगाने लगे। जिससे पूरा माहौल भक्ति मय हो गया।

कथा के शुभारंभ पर मुख्य यजमान शशि भूषण शर्मा एवं आरती शर्मा ने पंडित गिरजाशंकर शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रीमद् भागवत महापुराण की विधिवत पूजा–अर्चना कर आरती की। श्रद्धालु डॉ. रविकांत शर्मा ने बताया कि महामंडलेश्वर श्रीरामकृष्ण दास वेदांती महाराज ने कथा में गजेंद्र मोक्ष कथा, समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम जन्म तथा भगवान श्रीकृष्ण अवतार की दिव्य एवं प्रेरणादायक कथाओं का भाव पूर्ण वर्णन किया। इस दौरान पूरा वातावरण जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से गूंज उठा। महाराजश्री ने प्रवचनों के माध्यम से भक्ति, कर्म और धर्म का गूढ़ संदेश दिया, जिसे सुनकर श्रोता भाव–विभोर हो उठे। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की जीवन्त एवं आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भक्ति रस में डूबे भक्तों ने मधुर भजनों पर झूम–झूमकर नृत्य किया। भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर एक–दूसरे को बधाइयाँ भी दी गई। इस अवसर पर रामकिशोर, रामप्रसाद, जितेंद्र, गोपाल, आशीष, पवन, सुमन, माया व आरती सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खोया पाया

मैं नीरू धवन पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार बैरवा, पता-163, इंद्रा नगर गोनेर रोड जयपुर दिनांक 18/11/2025 को मेरे घर की रजिस्ट्री से सम्बंधित दस्तावेज रजिस्ट्री का साईट प्लान, संशोधन पत्र के ई-चालान की रसीद तथा संशोधन पत्र पे से मेरी (नीरू धवन) की फोटो कहीं खो गए है। जिसकी ऑनलाईन FIR No. LR No: 3013916/2026 है मिलने पर सूचित करें 9001180960

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 ओर 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी स्थान लक्ष्मणगढ़ सीकर
कयामुदीन बनाम मुंशी आदि
वाद बाबत - उदघोष व स्थाई निषेधाज्ञा
वाद स0 233 सन 2021

2/1 सुगरा पत्नी इमामुदीन जाती मुसलमान निवासी कस्बा लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर राज. 27/3 जुबेदा पुत्री रहमान जाती मुसलमान निवासी वार्ड न. 13 कस्बा लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर वादी ने अपने विरुद्ध उद्घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में 13.01.2026 को दिन में 10 बजे दावे का उतर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है।
जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस वाद से संबंधित जो ऐसे सब प्रश्नों के उतर दे सके। आपको ये आदेश भी दिया जाता है आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें। और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में है या शक्ति में है पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा दाखिल / सुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे व आपके कब्जे में व शक्ति में है तो अपना प्रतिरक्षा या मुजाराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई ओर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा । यह वाद ता. 30 माह 12 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से ओर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
न्यायाधीश
उपखंड अधिकारी
लक्ष्मणगढ़ (सीकर)

कई धार्मिक अनुष्ठान हुए

निवाई। 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमेश्वर के प्रति अटूट आस्था एवं अविस्मरणीय बलिदान के 1 हजार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कई धर्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया। भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर पेट्रोल पम्प वाले बालाजी के भोलेनाथ मंदिर में भाजपा शहर मंडल एवं बालाजी भक्त मंडली के संयुक्त तत्वाधान में भगवान भोलेनाथ की फूल मालाओं से आकर्षक झांकी सजाकर मंदिर में ओंकार मंत्र, रामधुनी, सुंदर कांड के पाठ सहित भजन संकीर्तन किया। इस अवसर पर भाजपा शहर महामंत्री डॉ. जयनारायण कुमावत, अक्षय शर्मा, गोविन्द शर्मा, राहुल जांगिड़, गोलू जांगिड़, रमेश सैनी, बद्री जांगिड़, राजेन्द्र, रामधन चौधरी, छीतर कुमावत, गणेश सैनी, बद्री मीणा व सन्तोष सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

फ्लाईओवर के लिए तकनीकी अधिकारियों का मौका मुआयना

■ पावटा कस्बे में बढ़ते जाम से निजात दिलाने को लेकर पूर्व विधायक सुभाष चन्द्र शर्मा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था

पावटा। दिल्ली–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पावटा कस्बे में बढ़ते जाम से निजात दिलाने को लेकर पूर्व विधायक सुभाष चन्द्र शर्मा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर फ्लाईओवर व अंडरपास निर्माण की मांग की है।

शर्मा ने पत्र में बताया कि पावटा उपखण्ड मुख्यालय पर राजमार्ग निर्माण के दौरान पूर्व में एक अत्यंत छोटा अंडरपास बनाया गया था। संकीर्ण निर्माण के चलते प्रतिदिन भारी जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे कस्बे का सामान्य आवागमन प्रभावित रहता है। स्थानीय निवासियों के अलावा आसपास के लगभग 50 से अधिक गांवों के हजारों लोग प्रतिदिन पावटा होकर विभिन्न कार्यालयों व बाजारों की ओर आते–जाते है। पूर्व विधायक ने पत्र में मुख्य स्टैंड पर भाँकरी रोड के सामने बडा व ऊँचा फ्लाईओवर, राजकीय उपजिला अस्पताल के सामने दूसरा फ्लाईओवर तथा नवोदय रोड के सामने ऊँचा अंडरपास निर्माण की आवश्यकता जताई। शर्मा ने कहा कि जब तक दो फ्लाईओवर और एक बड़ा अंडरपास नहीं बनाया जाएगा, तब तक पावटा कस्बा जाम की समस्या से मुक्त नहीं हो सकेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 13 जनवरी 2025 को भी इसी संबंध में केंद्रीय मंत्री को पत्र भेजकर समस्या के समाधान की मांग की गई थी। जिसके तहत पावटा में फ्लाईओवर की समस्या के निराकरण के लिए केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे पत्र के बाद मिले निर्देशों के तहत शनिवार को एनएचएआई के तकनीकी अधिकारियों और इंजीनियरों की टीम ने पावटा फ्लाईओवर के लिए निरीक्षण किया और फिजिबिलिटी की जाँच कर रिपोर्ट बनाई जिसमें उपजिला अस्पताल पावटा के सामने बडा फ्लाईओवर तथा नवोदय रोड के सामने ऊँचा अंडरपास बनाए जाने की सहमति व्यक्त की। इस मौके पर कन्हैया लाल मीणा, दिलीप योगी, ओमप्रकाश इंदौरिया,दीपक पटेल, ललित शर्मा, मुकेश सैनी, हरि प्रसाद वर्मा सहित गांव के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भव्य सुंदरकांड पाठ

निवाई। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष में श्रीमंशापूर्ण बालाजी के मंदिर में बालाजी भक्त मंडल के तत्वाधान में भव्य सुंदरकांड के पाठ का आयोजन हुआ। इस दौरान छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। मंडल अध्यक्ष विशाल सैनी ने बताया कि बालाजी भक्त मंडली द्वारा हर वर्ष की भांति शनिवार को भव्य सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान लक्ष्य शर्मा, राहुल शर्मा, गौरव गौतम व तरुण द्वारा सुंदरकांड पाठ के साथ भजनों की प्रस्तुतियांदी। भजना सुनकर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। इस दौरानबालाजी की छप्पन भोग झांकी व शशि शेखर महादेव के महाकाल स्वरूप श्रृंगार ने भक्तों का मन मोह लिया। मंडल सदस्य अभिषेक गुप्ता व अनुराग शर्मा ने बताया कि बालाजी भक्त मंडली द्वारा समय–समय पर इस प्रकार के धार्मिक आयोजन किए जाते है। उन्होंने बताया कि मंडली का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक हिंदू विशेष रूप से युवा वर्ग को भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म से जोड़ना है।

'नशे और ऑनलाइन गेम्स जैसी बुरी आदतों से दूर रहे खिलाड़ी'

पावटा। हर वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। फुटबॉल कोच ग्राम भांकरी निवासी जुडवा भाई हर्षवर्धन शर्मा व यशवर्धन शर्मा ने कहा कि विवेकानंद युवाओं में देश की उन्नित और परिवर्तन की संभावनाएं देखते थे। उनका मानना था कि युवा पीढ़ी में लोहे जैसी मांसपेशियां और फौलादी नसों के साथ वठातुल्य संकल्प होना चाहिए। उनका उद्देश्य था कि युवा मातृभूमि और जनता की सेवा करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति से प्रेरित हों। कोच हर्षवर्धन व यशवर्धन ने सभी खिलाड़ियों से आव्हान किया कि वे नशे और ऑनलाइन गेम्स जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत–हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और स्वस्थ्य जीवनशैली का सशक्त आधार हैं, जो युवाओं को सकारात्मक दिशा देते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से आठाह किया कि वे खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लें, हार–जीत को सहज रूप से स्वीकार करें और निरंतर मेहनत व अनुशासन के साथ आगे बढ़ें।

मानकों का उल्लंघन करने वाले खाद्य कारोबारियों पर प्रशासन सख्त

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने विभिन्न संस्थानों पर नियमानुसार 38 लाख से अधिक का अर्थदंड लगाया।

■ खाद्य सुरक्षा अधिकारी की विशेष टीम गठित कर निरंतर की जा रही जांच

कोटपूतली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण के निर्देशन में जिले में संचालित होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, किराना दुकान एवं गोदामों में मिलावटी व अशुद्ध खाद्य पदार्थों के विरुद्ध प्रशासन सतर्कता से कार्रवाई कर रहा है। इसके लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी की विशेष टीम गठित कर निरंतर जांच की जा रही है।

इसी क्रम में जांच के दौरान खाद्य पदार्थ मिसब्रांडेड, अनसेफ एवं सब–स्टैंडर्ड पाए जाने पर अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा सुनवाई कर संबंधित फर्मों / खाद्य कारोबारकर्ताओं पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत पिछले 1 साल में कुल 38 लाख 80 हजार रुपये तक का अर्थदण्ड लगाया जा चुका है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 96 के प्रावधान अनुसार फर्मों / खाद्यकारोबारकर्ता पर अधिरोपित कोई शास्ति, यदि उसका संदाय नहीं किया जाता है तो भूराजस्व के बकाया के रूप में वसूल की जावेगी और शास्ति का संदाय होने तक व्यतिक्रमी की अनुज्ञप्ति निलंबित रहेगी।

उन्होंने बताया कि अधिआरोपित अर्थ दण्ड जुर्माना 30 दिन के अन्दर जमा नहीं कराने वाले के खिलाफ अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला कोटपूतली–बहरोड को खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 नियम 2011 की धारा 96 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित कर जुर्माना राशि वसूल करने एवं राजकोश में जमा करवाने के निर्देश दिये गये है। यह है मिसब्रांडेड, अनसेफ और सब–स्टैंडर्ड फूड पर एफएसएसए के तहत प्रावधान सहारण ने बताया कि यदि कोई खाद्य कारोबारकर्ता या विक्रेता ऐसा खाद्य पदार्थ बेचता है जिसमें रंग या अधूरी जानकारी दी गई हो, नकली ब्रांड नाम से पैकिंग की गई हो, विज्ञापन में भ्रामक दावे किए गए हों या पैकेट पर गलत वजन व सामग्री अंकित की गई हो, तो वह खाद्य पदार्थ मिसब्रांडेड फूड की श्रेणी में आता है। इस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 52 के तहत 3 लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसी प्रकार यदि कोई खाद्य पदार्थ निर्धारित मानक गुणवत्ता का पालन नहीं करता, पोषण मानक पूरे नहीं करता, निर्धारित अनुपात से कम गुणवत्ता का होता है या उत्पादन एवं प्रोसेसिंग में लापरवाही पाई जाती है, तो वह सब–स्टैंडर्ड फूड की श्रेणी में आता है। इस पर धारा 51 के तहत 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। वहीं ऐसा खाद्य पदार्थ जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो और जिसके सेवन से बीमारी या मृत्यु तक हो सकती है, जैसे जहरीले रसायन अथवा कीटनाशक अवशेषों से युक्त सब्जियां, फफूंदी लगा अनाज, फॉर्मेलिन मिली मछली या दूषित पानी से बनी बर्फ आदि, उसे अनसेफ फूड माना जाता है। इस पर धारा 59 के तहत 6 माह से आजीवन कारावास तथा 1 लाख से 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

Office Of The Gram Panchayat Syalodara P.S. Patan

Sr.No.-07 Date-09.01.2026

Notice Inviting Bid

Bids For Various Works in G.P. Syalodara are invited from Intrested Bidders Upto 16.01.2026 Time 01.00 P.M Others particulers of the BID may be visited in office or on the Procurment Portal http://sppp.rajasthan.in of the State Portal.

NIB NO.-PKP2526A0171
UBN NO.- PKP2526WSOB00266 PKP2526WSOB00267

Administrator G.P. Syalodara P.S Patan
VDO G.P. Syalodara P.S Patan

Office Of The Gram Panchayat Biharipur P.S. Patan

Sr.No.-82 Date-07.01.2026

Notice Inviting Bid

Bids For Various Works in G.P. Biharipur are invited from Intrested Bidders Upto 15.01.2026 Time 01.00 P.M Others particulers of the BID may be visited in office or on the Procurment Portal http://sppp.rajasthan.in or https://eproc.rajasthan.in of the State Portal.

NIB NO.-	UBN NO.-
PKP2526A0167	PKP2526WSLB00260
PKP2526A0168	PKP2526WSLB00261
PKP2526A0169	PKP2526WSOB00262

Administrator G.P. Biharipur P.S Patan
VDO G.P. Biharipur P.S Patan

शिक्षक दिनेश कुमार सैनी राष्ट्र गौरव पारस रत्न से सम्मानित

राजगढ़ उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बडला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

राजगढ़। उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बडला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान 2026 से बरेली, उत्तर प्रदेश में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. महेंद्र देव रहे और विशिष्ट अतिथि डॉ. अरुण कुमार वन और पर्यावरण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार रहे। 11 राज्यों से 151 लोगों का चयन राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान के लिए किया गया। राजस्थान से दो शिक्षकों का चयन किया गया। इनमें एक शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का चयन अलवर जिले से किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में किये गए नवाचार के लिए इनका चयन किया गया। गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल खेल में शिक्षा और मनोरंजन गतिविधि के द्वारा छोटे बच्चों को शिक्षा करवाया जाता है। जिससे बच्चें अच्छी तरह से सीखते है और रुचि लेकर अपना शिक्षण कार्य करते है। देश के 11 राज्यों के नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित किया है। इस कार्यक्रम का आयोजन एक गूंज सेवा समिति उत्तर प्रदेश के द्वारा जगपाल सिंह चौहान स्मृति में किया गया। इस समिति के संस्थापक और अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह "बन्टी ठाकुर " हैं, इनके द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती हैं। जिसमे देशभर के शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षक दिनेश कुमार के द्वारा के कार्य को राजस्थान में सबसे पहले किया गया और 2024 में राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इनके नवाचार देशभर में सोशल मीडिया के द्वारा सबसे ज्यादा देखे जाते हैं राजगढ़ उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बडला के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी को राष्ट्र गौरव पारस रत्न शिक्षक सम्मान 2026 से बरेली, उत्तर प्रदेश में सम्मानित किया गया।

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी, प्राथ. स्वा. केन्द्र झीवाना (तिजारा) खैरथल-तिजारा

क्रमांक -2025/198 **खुली निविदा सूचना** दिनांक :

सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ. स्वा. केन्द्र झीवाना (तिजारा) द्वारा निम्न सेवाये उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क.स.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि रुपए	निविदा शुल्क रुपए	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अन्तिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र खोलने की तिथि व समय
1.	मशीन विद मैन (संविदा) कम्प्यूटर ऑपरेटर(1)	180000/-	3600/-	100	16.1.2026 12.00 PM	16.1.2026 1.00 PM	16.1.2026 2.00 PM
2.	सफाई कार्य	144000/-	2880/-		16.1.2026 12.00 PM	16.1.2026 1.00 PM	16.1.2026 2.00 PM

नियम एवं शर्तें
1. निविदाएँ दोहरी बिड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमें अमानत राशि का डीडी / बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छाया प्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैंकर्स चैक राजस्थान मेडिक्येर रिलीफ सोसाइटी, झीवाना के नाम से व खैरथल-तिजारा शाखा पर देय होगा। दुसरा लिफाफा (ख) वितीय बिड का होगा, जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी । तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वितीय बिड खोली जावेगी ।
2. प्राप्त निविदाएँ दिनांक 16.01.2026 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 16.01.2026 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी ।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है। जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है ।
4. अधिक जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने के सम्बन्ध मे समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी
प्राथ0स्वा0केन्द्र झीवाना, तिजारा

सेना दिवस परेड रिहर्सल में टैंक, मिसाइल और अपाचे की दहाड़

रिहर्सल में सेना के जवानों के बाइक करतब विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, बाइकों पर जवानों ने ह्यूमन पिरामिड बनाकर दर्शकों को रोमांचित किया

जयपुर। जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड रविवार को करीब पांच घंटे तक सेना की छावनी में तब्दील रहा। 15 जनवरी को होने वाली 78वीं सेना दिवस परेड से पहले फुल ड्रेस रिहर्सल का। सुबह से ही पूरे इलाके में सैन्य अनुशासन, कदमताल की गूंज और देशभक्ति का वातावरण नजर आया। जहां नजर गई, वहीं खाकी वर्दी में सधे कदमों से मार्च करते जवान और अत्याधुनिक हथियार भारतीय सेना की ताकत का प्रदर्शन करते दिखे।

- खाकी वर्दी में सधे कदमों से मार्च करते जवान व आधुनिक हथियार भारतीय सेना की ताकत का प्रदर्शन करते दिखे

रिहर्सल परेड में सेना की झांकियों ने आत्मनिर्भर भारत की झलक पेश की।

रविवार को सेना दिवस परेड की दूसरी फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। इससे पहले 9 जनवरी को पहली रिहर्सल आयोजित की गई थी। सुबह करीब साढ़े आठ बजे शुरू हुई यह रिहर्सल दोपहर करीब डेढ़ बजे तक चली। इस दौरान थल, वायु और तकनीकी शक्ति का भव्य प्रदर्शन किया गया। टैंक, मिसाइल सिस्टम, मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर, ड्रोन और लड़ाकू हेलिकॉप्टरों ने सेना की आधुनिक युद्ध क्षमता को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

रिहर्सल में सेना के जवानों के बाइक करतब विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सात बाइकों पर 27 जवानों ने ह्यूमन पिरामिड बनाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। चलती बाइकों पर सुदर्शन चक्र और अशोक स्तंभ की आकृतियां बनाकर सेना ने यह संदेश दिया कि वह हर परिस्थिति में राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है। टोरनेडोज टीम ने चलती बाइक को जिम में बदलते हुए प्लैंक पोजिशन में शारीरिक व्यायाम कर अनुशासन और फिटनेस का संदेश दिया।

भारतीय सेना के अत्याधुनिक अपाचे एएच-64ई, चीता और चेतक हेलिकॉप्टरों ने फ्लाई-पास्ट कर आसमान में शक्ति प्रदर्शन किया। अपाचे हेलिकॉप्टर, जिसे 'फ्लाइंग टैंक' भी कहा जाता है, रिहर्सल का प्रमुख आकर्षण रहा। वहीं धरती पर के-9 वज्र टी टैंक ने अपनी ताकत दिखाई, जो 45 किलोमीटर दूर तक दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने में सक्षम है। स्वदेशी अर्जुन मार्क-1 टैंक ने भी अपनी मारक क्षमता और तकनीकी खूबियों से दर्शकों को प्रभावित किया।

रिहर्सल में अग्निबाण मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का प्रदर्शन किया गया, जो मात्र 20 सेकेंड में 40 से अधिक रॉकेट दागने की क्षमता रखता है। डीआरडीओ द्वारा विकसित 'सूर्यास्त' यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम की झलक भी दिखाई गई, जिसकी मारक क्षमता 300 किलोमीटर तक है और जिससे एक साथ छह मिसाइलें दागी जा सकती हैं। इसके अलावा हेलिकॉप्टर लॉन्च्ड नाग मिसाइल 'हेलिना' ने भी सैन्य शक्ति का परिचय दिया। हाई मोबिलिटी रिकॉनिसेंस व्हीकल (एचएमआरवी) जैसे बख्तरबंद वाहनों का प्रदर्शन किया गया, जो मैदानी इलाकों से लेकर रेगिस्तान और बर्फीले पहाड़ों तक ऑपरेशन करने में सक्षम हैं। ये वाहन करीब पांच हजार मीटर की ऊंचाई तक कार्य कर सकते हैं और आधुनिक संचार प्रणाली व हथियारों से लैस हैं।

रिहर्सल परेड में सेना की झांकियों ने आत्मनिर्भर भारत की झलक पेश की। स्वदेशी तकनीक से लैस मिसाइल सिस्टम, रोबोटिक योद्धा और अत्याधुनिक निगरानी उपकरणों ने दर्शकों का ध्यान खींचा। 210 रॉकेट रेजिमेंट, क्विक रिएक्शन फाइटर व्हीकल, लाइट स्ट्राइक व्हीकल, एंटी टैंक मोबाइल टीम और व्हीकल माउंटेड इन्फेंट्री मोर्टार सिस्टम का भी प्रदर्शन किया गया।

सेना की प्रतिष्ठित घुड़सवार बटालियन ने परंपरा और शौर्य को जीवंत किया। वहीं हाल ही में गठित भैरव बटालियन ने भी फ्लाई-पास्ट कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। 'अदृश्य और अदम्य' टैगलाइन वाली यह बटालियन चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं सहित किसी भी चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन के लिए पूरी तरह सक्षम है।

प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

- तकनीकी खराबी आने पर पायलट ने सुरक्षित उतारा, भोपाल के लिए भरी थी उड़ान

जयपुर। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षित नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है।

एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

रायसर के नजदीक वामनवाटी गांव में पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई। फिलहाल हमारी टीम हेलिकॉप्टर की तकनीकी खराबी की जांच में जुटी हुई है।

दुबई से जयपुर आई फ्लाइट में पैसेंजर ने किया हंगामा

जयपुर। दुबई से जयपुर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब एक पैसेंजर ने उड़ान के दौरान विमान के क्रू मेंबर के साथ दुर्व्यवहार किया। क्रू मेंबर की शिकायत के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग होते ही यात्री को सिक्योरिटी स्टाफ ने उतारकर पुलिस के हवाले कर दिया। दरअसल दुबई से उड़ान भरकर रविवार शाम 4:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट पहुंची थी। इस फ्लाइट में क्रू मेंबर के साथ एक पैसेंजर ने दुर्व्यवहार किया है। जयपुर एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों के अनुसार- उड़ान के दौरान एक यात्री का व्यवहार लगातार आपत्तिजनक रहा। यात्री ने विमान के क्रू मेंबर के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उनके निर्देशों का पालन करने से इनकार किया। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पूगल बनेगा सौर ऊर्जा का नया हब, 2450 मेगावाट क्षमता का होगा सोलर पार्क

- 17 हजार करोड़ रुपए का आएगा निवेश
- पार्क के विकास के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जारी निविदा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं को निरन्तर गति दे रही है। इसी क्रम में बीकानेर जिले के पूगल में स्थापित किए जा रहे सोलर पार्क की निविदा को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लॉन्च कर दिया गया है। इसमें बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 9 मार्च निर्धारित की गई है। इस निविदा में सौर ऊर्जा क्षेत्र की देश-विदेश की कंपनियां अपनी बोली प्रस्तुत करेंगी।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि पूगल सोलर पार्क में 2,450 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं के साथ 1,600 मेगावाट/6,400 मेगावाट-घंटे बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की स्थापना भी की जाएगी। यह पार्क राज्य में सुनिश्चित और डिस्पैचेबल नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड की सहायक कंपनी राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी इस परियोजना के लिए आधारभूत ढांचा विकसित कर रही है। इसके लिए 4,394 हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया जा चुका है। इसमें जो सोलर तथा बैटरी एनर्जी स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित होंगी, वे राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के पारेषण तंत्र से कनेक्ट की जाएंगी। परियोजनाओं को बिल्ड ऑन ऑपरेट (बीओओ) मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से उत्पन्न शत-प्रतिशत बिजली का क्रय 25 वर्षों के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आईटी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा राज्य के डिस्कॉम्स के लिए किया जाएगा। इससे डवलपर्स को दीर्घकालिक राजस्व मिलना सुनिश्चित होगा।

पार्क को दो भागों में विकसित किया जाएगा। प्रथम भाग में 2,000 मेगावाट सौर ऊर्जा के साथ ही 1,320 मेगावाट/5,280 मेगावाट-घंटे बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम का विकास होगा। दूसरे भाग में 450 मेगावाट सौर ऊर्जा तथा 280 मेगावाट/1,120 मेगावाट-घंटे ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित होगी। बोलीदाता दोनों लॉट में भाग ले सकते हैं। इसमें अपूर्व्ड लिस्ट ऑफ मॉडयूल मैन्यूफैक्चरर्स सूचीबद्ध सौर मॉड्यूल का उपयोग, साइबर सुरक्षा मानकों का पालन तथा जीपीएस-सक्षम स्वचालित मौसम स्टेशन की स्थापना अनिवार्य होगी। हस्ताक्षर की तिथि से 24 माह के भीतर ऊर्जा उत्पादन शुरू करना होगा।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं से लगभग 17,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा।

नाथाजी के कार्य समाज के जीवन के लिए आदर्श सूत्र

जयपुर। वीर शिरोमणि नाथाजी स्मृति , समारोह खंडेलवाल वैश्य महाविद्यालय के सभागार में बड पीपली बालाजीधाम के महंत परमेंद्रनाथ जी एंव वृंदावन सनातन पीठ के पीठाधीश्वर कौशल किशोर ठाकुर जी के पावन सानिध्य एंव एडमिरल माधवेंद्र सिंह नाथावत पूर्व नौसेना अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

- कार्यक्रम संयोजक मोती सिंह सांवली ने बताया कि कार्यक्रम में 201 विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान किया
- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा थे

कार्यक्रम में 201 विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा थे। कार्यक्रम संयोजक मोती सिंह सांवली ने बताया कि कार्यक्रम में 201 विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम नाथावत वंश प्रवर्तक वीर शिरोमणि नाथाजी की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि क्षित्रय युवक संघ के संघ प्रमुख लक्ष्मण सिंह बेनियोकाबास, श्रवण सिंह बगड़ी, महामंत्री भाजपा, राजस्थान, समाजसेवी रणजीत जाखली (समाजसेवी), राखी राठौड़ प्रदेशाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा , महेंद्र सिंह तँवर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षित्रय महासभा, चंद्रवीर सिंह नमाणा ,राष्ट्रीयअध्यक्ष महाराणा प्रताप स्मारक, पूर्व विधायक प्रदीप सिंह सिगोली, सहित हजारों लोगों ने उपस्थित हो कर नाथाजी को पुष्पांजलि अर्पित की।

कार सवार बदमाशों ने युवक से हजारों की नकदी सहित अन्य सामान लूट हुए फरार

- पुलिस ने आसपास नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश की।पुलिस ने अज्ञात कार सवार बदमाशों के लिए लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में शुक्रवार देर रात कार सवार बदमाशों ने एक स्कॉर्पियों गाड़ी के आगे अपनी कार लगाकर उसे रोका और मारपीट करते हुए पीड़ित से हजारों रुपयों की नकदी व अन्य सामान ले कर फरार हो गए। आरोपियों के चुगंल से मुक्त होने के बाद पीड़ित जैसे-तैसे थाने पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आसपास नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लगी। पुलिस ने अज्ञात कार सवार बदमाशों के लिए लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

एसआई अशोक कुमार ने बताया की पीड़ित बाबूलाल चौधरी (31) रेनवाल,मांझी निवासी शुक्रवार रात को अपनी स्कॉर्पियों कार से मदाऊ कट के पास से होता हुआ घर जा रहा था। इसी दौरान मदाऊ कट के पास एक तेज रफ्तार बिना नंबरों की स्वीफ्ट कार आई और ओवर टेक कर उसकी गाड़ी के आगे आकर रुकी गई। जिसमें से 4-5 लोग नीचे उतरे और जबरन पैसे मांगने लगे। मना करने पर आरोपियों ने बेस बॉल के डंडे और सरिए से मारपीट करना शुरु कर दिया। अज्ञात बदमाशों ने मारपीट कर जेब में रखे 19 हजार 5 सौ रुपए और गाड़ी में रखे 15 हजार के कपड़े लूटकर फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने बदमाशों की आसपास तलाश भी की। लेकिन अज्ञात कार सवार बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार सवार बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

सड़कों पर फैली मिट्टी से आमजन को भारी परेशानी

जयपुर। धावास रोड और आसपास की दर्जनों कॉलोनियों में सड़क-लाइट नहीं होने और सड़कों पर फैली मिट्टी से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसे लेकर पृथ्वी राज नगर जन विकास समिति के पदाधिकारियों ने नगर निगम आयुक्त गौरव सैनी से मुलाकात की।समिति अध्यक्ष अनिल माथुर ने बताया कि जगदम्बा नगर, रजनी विहार, मोहित कॉटेज, हनुमान वाटिका, गोपाल नगर, विकास नगर, जगदम्बा विहार, श्याम विहार, हीरा नगर, सीता नगर, गणेश नगर सहित कई कॉलोनियों का नियमन हो चुका है। इसके बाद भी अधिकांश सड़कों पर स्ट्रीट लाइट नहीं है। रात को आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। धावास रोड पर भारी बारिश के बाद सडक पर जमा मिट्टी और धूल भी बडी समस्या बनी हुई है। दिनभर वाहनों की आवाजाही से धूल उड़ती रहती है।

- अधिकांश सड़कों पर स्ट्रीट लाइट नहीं होने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

सार-समाचार

जयपुर फुट के शिविर का आयोजन

जयपुर। मध्य अमेरिकी देश गुआटेमाला की राजधानी गुआटेमाला सिटी के विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट का शिविर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से शुरू हुआ। पचास दिवसीय इस शिविर में 650 विकलांगों का पुर्नवास किया जाएगा। गुआटेमाला की राजधानी में शिविर का उद्घाटन रक्षा मंत्री मेजर जनरल हैलरी साएन्ज ने गुआटेमाला में भारतीय राजदूत आर. के. सिंह तथा गुआटेमाला की द्विव्यांग कल्याण की संस्था नैशनल काउन्सिल फॉर दी केयर ऑफ पीपल विद डिसेबिलिटी (कान रैड) की अध्यक्ष मायरा वर्जीनिया लिंगास तथा इसी संस्था की कार्यकारी निदेशक क्लागीन ओलाडेस और उच्च सैनिक अधिकारियों की उपस्थिति में एक सैनिक संस्थान मिलिट्री ब्रिगेड मार्शल जिवाला में किया। उल्लेखनीय है कि इस शिविर का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा इण्डिया फॉर ह्यूमैनिटीज कार्यक्रम के अन्तर्गत किया जा रहा है और जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के तकनिकी सहयोग से इस शिविर का आयोजन हो रहा है। उद्घाटन समारोह में बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता उपस्थित थे ।

पुनर्मिलन कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। वर्ष 1980 में एडमिशन ले ने वाले मालवीय रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज के सभी इंजीनियरस ने पुनर्मिलन कार्यक्रम का संयोजन किया। जिसके क्रम में आज जयपुर स्थित आर चंद्रआ पैलेस में लगभग 60 से अधिक बैचमेट्स सपत्नीक इस रूबी मिलन समारोह में एकत्रित हुए है। दिन के इस कार्यक्रम के पश्चात यह सभी बैचमेट्स अपने शिक्षण संस्थान वर्तमान में मालवीय नेशनल इंस्टिट्ययूट टेक्नोलॉजी परिसर में उन्हीं हॉस्टल्स की मैस में आज वैसा ही खाना भी खाएंगे।यह कार्यक्रम पुराने साथियों से न केवल मिलने का अवसर प्रदान करता है अपितु उन स्मृतियों को भी साझा करने का एक मंच है जिसके माध्यम से समाज को उनके द्वारा दिए गए योगदान से यह एक दूसरे को अवगत करा सकेंगे।उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका, दुबई, सिंगापुर और भारत के दूर दराज राज्यों से बैचमेट अपनी पत्नी सहित इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो रहे हैं। वर्ष 1985 बैच के ही सतीश कुमार वर्तमान में चेयरमैन रेलवे बोर्ड हैइसके अतिरिक्त अनिल खंडेलवाल मेंबर रेलवे बोर्ड नेशनल टेक्निकल यूनिवर्सिटी सिंगापुर की सीनियर प्रोफेसर दीप्ति श्रीनिवासन एवं बहुत से विभागों के मुख्य अभियंता एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने सेवा काल में समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वाहन किया ।

पशुपालकों और डेयरी संघों के पदाधिकारियों के साथ बजट पूर्व संवाद

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान और पशुपालक राज्य की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार स्तंभ है। राज्य सरकार इनको उन्नत, समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए निरंतर फैसले ले रही है। शर्मा ने कहा कि कृषि, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र एक दूसरे के पूरक हैं। आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करते हुए ये तीनों क्षेत्र आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

साइबर अपराधों पर लगाम के लिए फर्स्ट रिस्पॉन्स सबसे अहम : डी.जी.पी. शर्मा

जयपुर। साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए फर्स्ट रिस्पॉन्स की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यह बात पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन ऑपरेटर्स की दो दिवसीय फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स वर्कशॉप के समापन पर कही। कार्यशाला का आयोजन राजस्थान पुलिस और साइबरपीस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

- कार्यशाला का आयोजन राजस्थान पुलिस और साइबरपीस के संयुक्त तत्वावधान में किया

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन ऑपरेटर्स की दो दिवसीय फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स वर्कशॉप के समापन पर कार्यशाला को संबोधित किया।

डीजीपी शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान में जल्द ही भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की तर्ज परराजस्थान साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटरस्थापित किया जाएगा, जिसे साइबर अपराध नियंत्रण के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराध की शिकायतों पर त्वरित और संवेदनशील प्रतिक्रिया से ही पीड़ितों की राशि समय रहते फ्रीज करवाई जा सकती है। ऑपरेटर्स को तकनीकी रूप से अपडेट रहकर फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका निभानी होगी।

कार्यशाला में गोल्डन ऑवर, साइबर वित्तीय धोखाधड़ी, फिशिंग, इन्वेस्टमेंट स्कैम सहित बदलते अपराध पैटर्न पर प्रशिक्षण दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को डीजीपी राजीव शर्मा और एडीजी साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने सम्मानित किया। कार्यशाला के उद्देश्य पर डीआईजी व एसपी साइबर क्राइम शांतनु सिंह ने प्रकाश डाला।

ज्वेलरी शॉप चोरी गैंग की मास्टरमाइंड गिरफ्तार

- जगतपुरा बाजार स्थित श्याम ज्वैलर्स पर तीन महिलाएं खरीदारी के बहाने पहुंचीं और दुकानदार को बातों में उलझाकर चांदी की पायल की एक ट्रे चोरी कर फरार हो गई

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाली महिला चोर गैंग की मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी महिला से पूछताछ में सामने आया है कि वह अपने महंगे शौक और मौज-मस्ती के लिए महिला चोर गिरोह का संचालन कर रही थी। पुलिस अब गिरोह में शामिल अन्य महिलाओं की तलाश में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि तीन जनवरी को जगतपुरा बाजार स्थित श्याम ज्वैलर्स पर तीन महिलाएं खरीदारी के बहाने पहुंचीं और दुकानदार को बातों में उलझाकर चांदी की पायल की एक ट्रे चोरी कर फरार हो गईं। बाद में सामान मिलान के दौरान चोरी का पता चला, जिस पर पीड़ित के पुत्र ने एयरपोर्ट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए महिला चोर गिरोह की मास्टरमाइंड नीरु उर्फ सोन्या (38) निवासी कोटा को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोटा में दबिश देकर पकड़ा गया। उसके कब्जे से चोरी की गई चांदी की छह पायल बरामद की गई हैं।

पूछताछ में आरोपित नीरु ने अपनी रिश्तेदार महिलाओं मौसम और गुड्डी के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी महिला ने बताया कि गिरोह कई राज्यों में ज्वेलरी शॉप पर दुकानदारों को बातों में उलझाकर सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर चुका है। चोरी के माल को बेचकर वह अपने परिवार का खर्च चलाने के साथ मौज-मस्ती में पैसे उड़ाती थी। पुलिस के अनुसार यह गिरोह एयरपोर्ट इलाके के अलावा प्रतापनगर और झोटवाड़ा क्षेत्र में भी ज्वेलरी शॉप चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

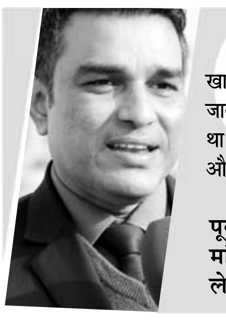

विराट के लिए 2024-2025 ऑस्ट्रेलिया दौरा खास नहीं रहा इस टूर पर कोहली ऑफ स्टंप्स से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। जिसके बाद मांजरेकर ने कहा था कि विराट अपनी कमियों को दूर करने में नाकाम रहे और टेस्ट से रिटायरमेंट ले लिया :- संजय मांजरेकर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी संजय मांजरेकर, विराट कोहली को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

हिटमैन रोहित शर्मा ने एक बार फिर कमाल कर दिखाया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए दो छक्के जड़े और क्रिस गेल के रिकॉर्ड को धवस्त कर दिया और अब वनडे क्रिकेट इतिहास में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए है। क्रिस गेल ने बतौर ओपनर वनडे में कुल 328 छक्के (274 पारियों में)लगाए थे, लेकिन अब रोहित शर्मा ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने 329 छक्के लगा दिए हैं और वह अब वनडे क्रिकेट में ओपनर के रूप में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज बन गए है।

क्या आप जानते हैं ?... साल 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी में महेला जयवर्धने और कुमार संगकारा ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 624 रन की पार्टनरशिप की थी

विराट पारी से भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

वडोदरा, 11 जनवरी (वार्ता) विराट कोहली (93), कप्तान शुभमन गिल (56) और श्रेयस अय्यर (49) की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को पहले एकदिवसीय न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

301 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने 39 रन जोड़े। नौवें ओवर में काइल जैमीसन ने रोहित शर्मा को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 29 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 26 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 118 रन जोड़े। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। 27वें ओवर में आदित्य अशोक ने शुभमन गिल को फिलिप्स के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। शुभमन गिल ने 71 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 56 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला और उन्होंने विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़े। इसी दौरान शतक के करीब विराट कोहली जेमीसन का शिकार बन गये। विराट कोहली ने 91 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 93 रनों की पारी खेली।

इसी ओवर में जेमीसन ने रवींद्र जड़ेजा (चार) को भी अपना शिकार बनाकर भारत को चौथा झटका दिया।

42वें ओवर में जेमीसन ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर भारत को संकट में डाल दिया। श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 49 रन बनाये। 47वें ओवर में क्लार्क ने हर्षित राणा को विकेट के पीछे कैच आउटकर कर मैच को रोमांचक मोड़ दे दिया। हर्षित राणा ने 23 गेंदों दो चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 29 रन बनाये। केएल राहुल ने 49वें ओवर में दो चौकों के बाद ओवर की आखिरी गेंद पर विजयी छक्का लगाकर भारत का स्कोर छह विकेट पर 306 कर चार विकेट से जीत दिला दी।

केएल राहुल ने 21 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 29 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर सात रन बनाकर नाबाद रहे।

न्यूजीलैंड के लिए काइल जेमीसन ने चार विकेट लिये। आदित्य अशोक और क्रिस्टियन क्लार्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले सलामी बल्लेबाजों डेवन कॉन्वे (56) और हेनरी निकल्स (62) के अर्धशतकों के बीच 117 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद डैरिल मिचेल के तूफानी 84 रनों की बदौलत न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 50 ओवरों में आठ विकेट पर 300 रन का मजबूत स्कोर बनाया।

मिचेल ने 71 गेंदों में अपनी तूफानी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाये। कॉन्वे ने 67 गेंदों में छह चौके और एक छक्का मारा जबकि निकल्स ने 69 गेंदों में आठ चौके लगाये। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिये। कुलदीप यादव ने 52 रन देकर एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। 20 ओवरों के बाद भारतीय गेंदबाजों (हर्षित राणा) ने पिच पर जम चुके न्यूजीलैंड के दोनों सलामी हेनरी निकल्स और डेवन कॉन्वे के विकेट झटक कर अपनी टीम की मैच में वापसी कराई।

इसके बाद मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन अन्य विकेट लेकर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को दबाव में लाकर उनके रनों की रफ्तार पर लगाम लगाई।

विल यंग (12), ग्लेन फिलिप्स (12), मिचेल हे 18 रन बनाकर आउट हुये। क्रिस्टियन क्लार्क ने 17 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से नाबाद 24 रन बनाये और न्यूजीलैंड को 300 तक पहुंचाया।

इसके बाद कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने डैरिल मिचेल के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 39 रनों की साझेदारी हुई। 43वें ओवर में श्रेयस अय्यर ने माइकल ब्रेसवेल (16) को रनआउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में मोहम्मद सिराज ने जैकरी फॉक्स को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया।

48वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने शतक की ओर बढ़ रहे डैरिल मिचेल को पगबाधा आउटकर न्यूजीलैंड को आठवां झटका दिया।

वैभव सूर्यवंशी फिर एक्शन में: अंडर 19 विश्व कप 2026 आगाज जल्द

नई दिल्ली। साल के पहले आईसीसी इवेंट की शुरुआत होने में कुछ दिन ही बचे हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का आगाज होने जा रहा है। इस अंडर-19 विश्व कप की शुरुआत 15 जनवरी से होगी और फाइनल 6 फरवरी को खेल जाएगा।

टूर्नामेंट के पहले ही मैच में भारतीय अंडर-19 टीम का सामना यूएई की युवा टीम से होगा। यह मैच बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी कुछ दिन बाद ही एक्शन में नजर आने वाले हैं। भारतीय सनसनी वैभव इन दिनों शानदार फॉर्म में भी चल रहे हैं। वॉर्म-अप मैच में उन्होंने अपनी फॉर्म का ट्रेलर भी दिखाया और अर्धशतकीय पारी खेली। हालांकि, शतक के बेहद करीब पहुंचकर वह आउट हो गए। शनिवार को बुलावायो एथलेटिक क्लब में स्कॉटलैंड अंडर-19 के खिलाफ उन्होंने 50 गेंदों में 96 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी तूफानी पारी में उन्होंने 9 चौके और 7 छक्के लगाए। वैभव ने महज 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने सिक्स लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। मनु सारस्वत ने वैभव को 96 रन पर आउट किया था। हाल ही में वैभव की कप्तानी में खेली गई 3 मैचों की यूथ वनडे सीरीज पर भारत ने कब्जा जमाया था। वैभव इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 3 पारियों में 206 रन बनाए थे।

साइड स्ट्रेन के कारण पंत हुए एकदिवसीय सीरीज से बाहर

वडोदरा 11 जनवरी (वार्ता) भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत रविवार को अभ्यास के दौरान लगी साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। ध्रुव जुरेल को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है और वह वडोदरा में टीम से जुड़ भी चुके हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जारी एक बयान में कहा, पंत को शनिवार अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में बल्लेबाजी करते समय दाईं तरफ पसलियों के पास अचानक दर्द महसूस हुआ। उन्हें तुरंत एमआरआई स्कैन के लिए ले जाया गया। इसके बाद बीसीसीआई का चिकित्सा दल ने विशेषज्ञ के साथ उनकी क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की। पंत को साइड स्ट्रेन की पुष्टि हुई है और उन्हें एकदिवसीय सीरीज से बाहर कर दिया गया है। हालांकि पंत की चोट भारतीय टीम के संयोजन को अधिक प्रभावित नहीं करती क्योंकि के एल राहुल एकदिवसीय में पहले से ही नियमित विकेटकीपर हैं। हालांकि पंत अच्छे फॉर्म में थे और दिल्ली की कप्तानी करते हुए उन्होंने टीम को विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाया था। उन्होंने इस दौरान छह पारियों में दो अर्धशतक लगाए। वहीं जुरेल भी विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने पिछली सात पारियों में छह 50 से अधिक के स्कोर बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। उनकी इस बल्लेबाजी से उत्तर प्रदेश की टीम भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है। पहले एकदिवसीय के बाद वडोदरा से टीमें राजकोट (14 जनवरी) और इंदौर (18 जनवरी) में खेलेंगी, उसके बाद उनका ध्यान पांच मैचों की टी-20 पर रहेगा, जो नागपुर (21 जनवरी), रायपुर (23 जनवरी), गुवाहाटी (25 जनवरी), विशाखापत्तनम (28 जनवरी) और तिरुवनंतपुरम (31 जनवरी) में खेली जाएगी। यह सीरीज टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए अहम मानी जा रही । टी-20 विश्व कप फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल भारत की टी-20 टीम में नहीं हैं। एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है:- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, के एल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर, थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालंपुर, 11 जनवरी (वार्ता) चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।'' महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया। वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, ''जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।

पोलैंड ने पहली बार जीता यूनाइटेड कप खिताब

सिडनी, 11 जनवरी (वार्ता) ह्यूबर्ट हुरकाज ने चोट से वापसी करते हुए एक भावुक जीत हासिल की और यूनाइटेड कप फाइनल में पिछले दो सालों की निराशा को मिटा दिया, जब उन्होंने रविवार रात सिडनी में मिक्स्ड टीम इवेंट में स्विट्जरलैंड पर पोलैंड की 2-1 की करीबी चैंपियनशिप जीत में अहम भूमिका निभाई। घुटने की सर्जरी के बाद सात महीनों में अपना पहला टूर्नामेंट खेलते हुए, पूर्व वर्ल्ड नंबर 6 को इगा स्विएटेक के बेलिंडा बेनसिक से 3-6, 6-0, 6-3 से हारने के बाद अपनी टीम को जीवित रखने के लिए स्टैन वावरिंका पर 6-3, 3-6, 6-3 से जीत की जरूरत थी, जिन्होंने टूर्नामेंट को 5-0 के सिंगल्स रिकॉर्ड के साथ खत्म किया। खिताब दांव पर होने पर, जान ज़िलिंस्की एक बार फिर शानदार फॉर्म में थे, जब उन्होंने कतरज़ीना कावा के साथ मिलकर अपना पांचवां मिक्स्ड डबल्स खिताब 6-4, 6-3 से जीता, जो पहले से अजेय रहे जैकब पॉल और बेनसिक के खिलाफ था, जो मैच प्ले में 10-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ टूर्नामेंट खत्म करने की कोशिश कर रही थीं। बेनसिक को यूनाइटेड कप फाइनल्स की सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया। यह 40 वर्षीय स्विस कप्तान वावरिंका के लिए एक भावुक रात थी, जो अपने विदाई सीजन की शुरुआत एक अप्रत्याशित यूनाइटेड कप खिताब के साथ करने की उम्मीद कर रहे थे।

साहसी वावरिंका ने पूरे इवेंट में चार तीन-सेट के मैच खेले, लेकिन आखिरकार अपने पांच सिंगल्स मैचों में सिर्फ एक जीत के साथ ही संतोष करना पड़ा। हुरकाज़ ने वावरिंका पर 18 ऐस मारे और अपने सामने आए नौ में से आठ ब्रेक पॉइंट बचाए, जो इस हफ्ते 40 वर्षीय खिलाड़ी के कवच में एकमात्र कमजोरी को उजागर करता है। हालांकि उन्होंने दूसरे सेट को जीतने के रास्ते में एक महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, लेकिन तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने अपने पांच सिंगल्स मैचों में 23 ब्रेक पॉइंट अवसरों में से सिर्फ दो को ही भुनाया।

कलमाडी को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रार्थना सभा 17 को

नयी दिल्ली, 11 जनवरी (वार्ता) एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, सुरेश कलमाडी, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है, जिनका भारतीय एथलेटिक्स में योगदान महत्वपूर्ण और स्थायी रहेगा। कलमाडी की याद में श्रद्धांजलि देने और शोक व्यक्त करने के लिए एक प्रार्थना सभा 17 जनवरी को दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित की जायेगी।

सबालेंका ने कोस्त्युक को हराकर 22वां करियर खिताब जीता

ब्रिस्बेन, 11 जनवरी (वार्ता) दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने रविवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल फाइनल में मार्टा कोस्त्युक को हराकर अपने करियर का 22वां सिंगल्स खिताब और 2026 का पहला खिताब जीता।

सबालेंका ने रविवार शाम को एक घंटे और 18 मिनट में दुनिया की नंबर 26 खिलाड़ी कोस्त्युक को 6-4, 6-3 से हराकर लगातार दूसरे साल ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब जीता।

कोस्त्युक पर जीत के साथ सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट में अपना शानदार प्रदर्शन पूरा किया, जहां उन्होंने अपने पांच मैचों में एक भी सेट नहीं हारा। इससे सबालेंका टूर्नामेंट के 17 साल के इतिहास में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में लगातार खिताब जीतने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बन गईं और 2023 की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में मैचों में उनका रिकॉर्ड 38 जीत और दो हार हो गया। सबालेंका ने कोस्त्युक की सर्विस तोड़ी, जिन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए तीन टॉप-10 विरोधियों को हराया था, पहले और दूसरे सेट में दोनों में 3-0 की बढ़त बनाई।

यूक्रेनी खिलाड़ी पहले सेट में वापसी करने में कामयाब रही, लेकिन दूसरे सेट में ऐसा नहीं कर पाई, क्योंकि सबालेंका ने बीच में एक ऐस के साथ दो चैंपियनशिप पॉइंट बनाए और पहले ही पॉइंट को एक शक्तिशाली वाइड सर्व के साथ बदल दिया।

जालोर जिले की आकांक्षा कुमावत ने पॉवर लिफ्टिंग में बनाया नया राष्ट्रीय कीर्तिमान

इक्युपड एंड क्लासिक बेंच प्रेस प्रतियोगिता में दिल्ली में जीते गोल्ड मेडल

जालोर। फरीदाबाद , दिल्ली में 07 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित हुई 34वीं राष्ट्रीय सीनियर, जूनियर, सब जूनियर एवं मास्टर्स इक्युपड एंड क्लासिक बेंच प्रेस प्रतियोगिता-2025-26 में जिले के गांव बावड़ी, तहसील आहोर की बेटी आकांक्षा कुमावत ने पॉवर लिफ्टिंग में नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के सचिव विनोद साहू ने बताया कि सब जूनियर बालिका टीम का नेतृत्व कर रही आकांक्षा कुमावत ने 57 किलो भार वर्ग में 77.5 किलोग्राम वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता है। आकांक्षा ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में 77.5 किलोग्राम भार उठाकर राष्ट्रीय नया कीर्तिमान बनाया है, इससे पहले 57 किलोग्राम भार वर्ग में 72.5 किलोग्राम वजन उठाने का राष्ट्रीय कीर्तिमान था। इसी तरह आकांक्षा कुमावत ने इक्युपड बेंच प्रेस में भी 57 किलोग्राम भार वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हुए 95 किलो वजन उठाकर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले इक्युपड बेंच प्रेस के इस भार वर्ग का राष्ट्रीय रिकार्ड 87.5 किलोग्राम था। दो वर्गों में गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही आकांक्षा कुमावत स्ट्रॉग वुमन ऑफ इंडिया का खिताब भी अपने नाम किया। इस जीत का श्रेय आकांक्षा ने अपने कोच लोकेश कुमार व पूनम पूनिया को दिया है।

विराट कोहली का इंटरनेशनल क्रिकेट में बड़ा कारनामा, कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली। विराट कोहली ने नए साल की शुरुआत एक कीर्तिमान के साथ की। वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ 25 रन बनाते ही विराट कोहली के इंटरनेशनल क्रिकेट में 28000 रन पूरे हो गए। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बन गए हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर और कुमार संगाकारा के नाम यह रिकॉर्ड है। कोहली ने 557वें मैच की 624 पारियों में इस उपलब्धि को हासिल किया।

पहले वनडे की बात करें तो भारत के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 300 रन बनाए। 301 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा और गिल ने सधी हुई शुरुआत दिलाई।

दोनों के बीच 39 रनों की साझेदारी हुई। 9वें ओवर में रोहित शर्मा कैच आउट हुए और विराट कोहली मैदान पर आए। कोहली ने आते ही अपनी क्लास दिखाना शुरू की।

मुकाबले में 42 रन बनाते ही कोहली ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह अब इंटरनेशनल क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस लिस्ट में टॉप पर अब सचिन तेंदुलकर हैं। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन ने 664 इंटरनेशनल मैच की 782 पारियों में 34357 रन बनाए। अपने करियर में तेंदुलकर ने 100 शतक और 164 अर्धशतक लगाए।

यास्तिका भाटिया डब्ल्यूपीएल 2026 से बाहर

नवी मुम्बई 11 जनवरी (वार्ता) गुजरात जायंट्स (जीजी) की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 से बाहर हो गई हैं।

भाटिया की उपलब्धता को पहले से ही संशय बना हुआ था क्योंकि अक्तूबर में उनकी एसीएल सर्जरी हुई थी। डब्ल्यूपीएल ने नीलामी से पहले ही तमाम फ्रैंचाइजी को सूचित कर दिया था कि अगर कोई टीम उन्हें खरीदती है तो उनके लिए रिप्लेसमेंट विकल्प नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद जीजी और यूपी वॉरियर्ज ने उनके लिए बोली लगाई और जीजी ने 50 लाख में उन्हें खरीद लिया।

टीम एच.डी.एफ.सी. बैंक ने आख़िरी गेंद पर जीता पहला मणिपाल कप-2026

जयपुर, 11 जनवरी। रोमांच से भरे फाइनल में आख़िरी गेंद तक संघर्ष के बाद टीम एचडीएफसी बैंक ने मेज़बान मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर (एमयूजे) को तीन विकेट से हराकर मणिपाल कप-2026 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एमयूजे ने 57 रनों का साधारण लक्ष्य दिया। विकेटों के लगातार गिरने के बावजूद एचडीएफसी बैंक ने लक्ष्य का पीछा जारी रखा और आठ ओवरों के मैच की अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। मैच के बाद एमयूजे के कुलपति, डॉ. नीति निपुण शर्मा ने विजेता टीम के कप्तान श्री गौरव तिवारी को मणिपाल कप ट्रॉफी प्रदान की।

यह टूर्नामेंट एमयूजे द्वारा ईयर आफ कोलाबरेसन पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसमें चार टीमें - मणिपाल हॉस्पिटल्स, एचडीएफसी बैंक, ग्राविटा और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर - शामिल हुए। शुरुआती दो मुकाबले नॉकआउट प्रारूप में खेले गए। पहले मैच में एचडीएफसी बैंक ने मणिपाल हॉस्पिटल्स को हराया, जबकि दूसरे मैच में एमयूजे ने ग्राविटा को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

पोस्ट-मैच प्रेज़ेंटेशन में कई उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। एचडीएफसी बैंक के रूपेश गर्ग को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ और मैन ऑफ द सीरीज़ चुना गया। एमयूजे के श्री मन मोहन मेहता को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ का पुरस्कार मिला, जबकि एमयूजे के ही श्री सुरेश मीणा को बेस्ट इम्पैक्ट प्लेयर ट्रॉफी प्रदान की गई।

पुरस्कार वितरण समारोह में एमयूजे के कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा, प्रोवोस्ट डॉ. नितु भटनागर, रजिस्ट्रार डॉ. अमित सोनी, सीडीओई के निदेशक डॉ. मल्लिकार्जुन गडप्पा तथा हेड ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज़ सुश्री कननजीत कौर शामिल थीं। इनके साथ एचडीएफसी बैंक की ओर से वाइस प्रेसिडेंट श्री जस्मीत सिंह भी मंच पर उपस्थित रहे।

दिन की शुरुआत में मणिपाल कप-2026 का औपचारिक उद्घाटन चारों संस्थानों के गणमान्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

विद्युत निगमों की टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस खेल प्रतियोगिता संपन्न

युगल मुकाबलो में प्रसारण, उत्पादन और डिस्कॉम के खिलाड़ी संयुक्त रूप से विजेता रहे

जयपुर, 11 जनवरी । दिनांक 8 जनवरी 2026 से जयपुर स्थित सभी विद्युत निगमों के खिलाड़ियों के मध्य चल रही टेनिस, टेबल टेनिस और बैडमिंटन प्रतियोगिता रविवार को जयपुर क्लब में संपन्न हुई। उपरोक्त खेल प्रतियोगिताओं में विद्युत निगमों के महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के टेबल टेनिस के मुकाबले में पुरुष युगल में उत्पादन निगम के क्षितिज सिंह राठौड़ और जयपुर डिस्कॉम के तनुराज वर्मा की जोड़ी विजेता तथा उत्पादन निगम के पवन शर्मा और प्रसारण निगम के दीपक शर्मा की जोड़ी उप विजेता रही।

टेनिस के दिलचस्प मुकाबलो में पुरुष सिंगल्स में जोधपुर डिस्कॉम के अरुण कुमार विजेता रहे तथा जयपुर डिस्कॉम के सुमित कुमार चौधरी उपविजेता रहे लॉन टेनिस की पुरुष डबल्स प्रतियोगिता में उत्पादन निगम के पवन शर्मा और जोधपुर डिस्कॉम के अरुण कुमार की जोडी विजेता तथा उत्पादन निगम के मनीष शर्मा और जयपुर डिस्कॉम के सुमित कुमार चौधरी की जोडी उप विजेता रही।

बैडमिंटन के रोमांचक मुकाबलो में पुरुष सिंगल्स में प्रसारण निगम के महेश परेवा विजेता रहे तथा प्रसारण निगम के ही महेंद्र कुमावत विजेता रहे।

पुरुष युगल में प्रसारण निगम के महेंद्र कुमावत एवं महेश परेवा की जोडी विजेता तथा उत्पादन निगम के अमित गर्ग एवं सतीश विधूड़ी की जोडी उप विजेता रही।

बैडमिंटन में महिला सिंगल्स की विजेता ऊर्जा विकास निगम की श्वेता केन तथा उपविजेता प्रसारण निगम की मोनिका जैन रही। महिला युगल की विजेता ऊर्जा विकास निगम की श्वेता केन और उत्पादन निगम की अंजलि चौधरी की जोडी तथा उपविजेता उत्पादन निगम की ज्योति वर्मा और प्रसारण निगम की कल्पना गजराज के जोडी रही।

प्रतियोगिता के समापन पर प्रसारण निगम के मुख्य कार्मिक अधिकारी अमिताभ गुप्ता ने सभी विजेता खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। प्रतियोगिता के दौरान सभी विद्युत निगम के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने जोश के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्य कार्मिक अधिकारी अमिताभ गुप्ता ने बताया कि वार्षिक खेलकूद की प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को विद्युत भवन में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

विकसित राजस्थान के निर्माण में सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी जरूरी है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रमुख एनजीओ, सिविल सोसायटी व उपभोक्ता फोरम प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद किया

जयपुर, 11 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सामाजिक संगठन जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम हैं तथा इनके अनुभव एवं सुझाव जनकल्याण को दिशा देने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित एवं उत्कृष्ट राजस्थान के निर्माण में एनजीओ, सिविल सोसायटी एवं उपभोक्ता मंच की भागीदारी भी जरूरी है। ये संस्थाएं जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में प्रभावी कड़ी बन सकती हैं।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता फोरम के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन संवादों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से सुझाव ले रही है।

संवाद कार्यक्रम में जिला दिव्यांग सेवा संस्थान (जालोर), अर्पण सेवा संस्थान, घुमंतू कल्याण संस्थान, प्रयास संस्थान, कट्स संस्थान, एसडब्ल्यूआरसी तिलोनिया, सेन्ट्रल फॉर डवलपमेंट कम्यूनिकेशन जयपुर, अपना घर आश्रम, टाबर संस्थान,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एनजीओ, सिविल सोसाइटी और उपभोक्ता फोरम के प्रतिनिधियों से बजट पूर्व संवाद किया।

सक्षम संस्थान, सिविल राईट सोसायटी, शांति देवी जनकल्याण ट्रस्ट, अलख फाउंडेशन, चौथमल पुजारी चैरिटेबल ट्रस्ट, कन्ज्यूमर एक्शन एण्ड नेटवर्क, जनाधिकार समिति, सेन्टर फॉर दलित राईट्स सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिए। इन प्रतिनिधियों ने दिव्यांग कल्याण, महिला उत्थान, घुमंतू कल्याण, उपभोक्ता कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, पुनर्वास केन्द्रों एवं स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण जैसे विषयों पर अपनी राय रखी। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार द्वारा पिछले 2 वर्षों में स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में लिए गए जनकल्याणकारी फैसलों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने

■ संवाद कार्यक्रम में संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने दिव्यांग, महिला, घुमंतू, उपभोक्ता, पर्यावरण आदि विषयों पर अपने विचार रखे तथा गत दो वर्षों में स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार के फैसलों की सराहना की।

प्रतिभागियों के सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों का विश्लेषण करते हुए आगामी बजट में समाहित करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ईरान के राष्ट्रपति प्रदर्शनकारियों से बात करने को तैयार

तेहरान, 11 जनवरी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच रविवार को कहा कि वह प्रदर्शनकारियों की मांगें सुनने के लिये तैयार हैं, लेकिन दंगाई पूरे समाज को तबाह करने में लगे हैं।

पेज़ेशकियान ने सरकारी न्यूज़ एजेंसी आईआरआईबी को दिये गये एक साक्षात्कार में कहा, ''लोगों की अपनी चिंताएं हैं। हमें उनके साथ बैठना चाहिए और हमें उन चिंताओं का हल निकालना चाहिए। लेकिन इससे भी ज़्यादा ज़रूरी है कि दंगाइयों के समूह को पूरे समाज को तबाह न करने दिया जाये।'' पेज़ेशकियन ने अमेरिका और इज़रायल पर ईरान में अस्थिरता पैदा करने के लिए ''दंगाइयों'' को आदेश देने का भी आरोप लगाया। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब हाल के दिनों में ईरानी पुलिस और सरकार और इन कथित ''दंगाइयों'' के बीच जानलेवा झड़पों की खबरें मिली हैं। ये झड़पें दिसंबर के आखिर से कई ईरानी शहरों में, ईरानी मुद्रा रियाल की कीमत में भारी गिरावट और लंबे समय से चली आ रही आर्थिक मुश्किलों को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई हैं। उल्लेखनीय है कि आर्थिक तंगी को लेकर ईरान में बीते दो हफ्तों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। नॉर्वे के एक मानवाधिकार समूह के अनुसार, इन प्रदर्शनों में अब तक 192 लोग मारे जा चुके हैं।

ईरान की संसद में ''अमेरिका मुर्दाबाद'' के नारे लगे

अमेरिका ने हमला किया तो अमेरिकी व इज़रायली सेनाओं को निशाना बनाने की चेतावनी

तेहरान, 11 जनवरी। ईरान में सत्ता के खिलाफ जारी देशव्यापी प्रदर्शनों के बीच तनाव और बढ़ गया है।ईरान में लगभग दो सप्ताह से जारी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और दमन की कार्रवाई में अब तक 203 लोगों की मौत हो चुकी है।इंटरनेट और फोन सेवाएं बंद होने से हालात की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है।

कार्यकर्ताओं के मुताबिक, प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसा में अब तक 203 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2,600 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनों में जान गंवाने वालों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। एजेंसी के अनुसार, मृतकों में 162 प्रदर्शनकारी और 41 सुरक्षा बलों के सदस्य शामिल हैं। ईरान सरकार ने प्रदर्शनों में हताहतों की संख्या जारी नहीं की है।

इसी बीच ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कालिबाफ ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो अमेरिकी और इज़रायली सैनिकों को भी निशाना बनाया जाएगा।

■ अमेरिका की ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज़ एजेंसी के अनुसार, मृतकों में 162 प्रदर्शनकारी तथा 41 सुरक्षा बलों के सदस्य शामिल हैं।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब राजधानी तेहरान और देश के दूसरे सबसे बड़े शहरों में प्रदर्शन दो हफ्ते से ज्यादा समय से जारी हैं।

संसद में यह बयान उस वक्त आया, जब सांसद नारेबाजी करते हुए आसन के पास पहुंच गए और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए। विदेश में मौजूद लोगों को आशंका है कि सूचनाओं पर पाबंदी के कारणसुरक्षा बलों के सख्त रुख को बढ़ ावा मिल सकता है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के प्रति समर्थन जताया। उन्होंनेकहा कि अमेरिका मदद के लिए तैयार है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्सके अनुसार, ट्रंप को ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के विकल्प बताए गए हैं, हालांकि अंतिम फैसला नहीं हुआ है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग ने चेताया कि ट्रंप जो कहते हैं, उस पर अमल भी करते हैं।

अमेरिका ने सीरिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दुभाषिया नागरिक मारे गए।

कमांड ने कहा कि ये हमले ''हमारे लड़ाकों के खिलाफ इस्लामिक आतंकवाद को जड़ से खत्म करने, भविष्य में होने वाले हमलों को रोकने और इस इलाके में अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं की रक्षा करने के हमारे लगातार प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं,'' उन्होंने कहा कि अमरीकी और गठबंधन सेनाएं ''अमेरिका को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले आतंकवादियों का पीछा करने के लिए दृढ़ हैं।''

एक्स ने गलती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अश्लील पोस्ट के नहीं हटाने पर आईटी एक्ट के तहत प्लेटफार्म के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

एक्स के आर्टीफिशल इंटेलिजेंस (एआई) टूल ग्रोक व अन्य माध्यमों से महिलाओं की तस्वीर को डालकर उसके साथ अश्लील हरकतें करने का कंटेंट पोस्ट किया जा रहा था। इस मामले में शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की थी। एआई टूल के माध्यम से एक्स पर पोस्ट की गई आम महिला की तस्वीरों के साथ इस प्रकार के छेड़छाड़ के मामले सामने आ रहे थे। मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि एक्स ने अपनी गलती तो मान ली है और भविष्य में भारत के कानून के हिसाब से प्लेटफार्म के संचालन का भरोसा भी दिया है, लेकिन इस प्रकार के मामले में और सख्त कार्रवाई की जरूरत है। मंत्रालय कार्रवाई से बहुत संतुष्ट नहीं है। मंत्रालय ने एक्स को एआई से बनाए गए कंटेंट के गलत इस्तेमाल पर स्वत: रोक लगाने के लिए टेक्निकल टूल की तैनाती के साथ उन सभी के खातों को समाप्त करने के लिए कहा है। कुछ दिन पहले एक्स प्लेटफार्म पर अश्लील वीडियो के भी मामले सामने आए थे।सरकार की तरफ से भारत में किसी भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर बच्चों से जुड़े अश्लील कंटेंट को चलाने की सख्त मनाही है।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोचिए क्या माहौल रहा होगा। तब हमारे पूर्वजों ने अपनी जान की बाजी लगा दी थी। हमारे पुरखों ने अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया था। मैं दुनियाभर के श्रद्धालुओं को सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा की शुभकामनाएं देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, 72 घंटों तक अनवरण ओंकार का नाद, 72 घंटों का अनवरण मंत्रोच्चार। मैंने देखा, कल रात 1,000 ड्रोन द्वारा, वैदिक गुरुकुलों के 1,000 विद्यार्थियों की उपस्थिति, सोमनाथ के 1,000 वर्षों की गाथा का प्रदर्शन। और आज 108 अश्वों के साथ मंदिर तक शौर्य यात्रा, मंत्रों और भजनों की अद्भुत प्रस्तुति, सबकुछ मंत्र-मुग्ध कर देने वाला है।

पालम पर तापमान 3 डिग्री पहुँचा

नयी दिल्ली, 11 जनवरी। राजधानी दिल्ली के पालम क्षेत्र में रविवार सुबह को हाल के वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी सुबहों में से एक दर्ज किया गया जहां न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2010 के बाद यह पालम में दर्ज किया गया दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान है। इस अवधि में इससे अधिक ठंडा दिन सात जनवरी 2013 को रहा था, जब तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था।

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पालम में अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान 11 जनवरी 1967 को दर्ज किया गया था, जब पारा शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया था। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में शीतलहर की स्थिति दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि ठंड का यह दौर अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है, जिसके मद्देनज़र दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच मौसम विभाग ने बताया कि अगले पांच से सात दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

सोनिया गांधी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के अनुसार उनकी सेहत में तेज़ी से हो रहे सुधार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई है। ग़ौरतलब है कि श्रीमती गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान दिल्ली में बढ़ ते प्रदूषण का मुद्दा उठाया था। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली प्रदूषण की वजह से कई लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संघ बदल नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों रूप अलग-अलग हैं। फिर भी पेड़ मूल रूप से उसी बीज जैसा है, जिससे वह उगा है।'' भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एक जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने बचपन में ही अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

भारत आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह मिशन पीएसएलवी का 64वां उड़ान मिशन होगा। 260 टन वजनी और 44 मीटर ऊंचा यह रॉकेट अपनी पिछली विफलता के बाद वापसी कर रहा है। 18 मई 2025 को हुए पिछले मिशन में रॉकेट के तीसरे चरण में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके कारण वह मिशन असफल रहा था।

पीएसएलवी-सी 62मिशन में कुल 15 सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे। इनमें एक मुख्य भारतीय सैटेलाइट और 14 अन्य छोटे उपग्रह शामिल हैं। इन 14 में से 8 विदेशी सैटेलाइट हैं, जो फ्रांस, नेपाल, ब्राजील और ब्रिटेन के हैं।

इस मिशन में हैदराबाद की ध्रुवा स्पेस कंपनी पहली बार 7 सैटेलाइट लॉन्च करेगी। यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इसरो ने बताया कि एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का निर्माण थाईलैंड और ब्रिटेन ने मिलकर किया है। मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। लॉन्च के करीब 17 मिनट बाद सभी सैटेलाइट को उनकी तय कक्षा में स्थापित कर दिया जाएगा। पूरे मिशन की अवधि दो घंटे से अधिक होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908